CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31°C
न्यूनतम: 25°C

मुरादाबाद, सोमवार 21 जुलाई 2025 मुरादाबाद संस्करण: वर्ष 22 अंक 341 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com श्रावण कृष्ण पक्ष 10 विक्रमी सम्वत् 2082 25 मुहर्रम 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल गांधी का सरकार पर हमला पेज 2

शुभमन गिल के निशाने पर 19 साल पुराना रिकॉर्ड खेल टाइम्स

संसद में प्राइवेट मेंबर बिल: गंभीरता की गिरती रेखा व लोकतंत्र की अनदेखी सम्पादकीय

20 साल से सऊदी के 'सोते हुए राजकुमार' का निधन पेज़ 12

फ्लाइट की जल्दबाजी में पत्नी को भूले शिवराज सिंह

जूनागढ़, वार्ता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जूनागढ़ में एक दिलचस्प जल्दबाजी कर बैठे। वे पत्नी साधना सिंह को छोड़कर 22 गाड़ियों के काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट की ओर रवाना हो गए।

एक किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि ख्याल आया पत्नी तो साथ में हैं ही नहीं। इसके बाद काफिला तुरंत यू-टर्न लेकर मूंगफली शोध केंद्र लौटा, जहां साधना सिंह वेटिंग रूम में बैठी थीं। दरअसल, शिवराज पत्नी के साथ गुजरात के धार्मिक व सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ

ज्योतिर्लिंग और गिर के सिंहदर्शन के बाद मूंगफली शोध केंद्र में किसानों व 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं से संवाद कार्यक्रम था। उन्हें रात 8 बजे राजकोट से फ्लाइट पकड़नी थी और रास्ता खराब होने के कारण वे

■ काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट निकले, एक किमी के बाद वापस लौटे फिर साथ गए केंद्रीय मंत्री

हड़बड़ी में थे। कार्यक्रम के मंच पर बार-बार घड़ी देखते रहे। खुद माइक से कहा कि राजकोट का रास्ता खराब है, अगली बार फुर्सत से आऊंगा। उन्होंने भाषण छोटा किया और तेजी से काफिले के साथ निकल गए। उधर, साधना गिरनार दर्शन के बाद लौट चुकी थीं और प्रतीक्षालय में बैठी थीं। शिवराज को ख्याल आया कि पत्नी, तो साथ में हैं नहीं। फिर फोन पर संपर्क साधा। इसके बाद काफिले संग लौटे और पत्नी को लेकर राजकोट निकले। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्नी साधना सिंह के साथ सासन-देवलिया सफारी पार्क घूमा था। उन्होंने कहा था कि सासन में हमने प्रकृति के राज को देखा। गिर की प्राकृतिक सुंदरता वाकई अद्भुत है। उन्होंने कहा था कि सफारी की पूरी अवधारणा और योजना अद्भुत है। यह सफारी अनुभव के अलग-अलग रंग प्रदान करती है।

थरूर के तीखे बोल: पहली वफादारी देश के लिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं।

■ कहा: दूसरे दलों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, इसे गद्दारी समझ लिया जाता है

थरूर कोच्चि में शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। राजनीति में मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।

डॉन फिल्म के निर्देशक चंद्रा बारोट का निधन

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अभिनीत सुपरहिट फिल्म डॉन के निर्देशक चंद्रा बारोट का रविवार को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। चंद्रा बारोट कई सालों से अपने फेफड़ों का इलाज करा रहे थे। वह मुंबई के बांद्रा स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां रविवार को उन्होंने आखिरी सांस ली। चंद्रा बारोट को वर्ष 1978 में प्रदर्शित अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म 'डॉन' का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है। चंद्रा बारोट का जन्म और पालन-पोषण तंजानिया में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बैंक में नौकरी से की थी, लेकिन उनका दिल फिल्मों की ओर चला गया, जिसके बाद वे भारत आकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ गए।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरीं, काशी में बाढ़

नई दिल्ली। राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है। उधर बिहार की कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना में गंगा नदी उफान पर है। पटना डीएम ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है।

विदेशी मीडिया के झूठे कवरेज पर बरसे उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली। अहमदाबाद में बीते 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चर्चा जारी है। इसी बीच केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने रविवार को एयर इंडिया 171 विमान हादसे को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि एएआईबी पूरी जिम्मेदारी से और अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत जांच कर रही है। मंत्री नायडू ने एएआईबी रिपोर्ट को लेकर विदेशी मीडिया के दावों पर भी निशाना साधा। उन्होंने खासकर पश्चिमी मीडिया को आगाह किया कि वे अफवाहें फैलाने और बिना पुष्टि वाली खबरें छापने से बचें। नायडू ने कहा कि हमें एएआईबी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने ब्लैक बॉक्स को भारत में ही डिकोड कर एक बेहतरीन काम किया है। जब तक अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है।

प्रधानमंत्री से अपना नैतिक कर्तव्य निभाने की उम्मीद जताई

विपक्ष एकसुर: पहलगाम और ट्रम्प की हकीकत बताएं मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने रविवार को एक स्वर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद से देश को संबोधित करना चाहिए और बिहार में मतदाता सूची तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोपों पर जवाब देना चाहिए।

सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। सीमा पर संघर्ष, प्रत्येक नागरिक के मतदान के अधिकार और बिहार में मतदाता पुनरीक्षण से संबंधित मुद्दे पर प्रधानमंत्री को संसद से राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए। उम्मीद है प्रधानमंत्री अपना नैतिक कर्तव्य निभाएंगे। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कहा कि उन्होंने बैठक में पहलगाम आतंकी हमला और

■ सर्वदलीय बैठक के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं ने एक स्वर में उठाई मांग, एकजुट हुआ विपक्ष

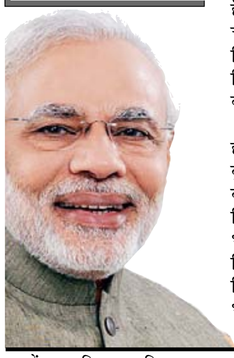

इसमें खुफिया विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के सैन्य कारवाई रोकने वाले बयान के साथ ही पांच जेट गिराए जाने संबंधी बयान, देश की विदेश नीति की विफलता का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि विदेश नीति की विफलता के कारण ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के किसी देश ने हमारा साथ नहीं दिया। अन्नाद्रमुक के एम. थंबीदुरई ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में लगभग सभी दलों के नेताओं ने -शेष पृष्ठ दो पर

संसद सुचारू रूप से चलाना सबकी जिम्मेदारी: रिजिजू

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि संसद को सुचारू रूप से चलाना राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है और वैविचारिक विविधता के बावजूद सभी दलों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि सर्वदलीय बैठक में आज विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। यह बैठक बहुत सकारात्मक रही और सदस्यों ने सकारात्मक रूप से ही अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी दलों के नेताओं ने सुझाव दिए और सरकार ने उन सभी की सुझाव को नोट कर लिया है।

कांवड़ यात्रा में उपद्रव करने वालों के लगेंगे पोस्टर: योगी

उप्र के मुख्यमंत्री ने की कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार ने पोस्टर चस्पा करने की चेतावनी दी है और यात्रा सम्पन्न होने के बाद उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। ये बातें खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में कही।

सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद सख्त नजर आए और कहा कि सभी घटनाओं के सीसीटीवी हैं, जिन्होंने भी कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है, जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं वो सब बेनकाब होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने आगाह करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में उत्साह और उमंग है। श्रद्धा और भक्ति है। वहीं इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा

■ मुख्यमंत्री ने लोगों को भी कराया उनकी जिम्मेदारी का अहसास

रहा है। ऐसे लोगों को अपने बीच में न घुसने दें। कांवड़ को खंडित करने और श्रद्धा से जो खिलवाड़ करता है। खुद कानून हाथ में न लें बल्कि उनके बारे में प्रशासन को सूचना दें। मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा के दौरान जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। वहीं लोगों को उनकी जिम्मेदारी का भी अहसास कराया। सीएम योगी ने कहा कि शिव लोकमंगल के देवता हैं। वो आदिदेव महादेव हैं। पुलिस प्रशासन ने तो बेहतर व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें दूसरों की परेशानी समझनी होगी। सफाई कर्मचारी तो अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, लेकिन हमें भी अपना दायित्व समझना होगा।

जांच एजेंसियों के वकीलों को तलब करने पर SC ने लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों के वकीलों को तलब करने के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है।

शीर्ष अदालत इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ करेगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किया था। इसे लेकर ईडी ने कहा कि उसने अपने जांच अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने मुवक्किलों के खिलाफ चल रही जांच में किसी भी वकील को समन जारी न करें।

विधेयक मंजूरी मामले में संविधान पीठ कल करेगी विचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 22 जुलाई को राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार करेगी कि क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर विचार करते वक्त राष्ट्रपति की ओर से विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों से समय-सीमाएं निर्धारित की जा सकती हैं।

सिर्फ आर्य समाज मंदिर का प्रमाणपत्र विवाह का वैध सबूत नहीं: इलाहाबाद हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक महिला के अनुकंपा नियुक्ति के मामले में दिए अहम फैसले में कहा कि सिर्फ आर्य समाज मंदिर का प्रमाणपत्र विवाह का वैध सबूत नहीं माना जाएगा।

अदालत ने यह भी कहा कि महज स्टांप पेपर पर पति-पत्नी के बीच तलाक नहीं हो सकता

■ कहा: महज स्टांप पेपर पर पति-पत्नी के बीच तलाक नहीं हो सकता

है। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने महिला की अनुकंपा नियुक्ति पाने की याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश मनीष माथुर की एकल पीठ ने यह फैसला महिला की याचिका पर दिया। महिला ने अपने कथित पति की मृत्यु के बाद उसकी जगह खुद को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने का दावा किया था, जिसे कृषि विभाग ने बीते 5 अप्रैल को खारिज कर दिया था। दावे को खारिज करने के इसी आदेश को महिला ने याचिका में चुनौती दी थी।

एनआईए अदालत ने शमील की जमानत याचिका खारिज की

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की यहां की एक विशेष अदालत ने प्रतिबंधित संगठन सिमी के कार्यकर्ता साकिब नाचन के पुत्र और आतंकवाद के आरोपी शमील नाचन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। शमील ने अपने पिता की मृत्यु के बाद विभिन्न क्रियाकलापों के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी। उसके पिता की हाल ही में दिल्ली की तिहाड़ जेल में मृत्यु हो गई थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि नमाज कहीं से भी अदा की जा सकती है और कब्रिस्तान में व्यक्तिगत उपस्थिति आवश्यक नहीं है। शमील ने अपने पिता की मौत के बाद विभिन्न क्रियाकलापों के लिए 20 दिनों की अंतरिम जमानत दिए जाने का आग्रह किया था। शमील के वकीलों, मोबिन सोलकर और ताहिरा कुरैशी ने तर्क दिया था कि मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार, कुरान ख्वानी की व्यवस्था की जानी चाहिए। मृत्यु के बाद 20 दिनों की अवधि के दौरान, नमाज अदा करने के लिए कब्रिस्तान में दिन में दो बार जाना होता है।

नैनीताल से विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम जुड़ेगा रोपवे से

अफज़ल हुसैन 'फौजी'

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों और बाबा नीम करौली महाराज के अनन्य भक्तों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।

नैनीताल से विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम तक की यात्रा अब न केवल बेहद सुगम होगी, बल्कि समय भी कम लगेगा। दरअसल, जिला पर्यटन विभाग ने नैनीताल के स्नो व्यू से कैंची धाम तक एक अत्याधुनिक रोपवे (केबल कार) परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेज दिया है। इस पहल

से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भीषण जाम और लंबी दूरी की थकावट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। फिलहाल, नैनीताल से कैंची धाम तक सड़क मार्ग से करीब 17 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। गर्मियों की छुट्टियों, पीक पर्यटन सीजन और विशेषकर हर वर्ष आयोजित होने वाले कैंची धाम मेले के दौरान इस मार्ग पर अक्सर घंटों का भीषण जाम लग जाता है, जिससे यात्रा बेहद असहज और थका देने वाली हो जाती है।

■ अब 20 मिनट में होंगे बाबा के दर्शन, जाम से मिलेगी मुक्ति
■ जिला पर्यटन विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव
■ श्रद्धालुओं-पर्यटकों को मिलेगी बड़ी राहत

स्नो व्यू से सीधे कैंची धाम तक उड़ान

जिलाधिकारी वंदना सिंह ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस रोपवे की मांग लंबे समय से की जा रही थी, खासकर स्थानीय होटल व्यवसायियों और पर्यटन कारोबारियों की ओर से। यह रोपवे नैनीताल के प्रसिद्ध स्नो व्यू प्वॉइंट से शुरू होकर सीधे कैंची धाम तक पहुंचेगा। उन्होंने आगे बताया कि सड़क मार्ग से यह दूरी 17 किमी है, जबकि रोपवे से यह महज 5-6 किलोमीटर रह जाएगी, जिसे लगभग 20 मिनट में तय किया जा -शेष पृष्ठ दो पर

मैंने चार साल में पूरी पारदर्शिता से चार सौ विकास कार्य कराए : तपराज

ब्लॉक प्रमुख ने जनता के सामने पेश किया अपना रिपोर्ट कार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल की ओर से आयोजित चार साल बेमिसाल कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय हुए विकास कार्यों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखकर जनता को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

प्राप्त समाचार के अनुसार नगर के कान्हा होटल में आयोजित चार साल बेमिसाल कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने अविस्मरणीय विकास यात्रा पर चर्चा की। कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्र की विशेषताएं रखते हुए कहा कि ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल ने नजीबाबाद ब्लॉक में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य कराया है, जो जनता के सामने है। उनके प्रयासों से जनता को सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ तो मिला ही है। साथ ही ब्लॉक क्षेत्र में हुए विकास कार्य से जनता को कई सुविधाएं मुहैया कराई गई। वक्ताओं ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह का कार्यकाल बहुत ही साफ सुथरा होने के साथ-साथ उन्होंने नजीबाबाद ब्लॉक को आगे बढ़ाने का काम किया है। जिसे भुलाया नहीं जा सकता। सरदार डॉक्टर नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता और ब्रजराज सिंह एडवोकेट और राजवीर सिंह के संयुक्त संचालन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधान जनप्रतिनिधियों समेत भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिला पंचायत सदस्य मौहम्मद रफी ने कहा कि ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल के कार्य काबिले तारीफ है। मैं उन्हें मुबारक. बाद देता हूं। क्योंकि राजनीति करने वाला इस बात को जानता है। यह ऐसी शख्सियत है कि जिन्होंने चार साल के अंदर ब्लॉक के अंदर किए गए विकास कार्य को याद किया जाता रहेगा।

इस मौके पर चौधरी दिगंबर सिंह, सर्वेश गहलौत, सतीश चौहान, डॉ. बीरबल सिंह, मलखान सिंह, बलराम सिंह, करण सिंह, नंदिनी राजपूत, राजा भरत सिंह, चौधरी देर सिंह, वसीम राजा, रोहित कुमार, सरदार पनिहार सिंह, गुरविंदर खेड़ा, मौहम्मद अली, सुधीर कुमार, अमर सिंह, सरदार इकबाल सिंह, राहुल हुड्डा, जिग्नेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पुलिस के घंटो दौड़ने पर गाड़ी में भरा कई कुंतल मुर्गा मरा

मुर्गा फार्मर का 30 हजार का नुकसान

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। इसे बिजनौर पुलिस की नासमझी कहे या फिर जुल्म ज्यादती कि एक बेचारे मुर्गा फार्मर का कई कुंतल मुर्गा गाड़ी में मर गया। जिससे उसका तीस हजार रुपए का नुकसान हो गया। बेचारा मुर्गा पालन पुलिस को कोसता सिर पकड़ कर बैठ गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह बिजनौर का एक मुर्गा कारोबारी का नौकर बालावाली क्षेत्र से अपने फार्म में डालने के लिए मुर्गा भरकर लाया था। इस बीच बिजनौर की पुलिस ने अपनी नासमझी के कारण उसकी गाड़ी को किरतपुर की ओर खदेड़ दिया। बेचारा पुलिस के खौफ से डरा सहमा ड्राईवर मुर्गे से भरी गाड़ी को लेकर जब किरतपुर पहुंचा, तो वहां चौराहे पर तैनात पुलिस ने उसे मंडावर की तरफ खदेड़ दिया। बेचारा पुलिस से डरा सहमा ड्राईवर मंडावर की ओर मुर्गी से भरी गाड़ी लेकर ये सोचता हुआ चल पड़ा कि शायद वह किसी तरह से अपने बिजनौर मुर्गा फार्म पर जा पहुंचे, किंतु तकदीर के मारे ड्राइवर को मंडावर पुलिस ने घेर लिया और पुलिस उसे यहां से लिवाकर बालावाली के उसी फार्म पर ले गई जहां से वह मुर्गा भर कर लाया था। पुलिस ने उसकी गाड़ी फार्म पर ही खाली करवा दी और हिदायत दी कि आइंदा कावड़ यात्रा के दौरान अगर मुर्गा गाड़ी में भर मिला, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जब ड्राईवर ने गाड़ी में देखा तो उसके होश फाख्ता हो गए गाड़ी में कई कुंतल मुर्गा गर्मी खाकर मर चुका था। इस दौरान कई मुर्गा फार्मर वहा पहुंच गए थे।

उन्होंने हल्का दरोगा और एसएचओ से बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान मीट मार्केट बंद हो जाता है। ऐसे में मुर्गा पलकों के सामने दाने की समस्या खड़ी हो जाती हैं। जिसके निवारण के लिए एक फार्मर दूसरे फार्मर में मदद ले कर मुर्गा एक फार्म से दूसरे फार्म में पलटी करवा देते हैं। इसमें अपराध भी क्या है। जो पुलिस जिंदे मुर्गे की गाड़ी को रोकर जुल्म ढाने लगे। मीट मार्केट बंद हो सबकी समझ में आता है, किंतु जिंदा मुर्गा लाने ले जाने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसलिए पुलिस को मुर्गा पालकों को मुर्गा लाने ले जाने पर कोई सख्ती नहीं करनी चाहिए।

जितेन्द्र कक्कड़ अध्यक्ष व मदन गोपाल टांक महामंत्री बने

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति नजीबाबाद का गठन ब्राह्मण धर्मशाला में सर्वसम्मति से हुआ। निर्वाचन अधिकारी श्रवण राजपूत एवं एस.पी. मित्तल के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति का गठन किया गया। समिति के निवर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र त्यागी को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति का संरक्षक बनाया गया। नव निर्वाचित वरिष्ठ कल्याण समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र कक्कड़ को अध्यक्ष एवं मदन गोपाल टांक को महामन्त्री बनाया गया। जयप्रकाश शर्मा को पुनः कोषाध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया। सर्व सम्मति से हुए इस चुनाव कार्य में राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जयप्रकाश टांक जौली को उपाध्यक्ष, के.पी. सिंह को आडिटर, ज्ञान प्रकाश को उपमंत्री एवं अशोक सविता, शिव कुमार अरोड़ा, राकेश कुमार गर्ग एड. एवं संतलाल को कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित किया गया। उपरोक्त सभी पदों का निर्विरोध चयन किया गया। अध्यक्ष एवं महामंत्री ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया एवं प्रति माह होने वाली बैठक में माह की पहली तारीख को उपस्थित होने की प्रार्थना की।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। आज वरिष्ठ नागरिक परिषद पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मासिक बैठक परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्व. शिवराम शर्मा के निवास शिवाशीष, नई बस्ती, बी 14 पर धर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता, लेखा सिंह (सेवानिवृत्त जिला जज) के संरक्षण और रमेश चंद्र राजपूत के संचालन में मंच गठन के साथ गायत्री मंत्र और ओम प्रार्थना के सामूहिक पाठ के साथ आरंभ हुई।

सर्वप्रथम अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और गत बैठक 22 जून की कार्यवाही प्रस्तुत की। जिसका सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन एवं पुष्टि की। बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व संस्मरण रखें और कविता पाठ किया। हीरा देवी ने अति सुन्दर भजन सुना कर सब को आनंदित किया। परिषद के सदस्य जगदीश सिंह वर्मा का 14 जुलाई को आकस्मिक निधन हो जाने के कारण परिषद के सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौक रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार के सभी सदस्यों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बैठक को सफल बनाने में राजीव कुमार शर्मा, प्रबंधक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बिजनौर और संजीव कुमार शर्मा स्वामी न्यू शिवाशीष मेडिकोज बिजनौर का विशेष योगदान रहा।

बैठक में धर्मवीर शर्मा, श्रीमती हीरा देवी, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, संजीव कुमार शर्मा, सोम प्रकाश शर्मा, राजीव कुमार शर्मा, लेखा सिंह सेवानिवृत्त जिला जज, रमेश चंद्र राजपूत, श्रीमती सुशीला देवी, अर्जुन कुमार अग्रवाल, सदानंद खेड़ा आदि ने भाग लिया। बैठक का समापन प्रार्थना और शांति पाठ के सामूहिक पाठ के साथ हुआ। अंत में अध्यक्ष जी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आज कक्षा आठ तक के स्कूलों का अवकाश

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि कल यानी 21 जुलाई को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कक्षा एक से कक्षा आठ तक के समस्त बोर्डों के सभी स्कूल बंद रहेंगे। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाना सुनिश्चित करें।

एक नजर

23 को एक शाम भोले के नाम

नजीबाबाद। महाकाल भक्त मंडल परिवार द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि पर **23** जुलाई **2025** दिन बुधवार को नगर के मौहल्ला मकबरा स्थित गीता भवन मंदिर में सायं **7** बजे से एक शाम भोले के नाम भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। आरती उपरांत सभी शिव भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। भजन संध्या में काशीपुर से टी-सीरीज कलाकार शुभम तिलकधारी, बिजनौर से संदीप शर्मा, कोटद्वार से रोहन अमोली बाबा भोलेनाथ का एवं अन्य सभी देवी देवताओं का गुणगान करेंगे एवं चांदपुर से शशांक म्यूजिकल ग्रुप द्वारा विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्रों से कार्यक्रम में संगीत दिया जाएगा। प्रसिद्ध पार्टी ऑर्गेनाइजर कपिल कुमार कार्यक्रम का संचालन करेंगे। कार्यक्रम में दीपक शर्मा फ्लावर डेकोरेशन नजीबाबाद द्वारा विद्युत साज सज्जा की जाएगी। मुख्य आकर्षण में आदि योगी का विशाल एवं भव्य दरबार रहेगा और मंदिर में स्थापित शिवलिंग का संगठन के सदस्यों द्वारा भस्मी से भव्य श्रृंगार किया जाएगा। एक शाम भोले के नाम भव्य भजन संध्या को ऐतिहासिक बनाने के लिए संगठन के सदस्यों द्वारा घर - घर जाकर संपर्क जारी है। संगठन के सदस्यों ने एक शाम भोले के नाम भव्य भजन संध्या में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में आकर धर्म लाभ उठाने का आह्वान किया है। यह जानकारी संगठन के संस्थापक अभिनव अग्रवाल एडवोकेट ने दी।

जल और फल वितरित किए

नगीना। सावन माह में कांवड़ यात्रा को लेकर नगीना के कांवड़ मार्गों का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया है। कांवड़ मार्गों पर जगह-जगह श्रद्धालु शिविर लगाकर भोले के भक्तों की सेवा में जुटे हैं। जगह जगह नगरवासी, समाजसेवक, राजनीतिक व प्रशासन के लोग कांवड़ यात्रियों की सेवा कर धर्म लाभ उठा रहे हैं। नगर की प्रमुख समाजसेवी संस्था दिव्य सेवा संस्थान के बैनर तले नगर के समाजसेवियों ने देवभूमि हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों की ओर लौट रहे, शिवभक्त कांवड़ियों को केला और जल का प्रसाद वितरित किया। रविवार को बड़ी संख्या में देवभूमि हरिद्वार से कांवड़ लेकर , बम-बम भोले का जयघोष करते हुए, नगीना से होकर गुजर रहे शिवभक्त कांवड़ियों को दिव्य सेवा संस्थान के सेवादारों ने थाना प्रभारी निरीक्षक नगीना तेजपाल सिंह के साथ नगीना धामपुर मार्ग पर सेठी चाप कॉर्नर के सामने स्थित संजीव अग्रवाल उर्फ विक्की के प्रतिष्ठान के सामने केले और जल की बोतले वितरित करके धर्म लाभ उठाया।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने संस्था के सेवादारों द्वारा की जा रही नर सेवा को नारायण सेवा बताया। और उनके द्वारा की जा रही समाज सेवा की प्रशंसा की। शिवभक्त कावड़ियों की सेवा में जुटे लोगों में थाना प्रभारी निरीक्षक नगीना तेजपाल सिंह, दिव्य सेवा संस्थान के प्रबंधक संजय शर्मा, व्यापारी नेता संजीव अग्रवाल उर्फ विक्की, सुनील सैनी एडवोकेट, बैंक प्रबंधक गोपाल सिंह, मनोज सैनी आढ़ती, मुनेश कुमार, ओमप्रकाश सिंह चौहान, राजेश सैनी, पेट्रोलियम विश्वविद्यालय देहरादून के छात्र अनुपम सिंह आदि मौजूद रहे।

भाकियू टिकैत शीघ्र करेगी बड़ा आंदोलन

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संगठन में फूंकेंगे नई जान

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने संगठन में नई जान फूंकने का दावा किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो शीघ्र ही जिला मुख्यालय पर बड़ा आंदोलन किया जायगा।

जिलाध्यक्ष का पद संभालने के बाद पहली बार यहां गन्ना समिति परिसर में पत्रकारों से रूबरू हुए सुनील प्रधान ने कहा कि उनका फोकस संगठन को मजबूती प्रदान करने व किसानों की हर छोटी बड़ी समस्या का समाधान कराने पर होगा। उन्होंने कहा कि जिले का किसान अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। कदम-कदम पर उसका शोषण हो रहा है, लेकिन अब यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुनील प्रधान ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद में आदमखोर गुलदार एक बड़ी समस्या बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में गुलदार ने दर्जनों किसानों को मौत की नींद सुला दिया है। वन विभाग अपनी जिम्मेदारी से मुंह फेरे हुए है। गुलदार का शिकार हुए लोगों के परिजनों को आज तक मुआवजे के रूप में एक भी पैसा नहीं मिला। भाकियू टिकैत मांग करती है कि मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख का मुआवजा दिया जाये। सुनील प्रधान ने आरोप लगाया कि जिले में नकली खाद बीज की बिक्री हो रही है। तहसीलों में दाखिल खारिज व अंश निर्धारण के नाम पर किसानों को लूटा जा रहा है। चकबंदी विभाग व बिजली विभाग में बिना पैसे लिए किसानों का कोई भी काम नहीं हो रहा। थानों में किसानों को अपमानित कर उनसे हर काम के पैसे लिए जा रहे हैं। पहले ड्राइविंग लाइसेंस एआरटीओ कार्यालय से सीधे बन जाता था। लेकिन अब टेस्ट के लिए गंज रोड पर एक केंद्र खुल गया है, जिसमें खुले आम लूट खसोट हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टर नहीं बैठते, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। भाकियू इन सब समस्याओं के खिलाफ अभियान चलायेगी। यदि सुधार हुआ तो ठीक, अन्यथा भाकियू शीघ्र ही जिला मुख्यालय पर एक बड़ा आंदोलन करेगी।

सुनील प्रधान ने ये भी घोषणा की कि विद्युत विभाग द्वारा लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर का भाकियू विरोध करेगी। यूनियन किसी भी हालत में स्मार्ट मीटर नहीं लगाने देगी। प्रेस कांफ्रेंस में मनप्रीत सिंह संधु, मुनेंद्र सिंह, अनंत बालियान, मीडिया प्रभारी संदीप त्यागी, सेवी संधु, आकाश चौधरी, काजी अब्दुल्ला आदि भी शामिल रहे।

व्यापार संगठन का धीरज झा ट्रांसपोर्ट के मालिक को नगर सचिव मनोनीत किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कपिल सर्राफ के निवास पर एक व्यापार संगठन की बैठक नगर अध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें धीरज झां, झां ट्रांसपोर्ट के मालिक को नगर सचिव मनोनीत किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने कहा कि धीरज झा व्यापारियों के हित में कार्य करेंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे धीरज झा को सभी व्यापारियों ने नगर सचिव बनने की बधाई दी तथा माला पहनाकर स्वागत किया। साथ में व्यापारियों की समस्या के विषय में विचार किया गया। नगर अध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने धीरज झा को नगर सचिव पद का मनोनयन पत्र प्रदान किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मुकीम कुरैशी, जिला महासचिव रईस कुरैशी, स्टेशन रोड के अध्यक्ष मोनू टाटा, उपाध्यक्ष सिताब खान, टैक्सी यूनियन की अध्यक्ष अली शेर, संगठन के सम्मानित सदस्य जावेद कुरैशी, हर्षित सराफ आदि व्यापारी मौजूद रहे।

पहलगाम से लेकर एसआईआर तक पीएम से मांगेंगे जवाब: गोगोई

संसद में पीएम मोदी को घेरेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

आज से संसद का मानसून सत्र, सर्वदलीय बैठक में बोली कांग्रेस

मानसून सत्र शुरू होने से पहले विपक्षी नेताओं ने बताया कि वह किन मुद्दों को उठाकर सदन में सरकार को घेरेंगे। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार का मुखिया होने के नाते पीएम सदन में उठे सभी सवालों के जवाब देंगे। लोकसभा का मानसूत्र सत्र सोमवार को शुरू होने जा रहा है। इसी को लेकर विपक्षी दल के सभी नेताओं ने सदन में उठाए जाने वाले सवालों की लिस्ट बना ली है।

सर्वदलीय बैठक से पहले कई नेताओं ने मीडिया के सामने उनके द्वारा उठाए जाने वाले सवालों पर चर्चा की। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मीडिया से कहा कि पिछले कुछ महीनों के महत्वपूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद संसद का सत्र शुरू हो रहा है। हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी सदन में जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि जैसा कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने बताया कि पहलगाम हमला सुरक्षा चूक थी, तो सरकार को अपनी चूक पर बात रखनी होगी। गोगोई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय हमने अपनी सेना को समर्थन दिया, यह जरूरी है कि संसद में हम सेना के साथ एकजुट रहें। गोगोई ने कहा जो बयान अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर बार-बार आ रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने करवाया, वह भारत की गरिमा और सेना के शौर्य पर सवाल उठाता है।

रोजगार मेले में उमड़ी भीड़ पर राहुल का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में एक रोजगार मेले में उमड़ी बेरोजगार युवकों की भारी भीड़ को लेकर राजग सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बिहार के युवा अब लच्छेदार बातों की फेर में आने वाले नहीं है, बल्कि उन्हें रोजगार की गारंटी चाहिए और यह काम कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन ही कर सकता है। गांधी ने कहा कि बेरा. 'जगार युवकों यह भीड़ बताती है कि बिहार के काबिल युवाओं के लिए सरकार रोजगार मुहैया नहीं कराई पा रही है। बिहार का युवा भाषण नहीं रोजगार चाहता है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें रोजगार देने में विफल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि महारोज़गार मेला में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ़ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है। भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

विपक्ष एकसुर.. कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवालों का जवाब देने के लिए संसद से देश को संबोधित करना चाहिए। उनका कहना था कि सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची का मामला भी उठाया। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा कि उन्हें कहीं अन्यत्र जाना था इसलिए और बैठक बीच में छोड़कर के आए, लेकिन उन्होंने बैठक में पार्टी की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के उन आरोपों पर सरकार का स्पष्टीकरण मांगा जिनमें पांच जेट विमानों को गिराने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि मैंने बिहार में मतदाता पर बुलडोज़र कार्रवाई और अहमदाबाद विमान दुर्घटना में हमारे पायलटों को दोषी ठहराए जाने का मुद्दा उठाया। बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और राज्य की भाजपा सरकार असहाय और विफल नजर आ रही है। उनका कहना था कि संसद सत्र के दौरान पार्टी इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। तेलुगु देशम पार्टी के लावु श्रीकृष्ण देवरायलु ने कहा कि संसद के 21 दिन के दौरान सभी दलों को संसद का कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए और संसद में कामकाजी घंटों का सही तरीके से उपयोग होना चाहिए।

नैनीताल से... सकेगा। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस रूट को भौगोलिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टियों से उपयुक्त पाया गया है। प्रशासन जल्द ही तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के साथ विस्तृत भू-सर्वेक्षण और साइट निरीक्षण शुरू करेगा, ताकि प्रस्ताव को और अधिक मजबूती मिल सके। पर्यटन उद्योग को मिलेगी नई ऊर्जा- यह परियोजना न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि नैनीताल के समूचे पर्यटन उद्योग को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। होटल, टैक्सी, खानपान, हस्तशिल्प और स्थानीय बाजारों से जुड़े व्यवसायों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पर्वतमाला योजना के तहत देशभर में रोपवे निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है और नैनीताल-कैंची धाम रोपवे इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार का एक अत्यंत सराहनीय निर्णय है, जो धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और हर साल कैंची धाम में लगने वाले भीषण जाम से लाखों श्रद्धालुओं को मुक्ति दिलाएगा।प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा नीम करौली महाराज के पावन दर्शनों के लिए कैंची धाम पहुंचते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी भक्त भी शामिल होते हैं। रोपवे उनके लिए न केवल एक सुविधाजनक माध्यम होगा, बल्कि यह उनके आध्यात्मिक अनुभव को भी और अधिक समृद्ध करेगा। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और बाबा के भक्तों के बीच इस खबर को लेकर जबरदस्त उत्साह व्याप्त है। यदि यह परियोजना धरातल पर उतरती है, तो यह उत्तराखंड के धार्मिक पर्यटन के लिए एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी। नैनीताल से कैंची धाम तक की यह रोपवे यात्रा निश्चित रूप से लोगों के लिए अध्यात्म और रोमांच का एक अविस्मरणीय संगम बन जाएगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं दीपक काम्पलैक्स, पारकर कॉलेज रोड, मुरादाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎ 0591-2313314
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UPHIN/2003/10263
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

डिवाइडर से टकरा कर दो युवकों की दर्दनाक मौत

लापरवाही बनी हादसे की वजह

डॉ. मुसीफुल हसन

मंडावली। बीती रात दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त समाचार के अनुसार रंजीत (27 वर्ष) पुत्र नेकपाल निवासी उसावां, जनपद बदायूं अपने दोस्त अंकित (29 वर्ष) पुत्र श्याम बाबू के साथ हरिद्वार में अपनी ससुराल जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोटरसाइकिल की गति अत्यधिक तेज थी और चालक व उसके दोस्त ने संभवत: नशीले पदार्थ का सेवन कर रखा था। मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होते ही वह नेशनल हाईवे के अधूरे पड़े डिवाइडर से जा टकराए। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौरतलब है कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां नेशनल हाईवे का डिवाइडर अधूरा पड़ा हुआ है। इस डिवाइडर की वजह से पहले भी कई हादसें हो चुके है। कुछ दिन पूर्व टोल टैक्स के पास मोटरसाइकिल सवार दो डिवाइडर से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेशनल हाईवे के अभियंताओं एवं संबंधित निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण यहां पर हादसे हो रहे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डिवाइडरों पर स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

यूट्यूबर अक्षय के गीत कांवड़ लाऊंगा की धूम

कोतवाली देहात। सावन के महीने में जनपद के यूट्यूबर अक्षय चौधरी का गीत कांवड़ लाऊंगा जमकर वायरल हो रहा है। गीत में कांवड़ के महत्व के बारे में बताया गया है। सावन के महीने में चल रही कांवड़ यात्रा से जुड़ा गीत सोशल मीडिया पर जमकर ट्रेंड कर रहा है। रविवार को रिलीज हुए गीत को हजारों व्यूज मिल चुके हैं। अक्षय चौधरी सामाजिक सरोकारों से जुड़े गीत बनाते रहते हैं।

अक्षय चौधरी ने बताया कि सावन के महीने में भगवान शिव की आस्था से जुड़े गीत में कावड़ की महिमा के बारे में बताया गया है। साथ ही सौम्यता के साथ कांवड़ यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया गया है। गीत की ज्यादातर शूटिंग जनपद में तथा कुछ भाग हरिद्वार में शूट किया गया है। अक्षय चौधरी इससे पहले जनपद बिजनौर से संबंधित कई गीत बना चुके हैं। वह गीत खुद लिखते, गाते और उसमें अभिनय करते हैं।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

दो दिन पूर्व गया था ससुराल

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दौर। गांव कुंवर मिठन प्रताप में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने मामले की तहरीर थाने पहुंचकर पुलिस को दी है।

धामपुर थाना क्षेत्र के गांव नैनसीवाला निवासी अमित कुमार (30) पुत्र राजवीर सिंह की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के गांव कुंवर मिठन प्रताप निवासी सोनम के साथ हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार उनके दो पुत्री एक पुत्र है। दो दिन पूर्व युवक अपनी पत्नी को लेने अपनी ससुराल आया था। रविवार की सुबह युवक की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के परिजनों ने मामले की सूचना थाने पहुंचकर पुलिस को दी। कुछ ग्रामीण युवक की मौत किसी बिसैले पदार्थ का सेवन करने से होना मान रहे है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार बैंसला का कहना है कि मामले की जांच कर रही है। कुछ ग्रामीण युवक द्वारा विषैला पदार्थ सेवन कर मौत होने की आशंका जाता रहे हैं।

एक नजर

इकरा जाकिर ने रोशन किया नाम

नजीबाबाद। नार्थ इंडिया ग्रुप ऑफ कॉलेज के एमबीए प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा के एमबीए प्रथम सेमेस्टर में पत्रकार प्रेस महासंघ के नगर अध्यक्ष आकिफ हुसैन कि चचेरी बहन इकरा जाकिर ने 75.8 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं रशा मरियम ने 74.3 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। जबकि अनस महबूब ने 74.1 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। नार्थ इण्डिया ग्रुप आफ कालेजस् के प्रबंध निदेशक अवनीश अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक अभिनव अग्रवाल एवं टेक्नोलॉजी व मैनेजमेंट की प्राचार्य डॉ. शिवानी चौहान ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. उज्जवल टॉक, सहायक प्राध्यापक डॉ. रविराज सिंह, एमएम अंसारी एवं अन्य प्रवक्ताओं ने बताया कि हमारे विभाग का शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम सभी के लिए गर्व का विषय हैं। डॉ. उज्जवल टॉक ने बताया कि प्रबंधन शिक्षा वर्तमान समय में असीम संभावनाओं का क्षेत्र बनकर उभर रही है। पिछले कुछ समय से प्रबंधन पेशेवरों की मांग में तेजी से इजाफा हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रबंधन पेशेवरों की भूमिका किसी से छुपी हुई नहीं है। अत: रोजगार की दृष्टि से प्रबंधन शिक्षा एक अति उत्तम क्षेत्र है।

संघ को मजबूत बनाने का आह्वान

नूरपुर। आरएसएम पब्लिक स्कूल असदपुर धमरौली में मान्यता प्राप्त पूर्व माध्यमिक विद्यालय संघ की महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल राही की अध्यक्षता व सरदार अभिषेक सिंह कोमल के कुशल संचालन में हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल राही ने बताया कि संगठन में एकता ही उसकी शक्ति होती हैं। जनपद के सभी विद्यालयों के प्रबंधक व प्रधानाचार्य संगठित होकर नए सदस्य बनाकर संघ को मजबूत करने का कार्य करें। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें जिलाध्यक्ष रामचंद्र सिंह, जिला संरक्षक सरदार अभिषेक सिंह, कोषाध्यक्ष सरदार देवेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष एड. विकुल यादव, जिला महामंत्री अकरम खान, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, जिला मंत्री विक्रम सैनी, संगठन मंत्री सुभाष यादव, संयुक्त मंत्री जैनुल आब्दीन का माल्यार्पण कर जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष हरवीर सिंह, सलीम अंसारी, मीडिया प्रभारी मौहम्मद आफताब, सोमवीर सिंह त्यागी, विजय तोमर, मौहम्मद जान, देवेंद्र उपाध्याय, मुशाहिद, सुरेश यादव, राकेश, सोनू, नीरज, कोमल यादव आदि उपस्थित रहे।

नूरपुर में सपा अध्यक्ष का स्वागत

नूरपुर। यहां पहुंचने पर सपा जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन, जिला महासचिव धनंजय यादव एवं अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष महमूद कस्सार का जोरदार स्वागत किया। शेख जाकिर हुसैन ने कहा कि आने वाली 26 जुलाई को जिले में होने वाली संविधान मान स्तंभ दिवस पीडीए पर चर्चा हुई। उन्होंने सभी से बिजनौर पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि पीडीए को मजबूत करना है। इस अवसर पर अकबर नबी इदरीसी, सतवीर सिंह यादव, देवेंद्र सिंह यादव, दुष्यंत यादव, शिव कुमार सिंह यादव, हाजी नफीस, परवेज अंसारी, मुकर्रम अल्वी, इकरामुद्दीन अंसारी, जुल्फिकार कुरैशी, सलीम अहमद इदरीसी, नवाब मलिक, अमजद मंसूरी, वाजिद इदरीसी, इमरान उर्फ मान्नी मंसूरी, शुऐब इदरीसी, रहीसुद्दीन मंसूरी, असलम मंसूरी, रशीद अहमद खान, दानिश अली, मुस्तफा इदरीसी, डॉ. वसीम सिद्दीकी, रफी मकरानी, परवेन्द्र सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

लैंस प्रत्यारोपण के लिए 26 का चयन

हल्दौर। रोटरी क्लब हल्दौर द्वारा निर्मल आश्रम आई इंस्टीट्यूट ऋषिकेश के सहयोग से सीडी इंटर कॉलेज हल्दौर में लगाए गए निशुल्क आई कैंप में 54 मरीजों का अवलोकन कर 26 मरीजों को चिन्हित किया गया। कैंप संयोजक जितेंद्र कुमार मारवाड़ी ने बताया कि नि:शुल्क कैंप में मोतियाबिंद के 26 मरीजों का चयन किया गया। सभी को आज ही लैंस प्रत्यारोपण के लिए ऋषिकेश भेज दिया गया। ऑपरेशन के साथ साथ दवाएं, खाना पीना, आना जाना सभी नि:शुल्क रहेगा। निर्मल आश्रम आई इंस्टीट्यूट ऋषिकेश की ओर से आई टीम में संजय बर्थवाल, बबलू, शुभम नेगी रहे। रोटरी क्लब हल्दौर के अध्यक्ष रो नवीन कुमार, सचिव अनूप अग्रवाल, डॉ. हेमचन्द राणा, सुरेन्द्रपाल सिंह, अनिल सिंह, सुशान्त ऐरन, अनुज मारवाड़ी, विकास मारवाड़ी , संजय रस्तोगी, अशोक कुमार डॉ. राजीव शरण शर्मा, प्रवीण रस्तोगी आदि का विशेष सहयोग रहा।

मुस्लिम कर रहे शिवभक्तों की सेवा

कोतवाली देहात। सावन मास में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार को भी कोतवाली देहात से हजारों कांवड़िए निकले। बुलंदशहर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, बदायूं आदि जनपदों के कांवड़िए कोतवाली देहात से निकल कर गए। कोतवाली देहात में समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर कांवड़ियों को पानी की बोतले तथा फल वितरित किए गए। कांवड़ यात्रा के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द भी देखने को मिला, जहां कई स्थानों पर मुसलमानों द्वारा शिव भक्तों की सेवा की गई।

रात में ड्रोन उड़ने से ग्रामीणों में दहशत

कोतवाली देहात। कई गांव में ड्रोन उड़ते हुए देखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर घटना की जानकारी लेकर ग्रामीणों से सतर्कता बनाए रखने निर्देश दिए।

कस्बा कोतवाली देहात, हाजीपुर, सिकंदरपुर, रोशनपुर प्रताप आदि समेत कई गांव में शनिवार की मध्य रात्रि ड्रोन उड़ता दिखाई दिया। ड्रोन गांव में कई मकान की ऊपर उड़ रहा था। ग्रामीण ड्रोन उडने की आवाज से अपने अपने घरों से निकलकर बाहर आ गए। सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। थानाध्यक्ष प्रवेज कुमार ने बताया कि ड्रोन उड़ने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से मामले की जानकारी लेकर तथा सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि ड्रोन उड़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। चोर कई आस पास जंगलों से ड्रोन उड़ा रहे है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने गांव के मोहल्ले में जागते रहो कहकर पहरा दिया।

प्रदेश में बनने जा रही सपा की सरकार

जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने भाजपा सरकार की गिनाई नाकामियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर । सपा जिला अध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने कहा कि पीडीए एकजुट होकर प्रदेश में 2027 में सपा की सरकार बनाने जा रही है। पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव फिर से प्रदेश के मुख्यमंत्री बनकर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों, गरीबों और युवाओं को उनका हक दिलाने का काम करेंगे।

प्राप्त समाचार के अनुसार आज विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सदुपुरा में आयोजित पीडीए चर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सपा जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने मौजूद ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि उपकरण सहित सब कुछ मंहगा हो रहा है। महंगाई ने गरीबों की कमर तोड़ कर रख दी है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ चुका है कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) एक साथ खड़ा होकर अपने हक पाने के लिए 2027 में सपा की सरकार बनाए और खुशहाली का रास्ता अपनाएं । सपा जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने कहा कि 2012 से 2017 तक सपा की सरकार रही और उस समय के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जनहित के कई कार्य किए। 108 एम्बुलेंस, 100 डायल एवं एक्सप्रेस वे जैसे महत्वपूर्ण कार्यो को अंजाम दिया गया। गरीबों की बेटियों को पढ़ाई के लिए 30 हजार रुपए, लैपटॉप और साईकिलें दी गई, ताकि वह पढ़ लिख कर अच्छे समाज का निर्माण कर सकें। विधायक स्वामी ओमवेश ने भी सभी से 2027 में सपा की मजबूत सरकार बनवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से गरीब विरोधी सरकार है, जो अपने फायदे के लिए हिन्दू-मुस्लिम की राजनीति कर के गरीबों का शोषण करने में लगी हुई है। उन्होंने वहां मौजूद ग्रामीणों को 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष महमूद कस्सार, सतपाल सिंह, चांदपुर के विधानसभा अध्यक्ष संसार चौधरी, अफजल उल हक आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष दारा सिंह ने किया। इस दौरान ग्राम प्रधान अमित कुमार, बालकिशन, पूर्व बीडीसी सदस्य रामपाल सिंह, पूर्व प्रधान हरपाल सिंह, सरदार सोहन सिंह, सरदार सुखविंदर सिंह, सरदार लखविंदर सिंह, चौधरी राकेश कुमार, कुड़वा सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने संविधान का उड़ाया मजाक : सैनी

26 जुलाई को संविधान मान स्तंभ दिवस की तैयारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नूरपुर। सपा विधायक एवं पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे राम अवतार सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने संविधान की गरिमा को कम करते हुए इसका मजाक उड़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज को बांट कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने वाली गरीब विरोधी पार्टी है।

प्राप्त समाचार के अनुसार 26 जुलाई को बिजनौर में आयोजित होने जा रहे संविधान मान स्तंभ दिवस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सपा विधायक राम अवतार सिंह सैनी के द्वारा महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें नूरपुर विधानसभा के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीडीए मोर्चा की मजबूती और सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार देने के लिए निर्णय लिए गए है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर 26 जुलाई को आरक्षण दिवस को संविधान मान स्तंभ दिवस के रूप में पूरी गरिमा और संकल्प के साथ मनाया जाएगा। विधायक राम अवतार सैनी ने कहा कि इस महत्त्वपूर्ण दिवस पर हजारों की संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर यह दिखा दें कि हमारा संघर्ष, हमारी आस्था और हमारा आत्मसम्मान आज भी जिंदा है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे हक, हमारे अधिकार और हमारे संविधान की रक्षा का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि सपा का हर एक कार्यकर्ता आम जनता का सम्मान करें और पार्टी को मजबूत करने का काम करें। सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता डोर टू डोर जाकर संविधान मान स्तंभ दिवस की ऐतिहासिक तैयारी के बारे में जाकर जागरूक करें।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन, युवजन सभा के जिला अध्यक्ष हनी फैसल, महमूद कस्सार, विधानसभा अध्यक्ष नसीम अहमद इदरीसी, नगर अध्यक्ष जुल्फकार कुरैशी, वरिष्ठ सपा नेता सरफराज अहमद सिद्दीकी, खुर्शीद अकबर सिद्दीकी, गंगाराम सैनी, शाह आलम, ठाकुर महीपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

फुलसंदा आश्रम के पीछे खेत में कांवड़ती का शव मिला

शव की नहीं हो सकी शिनाख्त

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। ग्राम फुलसंदा आश्रम के पीछे ईख के खेत में एक अज्ञात 40 वर्षीय कांवड़ती का शव मिलने पर हड़कंप मच गया। पूर्व वर्ष में भी इसी मार्ग पर एक कांवड़ती का शव संदिग्ध अवस्था में आम के बाग में लटका मिला था।

जानकारी के अनुसार नहटौर कोतवाली देहात मार्ग पर स्थित फुलसंदा आश्रम के पीछे लगभग 100 मीटर की दूरी पर गांव निवासी राजेंद्र पुत्र सुखलाल का ईख का खेत है। सुबह करीब 10 बजे ग्राम प्रधान को किसी ग्रामीण ने अज्ञात युवक का शव पड़े होने की सूचना दी। ग्राम प्रधान ने इस मामले की सूचना पुलिस को दी।

एएसपी पूर्वी अमित श्रीवास्तव, सीओ अभय पांडेय, थानाध्यक्ष धीरज नागर मय फोर्स के घटना स्थल पर पहुंचे तथा आस पास के घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों से मृतक युवक की शिनाख्त कराई। मृतक युवक के चेहरे पर हल्की दाढ़ी थी। सफेद बनियान व भगवा नेकर पहने हुए थी। काफी देर शिनाख्त न होने पर उसका पंचनामा भरकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एएसपी पूर्वी अमित श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक युवक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे। सफेद बनियान व भगवा नेकर पहने हुए थे। चेहरे पर हल्की दाढ़ी थी। साथ ही उन्होंने बताया कि कांवड़ती जैसा प्रतीत हो रहा है। मौके पर शांति है। शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। समस्त पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। पूर्व वर्ष में भी नहटौर कोतवाली देहात मार्ग पर आम के बाग में एक कांवड़ती का शव संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटका मिला था।

डिप्टी सीएम तथा प्रदेश अध्यक्ष की चुप्पी पर सियासी सिग्नल?

...जब दोनों ने एक-दूसरे को देखा भी नहीं, और जनता ने सब कुछ देख लिया

अभिषेक गुप्ता

धामपुर। उत्तर प्रदेश के धामपुर में आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के बीच मंच पर दिखी खामोशी ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को जन्म दे दिया है। दोनों नेता एक ही कार्यक्रम में पहुंचे, मंच साझा किया, लेकिन न कोई संवाद हुआ, न औपचारिकता।

चार दिन बाद मामला आया भाजपा गलियारे से बाहर

यह कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह की माता के निधन पर आयोजित शोकसभा था। सामान्यत: ऐसे आयोजनों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच सौहार्द और एकजुटता का संदेश दिया जाता है, लेकिन इस बार माहौल इससे उलट रहा।

अलग-अलग आगमन अलग-अलग रवैया

जहां प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी वंदे भारत ट्रेन से नजीबाबाद पहुंचे। वहीं डिप्टी सीएम मौर्य हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम में शामिल होने क लिए मुरादाबाद हेलीपैड पर आए। इसके बाद सड़क मार्ग से कार्यक्रम में शामिल हुए। करीब पौन घंटे तक कार्यक्रम में मौजूद रहने के बाद भी दोनों नेताओं के बीच न तो अभिवादन हुआ और न ही भाषण के दौरान एक-दूसरे का नाम लिया गया। सूत्रों के अनुसार भूपेंद्र चौधरी जब सभा को संबोधित कर रहे थे, तभी डिप्टी सीएम कार्यक्रम स्थल से उठकर रवाना हो गए, जिससे आयोजन में कुछ देर के लिए अव्यवस्था का माहौल बन गया।

राजनीतिक विश्लेषकों की राय

राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस प्रकार की असहजता पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर डाल सकती है। जहां एक ओर भाजपा 'डबल इंजन' की ताकत के सहारे राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर एकरूपता का दावा करती है, वहीं अंदरूनी संवादहीनता गंभीर संकेत देती है। पिछले 4 दिन से यह प्रकरण भाजपा गलियारे में भीतर ही भीतर चर्चा करने से बना है।

पंचायत चुनावों से पहले संदेश कैसा?

राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच बढ़ती असहमति का संकेत मान रहे हैं। खासकर तब जब प्रदेश में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर रणनीतियाँ तेज की जा रही हैं। इन चुनावों को विधानसभा चुनाव 2027 के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा के किसी भी आधिकारिक प्रवक्ता की ओर से इस प्रकरण पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है, लेकिन चार दिन बाद भी यह विषय राजनीतिक चर्चाओं का हिस्सा बना हुआ है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
'शाह टाइम्स'
की शत-प्रतिशत गारंटी
खबरें छुपाता नहीं ,छापता है
मोबाइल नम्बर:- 9927777377
samiullah.bijnor@gmail.com

अजुपुरा में प्रधान पर भ्रष्टाचार के आरोप

ठेकेदार ने लगाई सड़क निर्माण में घटिया सामग्री

थम्मन सिंह गहलौत

शिवाला कलां। क्षेत्र के ग्रामों में निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारी भ्रष्ट प्रधानों व पंचायत सचिवों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही नहीं करते हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम अजुपुरा का सामने आया है।

क्षेत्र के ग्राम अल्यारपुर उर्फ अजुपुरा के नरेंद्र पुत्र यादराम ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। उन्होंने बताया कि ग्राम प्रधान नूतन पत्नी संजीव ने ग्राम अजुपुरा मे विजेंद्र के घर से उसके घर तक आरसीसी सड़क का निर्माण कराया था। जिसमें ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। दोयम दर्जे की ईंटें लगाई गई। जिसकी शिकायत उसने प्रधान पति संजीव से की। जिस पर प्रधान, ठेकेदार व प्रधान पति संजीव उस पर आग बबूला हो गए। शिकायत करने के बाद सड़क का निर्माण बीच में ही रुकवा दिया गया। ग्रामीण ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर प्रधान ने यह सड़क आधी अधूरी छोड़ कर उन रूपयो से अपने रिश्तेदार तिरमल सिंह के प्राइवेट प्लाट पर आरसीसी सड़क का निर्माण करा दिया। ग्रामीण ने डीएम से ग्राम में कराए गए सभी निर्माण कार्यों की जांच की मांग की है। गौरतलब है कि क्षेत्र के ग्रामों में निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। ठेकेदारों के द्वारा ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव से मिल कर निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव चोरी छिपे पीडीएफ वाले अप्रकाशित समाचार पत्रों में खानापूर्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित कराते है। जिसका न तो दूसरे ठेकेदारों को पता चलता है और न ही ग्रामीणों को पता चलता है कि निर्माण कार्य की लागत कितनी है। जिससे इन्हें भ्रष्टाचार करने में आसानी होती है। ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने की तरफ है। जिसकी वजह से ग्राम प्रधानों ने लूट मचा रखी है। पंचायत सचिव भी भ्रष्टाचार में बराबर के गुनाहगार हैं।

मिर्जापुर में समस्याओं का अम्बार

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नजीबाबाद। विकास खंड अंतर्गत ग्राम मिर्जापुर उर्फ प्रीतमगढ़ के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित बुनियादी समस्याओं को लेकर एक बार फिर आवाज उठाई है।

भारतीय किसान यूनियन (सरपंच गुट) के युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर अरुण कुमार ने ग्राम के विकास से जुड़ी गंभीर समस्याओं को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायती पत्र दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि इस ग्राम से आज तक कोई पक्का संपर्क मार्ग नहीं जोड़ा गया है, जो सीधे नेशनल हाईवे से जुड़े हुए है। ग्राम से निकलने वाला रास्ता एक खुले नाले को पार करता है, जिसमें बरसात के समय भारी जलभराव हो जाता है। जिससे ग्राम का आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। ठाकुर अरुण कुमार ने बताया कि हर वर्ष बरसात के समय किसी न किसी व्यक्ति की नाले के तेज बहाव में डूबकर मौत हो जाती है। इसके बावजूद प्रशासन की नींद नहीं टूट रही है। यह ग्राम उत्तराखंड की सीमा से सटा हुआ है, लेकिन आज तक किसी भी उच्च अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर समस्या को समझने का प्रयास नहीं किया। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि पांच जून 2018 को आईजीआरएस संख्या 60000180062007 के तहत राजकुमार सैनी द्वारा पहले भी शिकायत की गई थी, लेकिन लोक निर्माण विभाग ने झूठी रिपोर्ट लगाकर यह दर्शा दिया कि ग्राम को एनएच से जोड़ दिया गया है। जबकि वास्तव में ऐसा कोई कार्य नहीं हुआ है। ठाकुर अरुण कुमार ने शिकायत पत्र में उल्लेख किया कि उक्त मार्ग को वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना में शामिल कर लिया गया है, लेकिन कार्य स्वीकृति और वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। उन्होंने कार्यालय सहायक मोहन चंद्र पांडे से मोबाइल नंबर 6395309068 पर वार्ता कर समस्या से अवगत भी कराया। ग्रामीणों ने एक बार फिर शासन-प्रशासन से पक्की सड़क व पुलिया निर्माण की मांग की है, ताकि बरसात के मौसम में ग्राम किसी टापू में तब्दील न हो और जान-माल का नुकसान रोका जा सके।

जो सांसद का सम्मान नहीं करते, वो जनता का क्या करेंगे: हाजी शाहनवाज

नजीबाबाद। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव हाजी शाहनवाज मंसूरी ने लोकसभा क्षेत्र कैराना से निर्वाचित सम्मानित सांसद इकरा हसन का एडीएम द्वारा किए गए अपमान की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि सांसद इकरा हसन उनके परिवार की बेटी व छोटी बहन है। यह मामला सिर्फ उनके मान-सम्मान का ही नहीं बल्कि, जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि का इस तरह अपमान जनता के आत्म-सम्मान पर चोट है। सहारनपुर में सांसद इकरा हसन के साथ एडीएम द्वारा अभद्रता का व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे साफ पता चलता है कि जो अधिकारी सांसद का सम्मान नहीं कर सकते वो जनता का क्या करेंगे। इकरा हसन जनता द्वारा चुनी हुई देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा की सदस्य है। वह संविधान पर आस्था रखने वाली एक युवा, शिक्षित, संघर्षशील महिला नेता हैं। देश की लाखों बेटियों इकरा हसन के साथ हैं। हर संविधान प्रिय नागरिक, हर संघर्षशील बेटी, हर न्यायप्रिय साथी सांसद इकरा हसन के साथ खड़ा है।

महादेव अन्नपूर्णा सेवा शिविर ने कांवरतियों के लिए लगाया भंडारा

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। हरिद्वार से जल लेकर हजारों की संख्या में कांवड़ती अपने अपने गंतव्यों को जा रहे है। उनकी सेवा के लिये नगर में कई जगह समाजसेवियों व सामाजिक संस्थाओं द्वारा का भंडारे का शुभारंभ किया गया है।

नगर के रिलायंस पेट्रोल पंप के पास महादेव अन्नपूर्णा सेवा शिविर नहटौर की ओर से कांवड़तियों के लिए 7 वा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातः से पूजा पाठ का कार्य शुरू हुआ और अंत में हवन के उपरांत भंडारे का उद्घाटन डॉ. शशांक गौतम ने फीता काटकर किया। जिसके बाद वहा कांवड़तियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ऋषभ जैन, एडवोकेट अर्पित कुमार गुप्ता, शिवम त्यागी, राहुल सैनी, कृष्णा वर्मा, तिलक अग्रवाल, मनोज सैनी, निशु भटनागर, रोबिन सिंह, अंकुश अग्रवाल, बहादुर सिंह, रोहित भारद्वाज, सावन सैनी आदि भंडारे के सेवक श्रद्धालु मौजूद रहे।

कोटेदारों की तीन दिवसीय हड़ताल

लंबित कमीशन के भुगतान की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

किरतपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोटेदारों की मांगों की अनदेखी और उत्पीड़न के विरोध में कोटेदारों ने तीन दिवसीय पूर्ण हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर 20, 21 और 22 जुलाई को प्रदेशभर में की जाएगी।

किरतपुर के कोटेदार जुगल किशोर, सुनील शर्मा, राकेश साहनी, रेणु शर्मा, मोहित कुमार, सुनील कुमार, विवेक कुमार, अली नवाज, गुलनाज जहां, रईस अहमद, प्रमोद कुमार, अमरीश कुमार, राधा आदि ने बताया कि यह हड़ताल सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में की जा रही है। राशन डीलरों ने मांग करते हुए कहा कि पिछले 6 महीनों से लंबित कमीशन का भुगतान तुरंत किया जाए। कोटेदारों के शोषण व उत्पीड़न पर तत्काल रोक लगाई जाए। राशन वितरण प्रणाली में गैर-जरूरी फीडबैक व्यवस्था समाप्त की जाए, जिससे अनावश्यक दबाव बढ़ता है।

कोटेदारों को रूपए 200 प्रति क्विंटल कमीशन दिए जाने की व्यवस्था की जाए, जैसा कि दिल्ली, हरियाणा, गोवा जैसे राज्यों में दिया जा रहा है। कोटेदारों ने कहा कि यह आंदोलन उनके हक और सम्मान की लड़ाई है। हम इस लड़ाई को लड़ने के लिए तैयार है।

रात में आसमान में नजर आए ड्रोन नगरवासियों में दहशत का माहौल

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसपुर। स्थानीय मौहल्ला अफगानान तालकटोरा वार्ड नंबर छह मोलवियान कोटपुरा आदि अलग-अलग इलाकों में रात 11 बजे के बाद ड्रोन आसमान में उड़ते नजर आए। जिससे नगर के लोगों में दहशत का माहौल बना रहा।

सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर छह के निवासी उस समय जाग उठे, जब ड्रोन की लाइट उनकी छत पर पड़ी । वहीं दूसरी ओर आसपास के लोगों ने बताया कि व्हाट्सएप व स्टेट्स पर लोग ड्रोन की जानकारी साझा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पूरे दिन नगर में ड्रोन की खबर आग की तरफ पूरे शहर में फैल गई। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों पड़ोसी जनपद अमरोहा और मुरादाबाद के ग्राम में ड्रोन देखने की सूचनाएं मिल रही थी। अब बिजनौर के सहसपुर के आसपास के ग्राम में ड्रोन दिखाई दिए।

वहीं दूसरी ओर लोगों ने जाग कर रात काटी। अलग-अलग मस्जिदों में भी ड्रोन के विषय पर ऐलान हुआ। वहीं जिम्मेदार लोगों का कहना है कि अगर ड्रोन कांवड़ियों की निगरानी कर रहा है, तो दिन में क्यों नहीं कर रहा है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में क्यों कर रहा है। जबकि कांवड़िए हाईवे द्वारा रोड पर गुजर रहे हैं, तो वहां क्यों नहीं ड्रोन घूम रहा ।

एक नजर

कांवरती सेवा शिविर का शुभारंभ

नहटौर। महादेव अन्नपूर्णा कांवड़ सेवा शिविर के तत्वावधान में निशुल्क सेवा शिविर का आयोजन रविवार से प्रारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन डॉ. शशांक गौतम ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर यज्ञ हवन में पूर्ण आहुति देकर श्रद्धालुओं ने अपने परिवारों की सुख संबंधी कामना की। इस अवसर पर कमल सैनी, मनोज सैनी, सोनू सैनी, राजवीर सैनी, कृष्ण वर्मा, बहादुर सैनी, सोनू सैनी, रोबिन सैनी, विक्की सैनी, राहुल सैनी, सुनील सैनी, विपिन सैनी, तिलक अग्रवाल, हर्ष जैन, अंकुर जैन, निशु भटनागर, सौरभ सैनी, मुकेश चौधरी, गुलमान चौधरी, ऋषभ जैन, राहुल चौधरी, प्रशांत वर्मा, अंकुश अग्रवाल, शिवम त्यागी आदि लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल

नजीबाबाद। नगर के दो युवक कोटद्वार मार्ग पर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय मौहल्ला रम्पुरा निवासी दो युवक फराज व शादान किसी कार्य से कोटद्वार गये थे। बताया जाता है कि वहां से बाइक से लौटते समय लौटते समय समीपुर फाटक के समीप उनका एक्सीडेंट हो गया। जिससे दोनों युवक घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए समीपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। जहां से बाद में घायल फराज को सीरियस हालत में बिजनौर के लिए रैफर कर दिया गया।

बाइक फिसलने से दो कांवरती घायल

कोतवाली देहात। शनिवार की देर रात्रि बाइक फिसलने से दो कांवड़िए घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतवाली देहात में भर्ती कराया गया है। शनिवार की रात लगभग सवा दस बजे करिराम तथा सोनू दोनों निवासी ग्राम उदयावाला थाना भगतपुर जनपद मुरादाबाद अपनी मोटर साइकिल से हरिद्वार से प्लास्टिक की कट्टी गले में टांगकर जल लेकर आ रहे थे। जैसे ही थाना कोतवाली देहात के ग्राम दौलताबाद उर्फ हुसैनाबाद के पास स्थित कट पर पहुंचे अचानक ब्रेक लगने से बाइक फिसल गई। इससे करिराम को घुटने और पैर में चोट आई । दूसरे कांवड़िए सोनू को कोहनी हाथ और पैर में चोट आई ।पुलिस द्वारा दोनों घायलों को पीएचसी कोतवाली देहात में भर्ती कराया गया। दोनों का इलाज कोतवाली देहात में चल रहा है।

शिक्षक एक अगस्त को निकालेंगे रोष मार्च

पुरानी पेंशन व्यवस्था में है शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षितः चंद्रहास सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। एसएनसएस इंटर कॉलेज नहटौर में जिलाध्यक्ष उमेश कुमार राजपूत की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री सुभाष चंद्र यादव के संचालन में बैठक आयोजित हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पश्चिमी जोन प्रभारी चंद्रहास सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए अटेवा निरंतर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में संघर्षरत है संघर्ष के क्रम में आगामी 1 अगस्त को राष्ट्रीय आह्वान पर जिला मुख्यालय पर एनपीएस यूपीएस एवं निजीकरण के विरोध में रोष मार्च निकाला जाएगा, जिसकी सफलता के लिए प्रत्येक पदाधिकारी को अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। पुरानी पेंशन व्यवस्था में ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित है। एनपीएस एवं यूपीएस पेंशन के नाम पर केवल पूंजीपतियों का षड्यंत्र है। सरकार ने परिषद स्कूलों को पेयरिंग की आड़ में गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित करने का कार्य किया, जिससे प्रदेश में अशिक्षा व बेरोजगारी बढ़ेगी अटेवा सरकार की पेयरिंग व्यवस्था का पुरजोर विरोध करता है। मंडलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने कहा कि ये वक्त संगठित होकर संघर्ष करने का है पुरानी पेंशन को संघर्ष के बल पर ही हासिल किया जा सकता आगामी 1 अगस्त को होने वाले रोष मार्च सभी शिक्षक एवं कर्मचारी लामबंद होकर प्रतिभाग करे। जिलाध्यक्ष उमेश कुमार राजपूत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों से आगामी 1 अगस्त को मुख्यालय पर होने वाले रोष मार्च में शामिल होने का आह्वान किया।

इस अवसर पर वसीम बानो, आफताब अली, ओमप्रकाश सिंह, नो सिंह, प्रदीप कुमार, बिजेंद्र कुमार, गौतम कुमार, चंद्रशेखर, अनिल कुमार शर्मा, नरेश कुमार रवि आदि ने संबोधित किया।

नंदी महाराज पी रहे दूध व जल

नजीबाबाद। स्थानीय मुगलू शाह में शिव मंदिर के अंदर नंदी महाराज दूध और जल पी रहे है। आज सुबह दस बजे मंदिर के पुजारी से जब जानक. ारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों को किसी ने फोन पर सूचना दी कि मंदिरों में नंदी महाराज दूध व जल पी रहे हैं। जब मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज की मूर्ति को दूध और जल पिलाया, तो नंदी महाराज की मूर्ति ने जल और दूध पी लिया। श्रद्धालुओं के द्वारा भी जानकारी दी गई कि उनके द्वारा नंदी महाराज की मूर्ति द्वारा जल और दूध पिया गया है। अब इसे धार्मिक आस्था कहे या विज्ञान, विश्वास या चमत्कार । लेकिन जहां विश्वास है, वहीं भक्ति है।

वैष्णवी धर्मशाला में श्री शिव महापुराण कथा का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। वैष्णवी धर्मशाला में चल रही श्री शिव महापुराण कथा का समापन रविवार को हो गया। इस अवसर पर यज्ञ हवन में कथा के यजमानों ने पूर्ण आहुति देकर अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कथा व्यास अश्वनी भास्कर ने कहा कि यज्ञ हवन से वातावरण शुद्ध होता है।

रविवार को वैष्णवी धर्मशाला में सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का समापन हुआ। इस अवसर पर सनातन धर्म प्रचार सभा समिति के पदाधिकारी ने यज्ञ हवन का आयोजन किया, जिसमें कथा के सभी यजमानों ने भाग लेकर पूर्ण होती देकर अपने परिवारों के सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कथा व्यास अश्वनी बिहार भास्कर ने कहा शिव पुराण कथा का उद्देश्य तभी सार्थक है। कथा में बताई गई बातों पर अपने जीवन में अमल में ले तभी कथा सुनने का उद्देश्य सार्थक है। यज्ञ हवन से वातावरण की शुद्धि होती है।

इस अवसर पर समिति की ओर से कथा व्यास अश्वनी भास्कर का टीका करके उपहार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा समिति द्वारा कई व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में यज्ञ हवन के पुरोहित सुबोध भारद्वाज ने धार्मिक अनुष्ठान क्रियाओं के साथ यज्ञ हवन संपन्न कराया, जिसमें कथा के यजमानों ने पूर्ण आहुति देकर अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में बाबा मलंग दास, सुधीर अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, निशु त्यागी, रतन सैनी, सुधीर सिंगला, रमन गोयल, डॉ. एके दक्ष, डॉ. दक्ष, मीरा गोयल, पायल गुप्ता, डॉ. मनीष दक्ष, वंदना गोयल आदि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बीएसएनएल टेलीफोन एडवाइजरी कमेटी में पूनम चौधरी की नियुक्ति

नजीबाबाद। क्षेत्र की प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं राष्ट्रीय लोकदल के प्रति समर्पित पूनम चौधरी को बीएसएनल टेलीफोन सलाहकार समिति (एटीसी) में नियुक्त किया गया। इस सम्मानजनक नियुक्ति पर पूनम चौधरी ने बिजनौर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद मान्य चंदन चौहान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। जिनके प्रयासों से यह नामांकन संभव हो सका, पूनम चौधरी ने कहा है कि मैं हमेशा चंदन चौहान एवं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास उद्यमिता एवं शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार चौधरी जयंत सिंह के आदर्शों एवं सिद्धांतों को आगे बढ़ते हुए में पूरी निष्ठा तथा ईमानदारी से बीएसएनल उपभोक्ताओं की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और समाधान करने का कार्य करूंगी। इस अवसर पर पूनम चौधरी को क्षेत्रवासियों तथा गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। स्थानीय नागरिकों ने सांसद चंदन चौहान का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र की सक्रिय महिला को इस समिति में स्थान दिलाकर जनता की भागीदारी सुनिश्चित की है।

नगीना पुलिस ने किया पैदल गश्त

लोगों से किया संवाद सुरक्षा का दिया भरोसा

शाह टाइम्स संवाददाता

नगीना। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के निर्देश पर श्रावण मास में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगीना पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। थाना प्रभारी तेजपाल सिंह के नेतृत्व में शनिवार की रात पुलिस टीम ने कस्बे में पैदल गश्त की।

पुलिस टीम ने बाजार क्षेत्र और प्रमुख मंदिरों का निरीक्षण किया। भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष नजर रखी गई। थानाध्यक्ष ने नागरिकों से संवाद किया और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। साथ ही कहा कि आपत्तिजनक गति. विधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कस्बे के नागरिकों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि श्रावण मास के दौरान रोज सतर्कता बरती जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है। इस दौरान उनके साथ एसआई गजेंद्र उज्ज्वल, सुभाष तोमर व कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैंने अपने पुत्र का नाम MOHAMMAD UMAR से बदल कर UMAR RISALAT रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

RISALAT AHMAD पुत्र AKHLAQ AHMAD

निवासी- मौहल्ला मौलवियान, सहसपुर (जिला - बिजनौर)

बाग नीलामी सूचना

मौहल्ला अंसारियान स्थित एक आम का पंचायती बाग 25 जुलाई 2025 को बरोज जुमा बाद नमाज जुमा को नीलाम किया जायेगा। यह बाग वक्फ नंबर 82 बड़ी मस्जिद का बाग है। नीलामी में बाग लेने वाले को दस हजार रुपए सिक्योरिटी जमा करनी होगी।

आज्ञा से- कमेटी अध्यक्ष व अराकीन कमेटी

मस्जिद नूर बफान, वक्फ नंबर 82, किरतपुर, जनपद-बिजनौर।

अंडरपास निर्माण में देरी पर भड़के सांसद चंद्रशेखर आजाद

रेल मंत्री को पत्र लिखकर जल्द समस्या के समाधान की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने नगीना-कालाखेड़ी मार्ग स्थित रेलवे फाटक संख्या 470/बी पर निर्माणाधीन अंडरपास कार्य में हो रही भारी देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर निर्माण कार्य में तेजी लाने और कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

सांसद चंद्रशेखर ने पत्र में उल्लेख किया कि रेलवे विभाग द्वारा स्वीकृत अंडरपास का निर्माण कार्य 1 मार्च 2025 से शुरू किया गया था। इस कार्य के लिए चार माह की अवधि निर्धारित की गई थी, लेकिन आज तक न तो खुदाई पूरी हुई है और न ही कोई ठोस निर्माण कार्य आगे बढ़ सका है। क्षेत्रीय जनता को अब तक कोई राहत नहीं मिल सकी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण एजेंसी की ओर से घोर लापरवाही बरती जा रही है और विभागीय निगरानी भी न के बराबर है। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे द्वारा फाटक को पूरी तरह बंद कर दिए जाने के कारण राहगीर, स्कूली बच्चे, सरकारी व निजी कर्मचारी और आपातकालीन सेवाएं तक प्रभावित हो रही हैं। सांसद ने कहा कि यह स्थिति न केवल जनहित के विरुद्ध है, बल्कि सरकारी संसाधनों और योजनाओं की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है।

उन्होंने रेल मंत्री से मांग की कि प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए, ताकि निर्माण कार्य को अविलंब पूरा किया जा सके और जनता को हो रही परेशानी से राहत मिल सके। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि इस प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई, तो वह जनआंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

घर से नकदी व जेवरात चोरी

पुलिस ने किया घटना स्थल का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। थाना क्षेत्र के ग्राम अनीसा नंगली में बीती रात चोरो ने एक घर को निशाना बनाकर नकदी व जेवरात चोरी कर लिए।

पीड़ित महिला गुलनाज खातून पत्नी महमूद मलिक ने बताया कि शनिवार की रात वह अपने बच्चों संग घर में सो रही थी। देर रात अचानक किसी ने दरवाजे पर जोर से हाथ मारा। घबराई गुलनाज ने जब छत से झांक कर देखा तो कुछ लोग मुंह पर कपड़ा बांधे खड़े थे, जिसे देख वह डर गई और वापस अंदर चली गई। कुछ देर तक आवाजें आने के बाद जब सन्नाटा हो गया तो गुलनाज को लगा चोर लौट गए और वह सो गई। सुबह उठने पर महिला ने देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी से चोर सोने के आभूषण व लगभग छह हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए थे। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

छत पर सो रहे युवक की नीचे गिरकर मौत, मचा कोहराम

ड्रोन उड़ने की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। शनिवार की देर रात गांव कोला सागर निवासी सुरेन्द्र शर्मा (41 वर्ष) पुत्र भूपेंद्र सिंह की एक दर्दनाक हादसे में मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र रात में अपने मकान की छत पर सो रहा था। रात में किसी समय जब वह अचानक उठकर टहलने लगा, तभी छत पर रखे बांस में उसका पैर फंस गया जिससे संतुलन बिगड़ने पर वह छत से नीचे सड़क पर आ गिरा। परिजनों ने आनन-फानन में उसे स्योहारा के एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया लेकिन हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उसे रैफर कर दिया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही सुरेन्द्र ने दम तोड़ दिया। सुरेन्द्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से जानकारी ली। मृतक के पिता भूपेंद्र शर्मा व अन्य परिजनों ने पुलिस से किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई न करने की अपील की है।

इसी बीच गांव में चर्चाएं यह भी हैं कि पिछले कई दिनों से गांव व आसपास के क्षेत्रों में रात के समय ड्रोन उड़ने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि सुरेन्द्र भी संभवतः आसमान में उड़ते ड्रोन को देखने के लिए ही उठा था और फिर यह हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस ने मामले को हादसा मानते हुए कार्रवाई नहीं की है लेकिन ड्रोन उड़ने की घटनाओं ने गांव में चिंता जरूर बढ़ा दी है।

फरार बस चालक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

शेरकोट। स्कूल जाते समय छात्रों से भरी स्कूली बस पलटने के प्रकरण में पुलिस ने वांछित चल रहे बस चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

गौरतलब हो कि शुक्रवार को नगर के हरेवली मार्ग स्थित बाबूजी मेमोरियल स्कूल की बच्चों से भरी बस अनियंत्रित होते हुए विद्युत पोल से टकराकर पलट गई थी, जिससे कई बच्चे घायल हो गए थे। घटना के बाद आरोपी बस चालक फरार हो गया था।

घटना के सम्बंध में घायल हुई एक छात्रा भव्या के चाचा ने बस चालक व स्कूल संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था।

एमएम कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम

पेड़-पौधों के महत्व को बताया

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के एक पौधा मां के नाम अभियान को आगे बढ़ाते हुए एमएम इंटर कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान कालेज के समस्त शिक्षकों ने शिक्षक सैयद बिलाल अकबर के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्य में कॉलेज के कार्यालय वरिष्ठ लिपिक मोहम्मद आजिफ फारुकी ने भी पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया तथा पेड़ पौधों के लगाने से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शिक्षक सैयद बिलाल अकबर ने कहा कि पेड़ पौधे मानव जीवन का आधार होते हैं, पेड़ पौधों से पर्यावरण स्वच्छ बना रहता है, इनसे स्वच्छ ऑक्सीजन प्राप्त होती है जो मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक काजी फिरोज ने कहा कि पौधे हमें फल, ठंडी छाया और कीमती लकड़ी भी प्रदान करते हैं। हम सभी को चाहिए कि हम समय-समय पर पौधों को लगाते रहे और उनके देखभाल भी करते रहें। शिक्षक पौधारोपण कार्यक्रम में रिजवान बारी हाशमी, शिक्षक नवाज शरीफ, इरशाद जमाल आरिफ, सुलेमान सिद्दीकी, मोहम्मद आसिफ, इमरान अहमद, मोहम्मद सदीक, अरशद अली, शाहिद खान, तैयब हसन खान एवं कर्मचारी श्वेता यादव, कमर आलम, मेहर आलम सहित समस्त शिक्षक स्टाफ ने पौधारोपण अवसर पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कॉलेज में एक सप्ताह में दो बार पौधारोपण कार्यक्रम कराया जा चुका है।

इस दौरान नीम, जामुन, आम, बकैन आदि के पेड़ों की पौध लगाई गई है।

एक नजर

ई-रिक्शा चालकों ने सौंपा ज्ञापन

धामपुर। जनता मिनी ई रिक्शा चालक वैलफेयर सोसाइटी पंजीकृत की एक बैठक में एसडीएम धामपुर के नाम एक ज्ञापन भेज कर मिनी ई रिक्शा चालकों के लिए नगर में किसी एक स्थान पर भूमि तलाश कर स्टैंड बनाए जाने की मांग की गई। इसके अलावा बैठक में सर्वसम्मति से शशिकांत शर्मा को समिति का अध्यक्ष चुना गया। नगीना रोड स्थित रामबाग लीला के मैदान के निकट शनिवार को बीती सांय समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष शशिकांत शर्मा की अध्यक्षता और पत्रकार तथा समिति के महामंत्री खुर्शीद अंसारी के संचालन में संपन्न हुई। मकबूल अहमद, हरपाल सिंह, सर्वेश कुमार, शहजाद अली, मोहित वर्मा, वहाजुद्दीन, मुकेश कुमार, इरशाद अहमद, पंकज कुमार, निजामुद्दीन, सोमपाल सिंह, सिराजुद्दीन, ज्ञानेंद्र कुमार, खूब सिंह, जीशान ,नसीम खान, फखरुद्दीन सहित दर्जनों व्यक्ति शामिल रहे।

पुलिस ने अज्ञात में दर्ज की रिपोर्ट

नहटौर। हल्दौर चौराहे के पास लगी भाजपाईयों की फ्लेक्सी में भाजपा कार्यकर्ता राजीव अहलावत के चेहरे पर स्याही पोत देने के मामले में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। हल्दौर रोड पर भाजपा विधायक, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्षों के साथ भाजपा कार्यकर्ता राजीव अहलावत की फ्लेक्सी लगी हुई थी। यह चौराहा पूरी तरह से सीसीटीवी से लैस है और इस पर हमेशा पुलिस तैनात रहती है। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह को जब लोगों ने देखा तो उक्त फ्लेक्सी में लगा राजीव अहलावत के फोटो पर चेहरे पर किसी ने स्याही पोत दी। जिसको लेकर कुछ लोग मौके पर पहुंचे और इन्होंने इस करतूत को एक घिनौनी करतूत बताया। बाद में उक्त फ्लेक्सी को उतार कर दूसरी फ्लेक्सी लगा दी गई। इस मामले को लेकर भाजपा कार्यकर्ता राजीव अहलावत ने पुलिस से शिकायत की थी। शुक्रवार को एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमे एक आल्टो कार कैद हुई है। जिससे दो युवक नीचे उतरते है और एक डंडे को लेकर एक युवक कार पर चढ़ता है। डंडे के ऊपरी हिस्से पर स्याही लगा कपड़ा बांध रखा है।डंडे से स्याही पोत कर दोनों युवक कार से जाते हुए दिखाई दे रहे है। कार सवार अपने साथ डंडा भी ले गए। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

निराश्रित गोवंशों को गोशाला भिजवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नहटौर। कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत नहटौर-नूरपुर मार्ग पर गांव खंडसाल के पास सड़क पर घूम रहे पांच निराश्रित गौवंशों को ब्लॉक की टीम ने पकड़कर गौशाला भिजवाया।

नहटौर-नूरपुर मार्ग से कांवड़ यात्री अपने गंतव्य को जा रहे हैं। प्रशासन के सख्त निर्देश है कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई निराश्रित गौवंश पशु घूमता हुआ नहीं मिलना चाहिए। इसी के तहत नहटौर-नूरपुर

मार्ग पर गांव खंडसाल में सड़क पर घूम रहे पशुओं की सूचना ग्राम प्रधान द्वारा ब्लॉक प्रशासन को दी गई। ब्लॉक की टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर घूम रहे पांच निराश्रित गौवंशों को पकड़कर तुराबनगर गौशाला भिजवाया। ब्लॉक की टीम में ग्राम विकास अधिकारी दीप अमर राही व अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे। खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना पर टीम मौके पर पहुंची थी और पांच निराश्रित गौवंशों को पकड़कर गौशाला भिजवाया गया है।

धर्म के प्रकाश को पापियों के नाश को श्री राम की सेना चली

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। सात बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया।

न्यू सिटी धामपुर कॉलोनी में स्थित भारत गुप्ता के आवास पर श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल द्वारा सात बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया। भजन धर्म के प्रकाश को पापियों के नाश को श्री राम की सेना चली, यह भजन सबको खूब पसंद आया सब ने तालियां बजाकर उसका उत्सवर्धन किया। अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल हर शनिवार को सनातन परिवार में हनुमान चालीसा का पाठ करता है। यह पाठ निशुल्क किया जाता है। अंत में संस्था द्वारा आयोजक परिवार को श्री राम दरबार का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजक परिवार में भारत गुप्ता, राधा रानी बरनवाल, श्रेया बरनवाल, जिया बरनवाल, अभय राज, भावना वात्सल्य, अर्चना सीमा, अनुपम बिश्नोई, घटा दीक्षित, अभिनव कुमार आदि शामिल रहे।

श्रीमद हनुमत भक्ति प्रचार मंडल के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, महंत राहुल अग्रवाल, मनोज रस्तोगी, रामप्रकाश वर्मा, प्रीतम सैनी, प्रवेश मिश्रा, संदीप भारद्वाज, सतीश रस्तोगी, नंदकिशोर रस्तोगी, सुनील चौहान आदि शामिल रहे। अंत में बजरंगबली बाबा की आरती कर प्रसाद वितरित किया गया। सब ने सहभोज का प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया।

पानी निकासी न होने पर कॉलोनी वासियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

धामपुर। महारानी बाग कॉलोनी में पानी की निकासी न होने के कारण कॉलोनी में पानी भर रहा है। जिस कारण कॉलोनी निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी के घरों का पानी खाली प्लाटों में भर रहा है और तालाब बन गए हैं। जिस कारण मच्छर, मक्खी, केंचुए, जोक और सांप आदि बड़ी मात्रा में लोगों के घरों में छतों एवं दीवारों पर घूम रहे हैं। कॉलोनी में महामारी फैलने की आशंका से सब परेशान हैं।

कॉलोनी वासियों का कहना है कि जब उन्होंने इस बाबत कॉलोनाइजर से पानी निकासी के लिए नाली बनवाकर निकासी करने के लिए कहा लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की और ना ही पानी निकासी की कोई व्यवस्था की गई। जिस कारण कॉलोनी वासियों ने विरोध प्रदर्शन कर अधिकारियों से मांग की है। जिससे कॉलोनी वासी बरसात के मौसम में महामारियों से बच सके। विरोध प्रदर्शन करने वालों में कुसुम चौहान, मीना राजपूत, गरिमा गहलोत, आभावती देवी, कमलेश देवी, तेजपाल सिंह, दुष्यंत सिंह, हरविंदर सिंह, गजेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक चिकित्सा अवकाश से वंचित

शाह टाइम्स संवाददाता

चांदपुर। गुलाब सिंह हिंदू स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमान का कहना है कि उत्तर प्रदेश के राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित (अनुदानित) महाविद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक इन दिनों एक गहरे आंतरिक आक्रोश और पीड़ा से गुजर रहे हैं। वे आज एक ऐसी मूलभूत सुविधा से वंचित कर दिए गए हैं, जो न केवल उनके स्वास्थ्य से बल्कि उनकी कार्यक्षमता, गरिमा और मानवाधिकारों से भी सीधे जुड़ी हुई है और वह है चिकित्सा अवकाश (मेडिकल लीव) का अधिकार। इन शिक्षकों की उत्तर प्रदेश सरकार से यह विनम्र, किंतु दृढ़ माँग है कि उनके स्वास्थ्य-संबंधी इस बुनियादी अधिकार को तत्काल बहाल किया जाए। प्रदेश के अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक यह जानना चाहते हैं कि जब सचिवालय, न्यायपालिका, चिकित्सा, तकनीकी, कृषि, माध्यमिक और बेसिक शिक्षा सहित अधिकांश विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को चिकित्सा अवकाश की सुविधा पूर्ण वेतन सहित प्राप्त है, तब उच्च शिक्षा में कार्यरत अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को ही इससे वंचित क्यों रखा गया है? यें शिक्षक न तो संविदा पर हैं, न ही अंशकालिक। वे राज्य सरकार द्वारा निर्धारित चयन प्रक्रिया से नियुक्त, वेतनमानयुक्त तथा पूर्णकालिक अधिकारी हैं। फिर केवल अनुदान शब्द की ओट में उन्हें चिकित्सा अवकाश जैसी बुनियादी सुविधा से क्यों वंचित किया जा रहा है। क्या अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक मानव नहीं हैं, क्या वे बीमार नहीं पड़ते? क्या उनका स्वास्थ्य और जीवन, अन्य विभागों के कर्मचारियों से कम मूल्य का है?

क्या है मामला-पूर्व में अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को पूरे सेवाकाल में 365 दिन का पूर्ण वेतन सहित चिकित्सा अवकाश उपलब्ध था। यह सुविधा न केवल सामाजिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार थी, बल्कि गंभीर रोगों, शल्य चिकित्सा अथवा दीर्घकालिक बीमा. रियों की स्थिति में शिक्षक की गरिमा को बनाए रखने वाली भी थी। इसके अतिरिक्त विशेष परिस्थितियों में 180 दिन का अर्धवेतन चिकित्सा अवकाश भी अनुमन्य था किन्तु हाल में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एकतरफा निर्णय लेते हुए इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया और उसके स्थान पर मात्र 240 दिन का परिवर्तित अवकाश (कम्युटेड लीव) अनुमन्य किया गया, वह भी अर्धवेतन के साथ। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि शिक्षक अपने पूरे सेवाकाल में केवल 120 दिन ही पूर्ण वेतन सहित चिकित्सा अवकाश ले सकते हैं। यह व्यवस्था न केवल असंगत, बल्कि शिक्षकीय गरिमा और सेवा-न्याय के सिद्धांत के भी विरुद्ध है।

क्यों उठ रहे हैं सवाल-राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षक

आज भी 365 दिन की चिकित्सा अवकाश की पूर्व व्यवस्था का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को भी यही सुविधा मिल रही है। अन्य सभी सरकारी विभागों में चाहे वह मंत्रालय हो, बोर्ड हो या निगम, कर्मचारियों को पूर्ण वेतन सहित चिकित्सा अवकाश प्राप्त है तो फिर केवल अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक ही इस भेदभाव के शिकार क्यों हैं? क्या यह मान लिया गया है कि वे बीमार नहीं पड़ते या फिर उनकी बीमारी की कोई संवैधानिक या मानवीय वैधता नहीं बची। क्या यह शासन व्यवस्था एक राज्य दो विधान की ओर संकेत नहीं करती। आज जब सरकार शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की अपेक्षा करती है तो यह अनिवार्य है कि शिक्षकों को भी वह न्यूनतम अधिकार और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ जो उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानित बनाए रखें। एक शिक्षक यदि शारीरिक अस्वस्थता में भी केवल इसलिए महाविद्यालय जाने को विवश हो कि अवकाश लेने से वेतन कट जाएगा, तो यह स्थिति केवल अन्यायपूर्ण नहीं, अपितु शोषणकारी है। यह शिक्षा की गुणवत्ता कक्षा की ऊर्जा और विद्यार्थी के मनोबल को सीधे प्रभावित करता है।

क्या है इसका प्रभाव-चिकित्सा अवकाश की यह भेदभावपूर्ण नीति अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को मानसिक, आर्थिक और शारीरिक संकटों की ओर धकेलती है। शिक्षक गंभीर बीमारी से जूझते हुए भी अवकाश लेने से घबराते हैं, क्योंकि इलाज के लिए आवश्यक धन वेतन कटौती के कारण नहीं जुटा पाते। ऐसे में वे बीमारी की अवस्था में भी कक्षा में उपस्थित होते हैं, जिससे न केवल विद्यार्थियों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि पूरे शिक्षण तंत्र की गरिमा भी कमजोर होती है।

शिक्षक क्या चाहते हैं- उत्तर प्रदेश के अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक सरकार से आग्रह करते हैं कि चिकित्सा अवकाश की पूर्ववत् व्यवस्था (365 दिन पूर्ण वेतन सहित) को तत्काल बहाल किया जाए। यदि कोई नवीन नीति प्रस्तावित है, तो वह सभी शैक्षिक व प्रशासनिक सेवाओं पर समान रूप से लागू हो, जिससे समान कार्य के लिए समान सुविधा का संवैधानिक सिद्धांत अक्षुण्ण रहे। सेवा शर्तों में परिवर्तन से पूर्व शिक्षकों के प्रतिनिधियों से परामर्श लिया जाए। भारतीय संविधान का मूलमंत्र समानता और समता है। लेकिन एक ही राज्य सरकार के अधीन एक जैसी चयन प्रक्रिया और कार्यदायित्व के बावजूद अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को इस मौलिक सुविधा से वंचित किया जाना न केवल असंवैधानिक है बल्कि शासन के विचारात्मक दोहरेपन का प्रतीक भी बनता जा रहा है।

असिस्टेंट प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि चिंता की बात यह है कि इस विषय पर शासन स्तर पर न तो कोई स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और न ही निदेशालय ने कोई स्थिति स्पष्ट की है। यह चुप्पी केवल उदास. ीनता नहीं बल्कि एक खतरनाक उपेक्षा की संस्कृति को जन्म देती है जो आने वाले समय में शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थागत ढांचे को गहरा नुकसान पहुँचा सकती है। यह लेख केवल एक शिक्षक की व्यक्तिगत पीड़ा नहीं है यह सैकड़ों प्राध्यापकों की सामूहिक आवाज है जो अपने स्वास्थ्य, सम्मान और अधिकारों के लिए अभी भी मौन तप कर रहे हैं। सरकार से हमारा यह कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक मानवीय, संवैधानिक और नैतिक आग्रह है कि वह इस विषय पर शीघ्र और न्यायोचित निर्णय लें। एक शिक्षित समाज की नींव मजबूत तभी होगी जब उसका शिक्षक स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानित होगा।

श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन ध्रुव और माता अनुसूया की प्रेरणादायक कथा

शाह टाइम्स संवाददाता

शेरकोट। शिव मंदिर मोहल्ला समना सराय में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक आचार्य हनु उपाध्याय ने ध्रुव और माता अनुसूया की कथा सुनाई। ध्रुव की कथा में उनकी निष्ठा और समर्पण को दर्शाया गया है, जबकि माता अनुसूया की कथा में उनकी पति भक्ति और धार्मिक महत्व को बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कथावाचक आचार्य हनु उपाध्याय ने ध्रुव की कथा में बताया कि कैसे उन्होंने भगवान विष्णु की तपस्या करके ध्रुव पद प्राप्त किया। उनकी इस तपस्या और निष्ठा ने उन्हें एक अद्वितीय स्थान दिलाया। आचार्य जी ने जनमानस को ध्रुव की तरह ही भक्ति करने का संदेश दिया। माता अनुसूया की कथा में उनकी पति भक्ति और धार्मिक महत्व को दर्शाया गया है। उनकी कथा में बताया गया है कि कैसे उन्होंने अपनी पति भक्ति के

बल पर देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया गया है। यह कथा हमें जीवन के सही मार्ग की जानकारी देती है और हमें अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है तथा इन कथाओं से हमें प्रेरणादायक संदेश मिलता है कि कैसे हम अपने जीवन में निष्ठा, समर्पण और भक्ति के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

यह कथा हमें अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

उत्तराखंड के राज्यमंत्री व रुड़की की मेयर का स्वागत

नजीबाबाद। नगर पालिका परिषद के सभासद शिवम अग्रवाल के मौहल्ला बालकराम स्थित निवास पर शोभाराम प्रजापति उपाध्याय माटी कला बोर्ड (राज्य मंत्री, उत्तराखंड सरकार) एवं नगर निगम रुड़की भाजपा मेयर श्रीमती अनीता देवी अग्रवाल व ललित मोहन अग्रवाल वरिष्ठ बीजेपी नेता का स्वागत लोगों ने अभूतपूर्व स्वागत किया गया। सभासद शिवम अग्रवाल व उनके बड़े भाई भाजपा के पूर्व नगर पालिका परिषद चेयरमैन पद प्रत्याशी नेता लवी अग्रवाल ने दोनों अतिथियों को बुके देकर व भगवान की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। शिवम व लवी अग्रवाल ने इस मौके पर राज्यमंत्री से विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की। इस मौके पर एनबीडी बुलेट शोरूम एमडी आशीष अग्रवाल, प्रियंका, सुशांत सिंह राजपूत, भानू राजपूत, पंडित राकेश कौशिक, रणवीर सिंह निराला, रवि जांगड़ा आदि मौजूद रहा।

इजरायल में युद्ध के खिलाफ फूटा गुस्सा, सड़कों पर उतरे हजारों

गाजा में बंधकों की वापसी के लिए ट्रम्प से हस्तक्षेप करने की मांग

तेल अवीव। इजरायल व हमास के बीच गाजा में करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध को रो. कने की मांग उठ रही है। समझौते की मांग को लेकर इजरायल की जनता सड़कों पर उतर आई है। लोगों ने युद्ध विराम को लेकर समझौता करने की मांग की। लोगों ने कहा कि युद्ध समाप्त किया जाए और गाजा में बंद सभी 50 जीवित और मृत बंदियों को वापस लाया जा सके।

साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को समझौते कराने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था कि ट्रम्प को बड़ा समझौता कराना चाहिए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। अमेरिका यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा में मानवीय संकट न बढ़े। वहीं काउंसिल आन अमेरि. कन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने गाजा में भुखमरी के बावजूद कार्रवाई न करने के लिए वैश्विक समुदाय की निंदा की है। सीएआईआर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने हमारी अपनी सरकार की मिलीभगत से बेंजामिन नेतन्याहू की अति-दक्षिणपंथी सरकार द्वारा फलस्तीनी नागरिकों के नरसंहार को न केवल सहन किया है, बल्कि उसे सामान्य बना दिया है। ये दुर्घटनाएं नहीं हैं। ये अमेरिकी करदाताओं द्वारा दिए गए अरबों डालर के हथियारों और सहायता से समर्थित क्रूरता और दंडमुक्ति की प्रणाली के परिणाम हैं। हम इजरायल के हमले के लिए अमेरिका के सभी समर्थन को समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। चुप्पी नरसंहार में सहभागिता है और नरसंहार को सामान्य बनाना मानवता के साथ विश्वासघात है।

■ ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है

ईरान और रूस में भूकंप के तेज झटके

काहिरा/मॉस्को। ईरान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जीएफजेड जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने बताया कि शनिवार को उत्तरी और मध्य ईरान में अंतर्राष्ट्रीय समय 21:37 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 55.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। केन्द्र ने बताया कि इसी समय पर उत्तर-पूर्वी ईरान के क़ुर्नाबाद गांव से 31 किलोमीटर पूर्व में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.84 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 54.94 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। वहीं रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 142 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण- पूर्व में रविवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि आज 06:28 बजे महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 आंकी गई।

ऑपरेशन सिंदूर से हुई क्षति की मरम्मत में जुटा पाक

सरकार ने मरम्मत के लिए 100 करोड़ दिए

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' छेड़ कर 7 मई की रात पाकिस्तान में आतंक की 9 फैक्ट्रियों को तबाह कर दिया था, लेकिन पाक ने इन ठिकानों की मरम्मत का ना-पाक काम फिर शुरू कर दिया। लगभग ढाई महीने बाद यहां मरम्मत कराई जा रही है।

लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की ओर से संचालित मदरसों में छात्र लौट आए हैं। इन ठिकानों में हुई तबाही की मरम्मत के लिए पाकिस्तानी आर्मी और शहबाज सरकार ने सरकारी खजाना खोल दिया है। पहले 50 करोड़ रुपये का फंड जारी हुआ था सूत्रों के मुताबिक, अब इन 9 आतंकी ठिकानों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का फंड रखा गया है। इस फंड को बढ़ाने के लिए पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने खुद पहल की। पता चला है कि मुनीर ने पाक आर्मी वेलफेयर और आर्मी हाउसिंग स्कीम से फंड को डायवर्ट करने के आदेश दिए हैं। ये राशि स्ट्राइक में मारे गए लोगों के परिवार वालों को दी जाने वाली सहायता राशि से अलग होगी। पाकिस्तान सरकार और आर्मी ने ऐसे 15 परिवारों को 10 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का ऐलान किया हुआ है। पाक सरकार ने इन कंस्ट्रक्शन साइट पर काम के लिए चीन की गेझोउबा ग्रुप कंपनी से भी संपर्क किया है।

ये कंपनी पहले से पीओके में काम कर रही है। मुजफ्फराबाद, कोटली और भिंबर के कुछ स्थानों पर ये कंपनी मरम्मत का काम कर सकती है। पंजाब सूबे में भी काम के लिए चीन की कंपनी को तलाशा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार आर्मी चीफ आसिम मुनीर का झुकाव जैश के प्रति बढ़ रहा है। जैश के मुख्यालय बहावलपुर में सुभान अल्लाह मस्जिद की निगरानी रिपोर्ट सीधे उनके पास जाती है। जैश के सुप्रीमो मसूद अजहर को भी स्पेशल आईएसआई के सेफ हाउस में रखा गया है। पता चला है कि मसूद की लोकेशन हर पखवाड़े बदल दी जाती है।

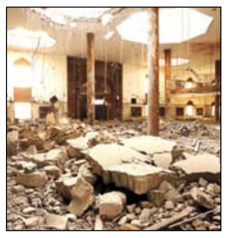

इस्लामाबाद ने चीन की कंपनी से किया संपर्क

संक्षिप्त समाचार

फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव साल के अंत में

रामअल्लाह। फ़लस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने नई फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव इस साल के अंत से पहले कराने के शनिवार को आदेश जारी कर दिए। फलस्तीन समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, यह फैसला फलस्तीन मुक्ति संगठन की कार्यकारी समिति ने गुरुवार को हुई बैठक में लिया। बैठक में तय किया गया कि साल 2025 के अंत से पहले चुनाव करा लिए जाएंगे। वाफा ने बताया कि चुनाव की तारीख कार्यकारी समिति के अध्यक्ष तय करेंगे। इस 350 सदस्यीय परिषद में दो-तिहाई सदस्य देश से चुने जाएंगे और शेष एक-तिहाई प्रवासी और विदेशों में रह रहे फलस्तीनी मूल के लोग होंगे।

सूडान ने यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की निंदा की

खार्तूम। सूडान ने शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की निंदा करते हुए कहा कि इनमें 'निष्पक्ष कानूनी मानकों' का अभाव है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सूडानी सशस्त्र बलों की 'गैरकानूनी विद्रोही सशस्त्र समूहों' के साथ तुलना करना संभव नहीं है। बयान में यूरोपीय संघ से सूडान की विशिष्ट राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया। यूरोपीय संघ ने शुक्रवार को एसएएफ और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) से संबद्ध दो व्यक्तियों और दो संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जिनमें संपत्ति जब्त करना, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से धन या आर्थिक संसाधनों के प्रावधान पर प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध शामिल हैं।

वियतनाम में जहाज डूबने से 37 लोगों की मौत

हनोई। उत्तरी वियतनाम के हा लॉन्ग खाड़ी में शनिवार को एक यात्री जहाज के डूब जाने से 37 लोगों की मौत हो गई। वियतनाम समाचार एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि जहाज के मलबे को आज तड़के जांच के लिए किनारे पर लाया गया। दुर्घटना के समय जहाज पर 48 वियतनामी पर्यटक सवार थे। दस पर्यटकों को बचा लिया गया। सरकारी मीडिया के अनुसार जहाज में चालक दल के पांच सदस्य भी सवार थे। वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा के निर्देश पर क्वांग निन्ह प्रांत के अधिकारियों ने बचाव अभियान में सहायता के लिए चार बड़े जहाज और मुख्य बचाव बल तैनात किए।

मध्य गाजा को खाली करने का आदेश

संघर्ष विराम पर वार्ता थमी, तो इजरायल ने हमले तेज किए, लोगों को मुवासी जाने की दी सलाह

तेल अवीव। इजरायली सेना ने मध्य गाजा को खाली करने का आदेश जारी कर दिया है। मध्य गाजा उन इलाकों में शामिल है, जहां इजरायल के सैनिकों ने ज्यादा कार्रवाई नहीं की है। इससे दीर अल बलाह और राफा और खाना यूनिस के बीच संपर्क टूट गया है।

वहीं संघर्ष विराम बातचीत कई महीनों से थमी है, ऐसे में इजरायल हमले तेज करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल और हमास, कतर में युद्धविराम को लेकर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि फिलहाल कोई सफलता नहीं मिली है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों से हमास पर बातचीत करने का दबाव पड़ेगा। हालांकि अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। गाजा के जिस इलाके में निकासी का आदेश दिया गया है, वहां कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी स्थित हैं जो लोगों को सहायता वितरित करने का प्रयास कर रहे हैं। संगठनों ने इजरायल की निकासी चेतावनियों पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। इजरायली सेना ने मध्य गाजा में रहने वाले लोगों को मुवासी क्षेत्र में जाने की अपील की है। मुवासी गाजा के दक्षिणी तट पर एक तंबू शिविर है, जिसे इजरायली सेना ने मानवीय शि. विर घोषित किया है।

इजरायली सेना ने चेतावनी दी है कि वे आतंकवादियों पर हमले तेज करने वाले हैं। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल में हमला किया, जिसने गाजा में युद्ध की शुरुआत की। हमास के हमले में इजरायल में 1200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 50 लोग बंधक हैं, जिनमें से आधे से भी कम जीवित बचे हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसके बाद हुए इजरायली सेना के हमले में 58000 से जयादा फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने ये नहीं बताया कि मृतकों में कितने आतंकवादी हैं, लेकिन मृतकों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता की मौत

यरूशलम/बेरूत। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह की योहमोर चौकी का प्रमुख अहमद मुहम्मद सलाह मारा गया। यह जानकारी इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दी। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सलाह योहमोर क्षेत्र में हिजबुल्लाह की सैन्य अवसंरचना को फिर से स्थापित करने की कोशिशों में शामिल था। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने इससे पहले कहा था कि नाबातीह जिले के योहमोर के शारबिक इलाके में एक मोटरसाइकिल पर हुए इजरायली ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

हसीना को कभी माफ नहीं किया जा सकता: बीएनपी

ढाका। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार को कहा कि अपदस्थ शेख हसीना को जुलाई के जन विद्रोह के दौरान हुई हत्याओं और क्रूरताओं के लिए कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने 'जन विद्रोह 2024-सदाबहार स्मृतियां' नामक एक कार्यक्रम को संबो. धित करते हुए कहा कि सुहसीना मानवता के लिए कलंक हैं, माताओं के लिए कलंक हैं। फ़खरुल ने आंदोलन में अपने बेटे की मृत्यु के बारे में भावुक होकर बताया कि अपने बेटे के ज़रिए भविष्य का सपना देखा था। लेकिन उसे गोली मार दी गई, फिर दूसरों के साथ एक वैन में फेंक दिया गया। बाद में, शवों को आग लगा दी गई। ज़रा सोचिए कि हम एक आज़ाद देश के नागरिक हैं। यह कार्यक्रम बीएनपी संस्थापक ज़ियाउर रहमान की समाधि स्थल पर कार्यक्रम का आयोजित हुआ।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने किया शक्ति प्रदर्शन

■ राजधानी ढाका में शक्ति प्रदर्शन किया, देश की यूनुस सरकार से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की

ढाका। बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी जमात- ए-इस्लामी ने राजधानी ढाका में विशाल रैली कर अपनी राजनी. तिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों समर्थक जुटे। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन अगले साल होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

जमाते इस्लामी ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह 10 लाख लोगों को जुटाएगी। रात से ही हजारों समर्थक ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस में डटे रहे। शनिवार सुबह वे ऐतिहासिक सुवर्रवर्दी उद्यान के लिए रवाना हुए। यह वही जगह है जहां 16 दिसम्बर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। 66 वर्षीय पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान ने भाषण के दौरान दो बार बेहोश हो गए। उन्हें बाद में जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि 2024 का संघर्ष केवल फासीवाद के खिलाफ नहीं है, अब भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। हम युवा शक्ति को एकजुट कर इस लड़ाई को जीतेंगे।

पार्टी ने अंतरिम यूनुस सरकार के सामने 7 प्रमुख मांगें रखीं हैं। रैली में शामिल 40 वर्षीय इकबाल हुसैन ने कह हम एक ऐसे नए बांग्लादेश के लिए यहां हैं, जहां शासन इस्लाम के सिद्धांतों पर आधारित हो, ईमानदार लोग सत्ता में हों और भ्रष्टाचार न हो। जरूरत पड़ी तो जान भी देंगे। 20 वर्षीय छात्र मो. हिदुल मोर्सलीन सय्यम ने कहा हम कुरान के रास्ते पर चलते हैं, इसलिए जमात के राज में किसी से भेदभाव नहीं होगा। सभी को अधिकार मिलेंगे। यह पहला मौका है जब 1971 के बाद जमाते इस्लामी को सुवर्रवर्दी उद्यान में रैली की इजाजत मिली।

उत्तर प्रदेश। प्रयागराज में मानसून के मौसम में उफनती गंगा नदी के कारण जलमग्न हुए आस-पास के इलाके।

ट्रम्प प्रशासन स्पेसएक्स के साथ अनुबंध जारी रखेगा

ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेसएक्स के साथ सरकारी अनुबंधों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रम्प प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनमें से अधिकांश को बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि वे पेंटागन और नासा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के सूत्रों के अनुसार, जून की शुरुआत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह घोषणा की थी कि वह कुछ दिनों बाद एलन मस्क के साथ मौजूदा सरकारी अनुबंधों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे। इसी के मद्देनजर ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की। स्पेसएक्स की अध्यक्ष ग्वेने शॉटवेल ने स्पेसएक्स अनुबंधों के मूल्यांकन के दौरान व्हाइट हाउस के अधिका. रियों से मुलाकात की। समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा कि स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है। समाचारपत्र ने कहा कि अनुबंधों का मूल्यांकन स्पेसएक्स का एक प्रमुख रॉकेट निर्माता के रूप में और विश्व के मुख्य उपग्रह इंटरनेट संचार प्रदाता की स्थिति को उजागर करता है। जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और अरबपति मस्क के बीच सार्वजनिक विवाद शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने रक्षा विभाग और नासा को स्पेसएक्स के साथ बड़े अनुबंधों पर विस्तृत जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया था। ट्रम्प द्वारा स्पेसएक्स के साथ अनुबंध समाप्त करने की धमकी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान उड़ाना बंद कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष एजेंसी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने और वापस लाने की क्षमता खो सकती थी। एलन मस्क बाद में अपनी धमकी पर पीछे हट गए लेकिन उनकी घोषणा ने नासा अधिकारियों में चिंताए उत्पन्न कर दी जिन्होंने स्पेसएक्स पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने का भरोसा किया था और पेंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए उनकी कंपनी पर अधिक निर्भर है।

समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा: स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है

सऊदी अरब के राजकुमार का निधन

दोहा। सऊदी अरब के राजकुमार अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल (36) का शनिवार को निधन हो गया। बीस वर्ष पहले लंदन में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद वह कोमा में चले गए थे। शाही कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राजकुमार को सऊदी अरब में 'सोता हुआ राजकुमार' कहा जाता था। समय-समय पर ऐसी अफवाहें उड़ती रहीं कि वह ठीक हो रहे हैं, लेकिन कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि 'राज. कुमार के अंतिम संस्कार के लिए आज रियाद स्थित इमाम तुर्की बिन अब्दुल्ला ग्रैंड मस्जिद में प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। राजकुमार के पिता खालिद बिन तलाल ने एक्स पर निधन की जानकारी दी। उन्होंने एक भावुक पोस्ट में कहा कि अल्लाह की मर्जी और नियति में विश्वास रखते हुए गहरे दुख के साथ हम अपने बेटे के निधन की सूचना दे रहे हैं, अल्लाह उन पर रहम करे। वह अस्पताल में अपने बेटे से मिलने के बाद नियमित रूप से सोशल नेटवर्क पर कई तस्वीरें पोस्ट करते थे।

देश / विदेश से एम.बी.बी.एस करें
एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिज़स्तान • उज्बेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • चाईना • ईरान • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से
M.B.B.S ABROAD Bijnor's Leading Education Consultancy
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें
जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्ड्री,
एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है
471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782 9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट

नकब लगाकर लकड़ी कारीगर के घर से जेवरात व नकदी सहित लाखों की चोरी

■ अंदर से दरवाजा बंद कर घटना को दिया अंजाम

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंदरकी। थाना मैनाठेर क्षेत्र शनिवार की देर रात अज्ञात चोरों ने मैनाठेर निवासी कासिम के घर में नकब लगाकर सोना चांदी के आभूषण और पचास हजार की नकदी चोरी कर अज्ञात चोर फरार हो गए। इस बात की जानकारी पीड़ित को रविवार की सुबह समय करीब छः बजे हुई जब पड़ोस के लोगों ने आकर बताया कि उसके घर में चोरों ने नकव लगाकर चोरी कर ली है। यह सुनकर कासिम और परिवार के होस उड़ गए। कासिम ने बताया कि जब कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो दरवाजा नहीं खुला अज्ञात चोरों द्वारा कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया गया था और जंगल की तरफ से उसके कमरे में घुस गए। पीड़ित ने बताया कि अलमारी में रखे पचास हजार रुपए और सोना चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए घर में रखे नए कपड़े भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित ने पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की चोरी की वारदातें कुंदरकी थाना क्षेत्र में भी हो रही है।

अवैध शस्त्र मामले में आरोपी को जेल और जुर्माने की सजा

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। उत्तर प्रदेश पुलिस के राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत सम्भल पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। जनपद सम्भल के थाना धनारी क्षेत्र में दर्ज एक पुराने मुकदमे में आरोपी को दोषी सिद्ध करते हुए न्यायालय द्वारा 14 दिन की कारावास व 1000 रु. के अर्थदंड से दंडित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना धनारी में दर्ज मुकदमा संख्या 271/2005 धारा 25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत आरोपी दानगिरी पुत्र तौफानी निवासी सैजना अहरान अहसान थाना गुन्नौर जनपद सम्भल को गिरफ्तार किया गया था। मुकदमे की प्रभावी पैरवी के चलते माननीय न्यायालय जे.एफ.सी.एम. गुन्नौर द्वारा आरोपी को दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

टीएमयू का फार्मेसी कॉलेज उत्तर भारत के अग्रणी संस्थानों में शुमार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। मेडिकल सेक्टर में फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री रीढ़ की मानिंद है। कोविड-19 के दौर में भी भारतीय फार्मा कंपनियों ने अपनी उत्पादन क्षमता के बूते पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। दुनिया में जेने. रिक दवाइयों का भारत सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। वैश्विक निर्यात में इंडिया की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 2023-24 में इसका मूल्य 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर था और 2030 तक 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि किसी युवा का सपना है, वह फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में अपना करियर बनाए तो उसे बी फार्म, एम फार्म, फार्म डी, पीएचडी सरीखें प्रोग्राम्स में प्रवेश लेना होगा। टीएमयू में फार्माकोग्नॉसी, फार्मास्युटिक्स, फार्माकोलॉजी, फार्मास्युटिकल एनालिसिस में एम फार्मा करने की सुविधा है। टीएमयू फार्मेसी कॉलेज के सभी कार्यक्रम फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया- पीसीआई द्वारा अनुमोदित हैं। नॉर्थ इंडिया के अग्रणी फार्मेसी संस्थानों में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी का कॉलेज ऑफ फार्मेसी भी शुमार होता है। टीएमयू का फार्मेसी कॉलेज स्टुडेंट्स को इंडस्ट्रियल, डाग्नोसिस और रिसर्च क्षेत्रों में स्वर्णिम भविष्य के लिए सघनता से तैयार करता है। कहने का अभिप्राय यह है, उच्च तकनीक से सुसज्जित लैब्स के जरिए स्टुडेंट्स को प्रयोगात्मक और व्यावहारिक दक्षता प्रदान की जाती है। टीएमयू मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में छात्रों को न केवल लाइव अनुभव मिलता है, बल्कि फार्मा कंपनियों के संग एमओयू से वैश्विक एक्सपोजर भी प्राप्त होता है।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी की डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन कहती हैं, टीएमयू का फार्मेसी कॉलेज अपनी विशेषताओं, आधुनिक सुविधाओं, पुरस्कारों, उपलब्धियों से लबरेज है। टीएमयू का फार्मेसी कॉलेज यूपी का पहला ड्रग इंफॉर्मेशन सेंटर है। यह केंद्र स्टुडेंट्स को फार्माकोविजिलेंस में ड्रग इंफॉर्मेशन रिट्रीवल और विश्लेषण में कौशल विकसित करने के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। सीसीएसईए की ओर से अप्रूवड एनिमल हाऊस भी है, जिसमें पीजी स्टुडेंट्स और रिसर्चर्स नवीन दवाइयों और फार्मूलेशन का परीक्षण करते हैं। डॉक्टर इन फार्मेसी उत्तर प्रदेश में केवल छह फार्मेसी संस्थानों में संचालित है, जिसमें से टीएमयू का फार्मेसी कॉलेज एक है। प्रतिष्ठित दवा कंपनियों और संस्थानों के संग एमओयू, इंटरनेशनल और नेशनल कॉन्फ्रेंस, देश और दुनिया के जाने-माने फार्मेसी एक्सपर्ट्स के व्याख्यान, इंडस्ट्रियल विजिट कॉलेज की उच्च प्राथमिकताओं में शुमार है। सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग के लिए सेंटर फॉर टीचिंग, लर्निंग एंड डवलपमेंट- सीटीएलडी स्थापित है। समय-समय पर लीडरशिप टॉक सीरीज कराई जाती है, जिसमें देश-दुनिया के जाने-माने एक्सपर्ट्स अपने अनुभवों को साझा करते हैं। आईआईसी और बीआईसी- इन्नोवेशन और इक्यूबेशन सेंटर्स यूनिवर्सिटी कैंपस में खुले हुए हैं। इनके जरिए स्टुडेंट्स के एंटरप्रेन्योरशिप की राह आसान हो जाती है। टीएमयू के फार्मेसी एल्युमिनाई न केवल देश की जानी-मानी फार्मा कंपनियों में यूनिवर्सिटी का नाम रोशन कर रहे हैं। इनके अलावा फार्मेसी के स्टुडेंट्स उच्च शिक्षा के लिए देश-विदेश में अध्ययनरत हैं।

डिजिटल जागरूकता को लेकर एसबीआई ने की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। भारतीय स्टेट बैंक की चंदौसी शाखा द्वारा शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य ग्राहकों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना और डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना था।

बैठक में बड़ी संख्या में ग्राहकों और बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य ग्राहक अनुभव और सेवा गुणवत्ता में सुधार हेतु नई पहलों की जानकारी देना, ग्राहक अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्र की प्रक्रिया समझाना, "सुरक्षित जाएं-डिजिटल जाएं" अभियान के तहत सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के उपायों को साझा करना, साइबर धोखाधड़ी और उससे बचाव के लिए जागरूकता फैलाना रहा। बैठक न केवल बैंक द्वारा पहल साझा करने का मंच थी, बल्कि ग्राहकों को भी अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव और समस्याएं साझा करने का अवसर मिला। इस संवाद से बैंक को ग्राहकों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने और अपनी सेवाओं में और सुधार लाने में मदद मिलेगी। बैंक की ओर से प्रमुख अधिकारियों में मुख्य प्रबंधक संदीप गुप्ता, प्रवेश कुमार (सीएम कॉम्प्लायंस), सीएम क्रेडिट और हन्नान जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। मुख्य वक्ताओं ने बताया कि एसबीआई निरंतर प्रयासरत है कि ग्राहकों को पारदर्शी, तेज और सुरक्षित बैंकिंग अनुभव मिले। डिजिटल लेन-देन को आसान, सुलभ और सुरक्षित बनाना बैंक की प्राथमिकता है। एसबीआई चंदौसी की बैठक ग्राहक सहभागिता का सशक्त उदाहरण रही। इससे बैंक और ग्राहक के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे न केवल समस्याओं का समाधान निकल सकेगा बल्कि भविष्य की बैंकिंग सेवाओं को ग्राहक-केंद्रित और नवाचार आधारित बनाया जा सकेगा। बैठक में विपिन गुप्ता, सुरेश कुमार, नितिन, विशाल रस्तोगी, गिरीश, गौरव वार्ष्णेय, मनोज सिंघल, नीरज अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, दीपांशु, रवि वार्ष्णेय, अजय शर्मा आदि।

ग्रामीणों ने लेखपाल को हटाने की उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

चन्दौसी। तहसील क्षेत्र के ग्राम सैंजनी के दर्जनों ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एक सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने अपने प्रार्थना पत्र में ग्राम में तैनात हल्का लेखपाल लल्ला सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल द्वारा किसानों के कार्य करने के लिए सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। हल्का लेखपाल द्वारा खसरा के लिए 100-500 रु. तक सुविधा शुल्क लिया जाता है और विरासत करने के 05 हजार रु. लेते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, विरोध करने पर लेखपाल न केवल धमकी देता है बल्कि रिपोर्ट विपक्षी पक्ष में लगाने और नाम दर्ज न करने जैसी चेतावनियाँ भी देता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लेखपाल का व्यवहार न केवल अभद्र है, बल्कि किसानों के प्रति असंवे. दनशील और पक्षपातपूर्ण है।ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से मांग की है कि लेखपाल लल्ला सिंह को तत्काल प्रभाव से ग्राम सैंजनी से हटाया जाए और उसके विरुद्ध निष्पक्ष जांच कराकर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। प्रार्थनापत्र पर ग्राम के वीरपाल, रामपाल, सोमवीर, भाईसिंह, राधेश्याम, सुरेन्द्र, पंकज, पिंटू पाल, ऋषिपाल, जोगेन्द्र आदि रहे।

एक नजर

किशोर हो रहे नशे का शिकार

चन्दौसी। नगर में किशोरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय बनती जा रही है। कम उम्र में ही नशे की गिरफ्त में आ रहे बच्चों का जीवन खतरे में पड़ता जा रहा है, जबकि नशे का अवैध कारोबार करने वाले इन मास. ूमों को अपनी गिरफ्त में लेने में जुटे हैं। हाल ही में वैशाली नगर निवासी संतोष को यह जानकारी मिली कि उनका 12 वर्षीय पुत्र, जो कि एक प्रतिष्ठित इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा 08 का छात्र है, नशे की लत का शिकार हो चुका है। जब पिता ने उसे समझाने का प्रयास किया, तो बालक ने स्वयं को कमरे में बंद कर लिया। स्थिति को गंभीर मानते हुए संतोष ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किशोर को समझाया।

इस समय पर की गई पुलिस की सक्रियता से एक परिवार की आशंका को समय रहते दूर कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बहजोई रोड स्थित एक इंग्लिश मीडियम विद्यालय के कुछ छात्र विद्यालय परिसर के पीछे स्थित खाली पड़े भवनों में एकत्र होकर नशा करते हैं। यह चिंताजनक स्थिति न केवल बच्चों के स्वास्थ्य व मानसिक विकास को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके भविष्य के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रही है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि इन किशोरों को नशा उपलब्ध कौन करा रहा है? साथ ही अभिभावकों को भी बच्चों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

नगरपालिका की कार्रवाई के बाद भी नहीं हो रही आवारा गोवंशीय पशुओं की संख्या में कमी

चन्दौसी। जिलाधिकारी संभल का आदेश है कि गौवंशीय पशु सड़कों पर नहीं दिखने चाहिए लेकिन नगरपालिका के सामने विषम परिस्थिति उत्पन्न हो गई। अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह राम के अनुसार नगरपालि. का की कैटिल कैचर गाड़ी 60 से अधिक आवारा गौवंशीय पशुओं को पकड़कर गौशाला में भेज चुकी है लेकिन जितने पशु पकड़े गये हैं उसके बाद भी आसपास गांव के आवारा पशु चन्दौसी में प्रवेश कर रहे हैं।

शनिवार को गणेश मेला ग्राउंड के पास एक दर्जन से अधिक गौवंशीय पशु देखे गये। फिलहाल ग्रामीण क्षेत्रों से भी ब्लाक में खड़ी कैटिल कैचर गाड़ी आवारा पशुओं को पकड़कर रही है लेकिन इसके बावजूद भी आवारा पशुओं की संख्या में कमी नहीं हो पा रही है।

छत पर खेती के लिए मरणोपरांत राष्ट्रपति पुरस्कार की मांग

चन्दौसी। नगर के बड़ा महादेव स्थित कृष्ण समिति के कार्यालय पर बैठक आयोजित हुई, जिसमें स्थानीय निवासी स्वर्गीय मिथिलेश कुमारी गुप्ता को मरणोपरांत राष्ट्रपति पुरस्कार दिए जाने की मांग की गई। यह मांग उनकी पुत्री शताक्षी प्रियंका व समिति द्वारा की गई है। वर्ष 2005 से 2007 तक मिथिलेश कुमारी ने अपने मकान की तीसरी मंजिल पर गेहूं और मक्का की खेती की थी, जिससे दो कुंतल तक उत्पादन हुआ।

उन्होंने छत पर प्लास्टिक की शीट, मिट्टी, लोहे की जाली और मोटर की सहायता से यह खेती की थी। उनका मानना था कि भविष्य में छत पर खेती ही एकमात्र विकल्प बचेगा। 2012 में मिथिलेश कुमारी के निधन के बाद उनकी पुत्री शताक्षी ने यह कार्य आगे बढ़ाया। इसी अनोखे कार्य के लिए अब राष्ट्रपति को पत्र भेजकर मरणोपरांत सम्मान की मांग की गई है। बैठक में गणेश गुप्ता, केशव कुमार वार्ष्णेय, गीता रानी, नीलम, आराधना गुप्ता, शिवांगी गुप्ता, सरोज, अभिषेक गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चन्दौसी की हिमश्वेता ने अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स में जीते दो कांस्य पदक

चन्दौसी। नगर की बेटी हिमश्वेता अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और चंदौसी का नाम गौरवान्वित किया है। सिंगापुर में आयोजित एसएमटीएफए ट्रैक एंड फील्ड अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चौंपियनशिप-2025 में उन्होंने दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवांवित किया। यह प्रतियोगिता 12-13 जुलाई 2025 को सिंगापुर के होम ऑफ एथलेटिक्स में आयोजित की गई थी जिसमें 10 देशों ने भाग लिया। हिमश्वेता ने 40 प्लस आयु वर्ग में भारत का प्रति. निधित्व किया और 100 मीटर दौड़ तथा 3000 मीटर पैदल चाल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो कांस्य पदक अपने नाम किए। गौरतलब है कि हिमश्वेता ने प्रतियोगिता में 21 सदस्यीय भारतीय टीम की टीम मैनेजर के रूप में नेतृत्व भी किया। उनके नेतृत्व और प्रदर्शन ने भारत को वैश्विक मंच पर गौरव दिलाया।

मकान मालिक ने लगाया हरे पेड़ उखाड़ने का आरोप

चन्दौसी। सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम लगाने का प्रचार-प्रसार जोर शोर से किया जा रहा है जिससे हरियाली बढ़े। दूसरी ओर बुल्डोजर से हरियाली को नष्ट किया जा रहा है। गणेश कॉलोनी स्थित अनुरुद्ध शंखधार ने नगरपालिका पर आरोप लगाया कि उनके घर के आगे काफी पेड़ लगे हुए थे परंतु रविवार को सफाई निरीक्षक विजय कुमार बुल्डोजर लेकर पहुंचे और सफाई के नाम पर मकान के पीछे लगे पेड़ों को नष्ट कर दिया। पेड़ काटने के मामले में मंजू शर्मा पुत्र शैलेन्द्र शर्मा द्वारा कोतवाली में एक तहरीर दी गई है जिसमें बताया गया है कि पंजाबी कॉलोनी, सीतारोड चन्दौसी के जमादार द्वारा अभद्रता की गयी। साथ ही घर के सामने लगे हुए हरे पेड़ बुल्डोजर से हटा दिये।

ड्रोन कैमरों ने उड़ाई लोगों की नींद, दहशत में कट रहीं रातें

ठाकुरद्वारा। नगर व क्षेत्र में रात में ड्रोन कैमरों की गति. विधियों ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। ग्रामीण दहशत में हैं और पूरी रात जागकर काटने को मजबूर हुए हैं। ऐसी घटनाएं पहले भी देखी गई हैं जब ड्रोन की गति. विधियों ने लोगों को परेशान किया हो। उदाहरण के लिए, बिहार के मधुबनी और पूर्णिया जिलों में आसमान में विचित्र वस्तुओं की उपस्थिति से हड़कंप मच गया था। मधुबनी में दर्जनों ड्रोन जैसी चीजें देखी गई, जो नेपाल से सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर थोड़ी देर चक्कर लगाकर वापस चली गईं। ड्रोन का उपयोग सैन्य या निगरानी गतिविधियों के लिए किया जा सकता या है, खासकर संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन का उपयोग फिल्मांकन फोटोग्राफी के लिए भी किया जा सकता है, लेकिन ग्रामीणों को इसकी जानकारी नहीं होने से दहशत फैल सकती है।

ड्रोन का उपयोग अन्य गतिविधियों जैसे कि सर्वेक्षण, अनुसंधान या अन्य वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है। ग्रामीणों को स्थानीय प्रशासन से संपर्क करना चाहिए और उन्हें ड्रोन की गतिविधियों के बारे में सूचित करना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में निगरानी बढ़ानी चाहिए और ड्रोन की गति. विधियों पर नजर रखनी चाहिए। ग्रामीणों को ड्रोन की गतिविधियों के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि क्या करना है अगर वे ड्रोन देखते हैं। बीती रात नगर के वार्ड 23 और 3 व देंहात क्षेत्र के गांव फरीदनगर, शरीफनगर, रामनगर खागूवाला, मानावाला, फैजुल्लागंज, राघूवाला, पानूवाला, चमरावाला, गोपीवाला, पीलकपुर गुमानी, बुद्धनगर, करनावाला खालसा, रतूपुरा सहित अन्य गांव में ड्रोन देखा गया।

लोगों ने पूरी रात जाग काटी है। जिसमें कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि अभी सरकार द्वारा कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। मौहोल को देखते हुए रात्रि गश्त बड़ा दी गई है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त के दौरान पुलिस प्रशासन अपील की जा रही है।

एसपी ग्रामीण ने ठाकुरद्वारा क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

■ सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा। क्षेत्र में शांति व्यवस्था अपराध नियंत्रण को लेकर एसपी देहात के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र के मुख्य गांवों के मार्गो से सुरक्षा व्यवस्था जनमानस सुरक्षा को लेकर फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील की हैं।

कोतवाली क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुँवर आकाश सिंह व डिप्टी एसपी रुद्र कुमार सिंह, व कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह के साथ देर रात शरीफनगर, सूरजनगर क्षेत्र के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान अधिकारियों ने कानून व्यवस्था, आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण और जनमानस में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने हुए कई अहम बिंदुओं पर समीक्षा की। उन्होंने चौकी क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा को लेकर उनकी समस्याएं व सुझाव भी सुने इस दौरान कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह, उपनिरीक्षक सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने की बैठक

लव जिहाद, लैंड जिहाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

चन्दौसी। रविवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की एक महत्वपूर्ण बैठक ग्राम मोहम्मदपुर बाबई में प्रखंड अध्यक्ष बॉबी जाटव के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में लव जिहाद, लैंड जिहाद व धर्म परिवर्तन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गया। जिलाध्यक्ष अनंत कुमार ने कार्यकर्ताओं को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की नीति के बारे में अवगत कराया। प्रखंड अध्यक्ष बॉबी जाटव ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद एक ऐसा संगठन है जो जिस काम को ठान ले उस कार्य को पूरा करता है जिसका साक्षात प्रमाण भगवान श्रीराम मंदिर है। पूरे विश्व में एकमात्र संगठन है जो सिर्फ हिंदुओं की बात करता है। बैठक के अंत में ग्राम जनेटा में चामुंडा देवी के थान पर भू-माफियाओं द्वारा मिट्टी डालने और गंदगी करने पर भी विरोध प्रकट किया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने चामुंडा परिसर को भूमिया के चुंगुल से आजाद करने का संकल्प लिया। बैठक में संतोष गुप्ता, विष्णु कुमार, राजेश गुप्ता, दीपक कश्यप, टेकचंद पाल, रितिक शर्मा, महेश कुमार जाटव, सौरभ जाटव, सत्यपाल सिंह जाटव आदि मौजूद रहे।

योगेंद्र राणा पर प्रशासन करे कार्रवाई : हाजी रिजवान

शाह टाइम्स संवाददाता

कुन्दरकी। इकरा हसन को लेकर करनी सेवा के राष्ट्रीय उपअध्यक्ष ने दिए बयान पर सपा के पूर्व विधायक ने किया पलटकर कहा मेरी विधान सभा का रहने वाला है योगेंद्र राणा मुझे शर्म आ रही है।

इकरा हसन को लेकर दिए गए करणी सेवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र राणा द्वारा बयान के बाद राजनीति गर्मआ गई है। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हाजी रिजवान ने कड़ी नारा. जगी जाहिर की है। उन्होंने कहा यह बयान बेहद नंदिनी है। यह माफी के लायक बिल्कुल भी नहीं है। अगर लोग इस तरह का बयान देंगे और कटाक्ष करेंगे अगर दूसरे लोगों ने ऐसे बयान देने शुरू कर दिए तो क्या होगा माहौल खराब होगा। हम नहीं चाहते गंगा जमुनी तहजीब खराब हो हमारी मांग है कि इन पर कानूनी शिकंजा कसना चाहिए।

उन्होने कहा इकरा हमारे दोस्त की बेटी है हमारी बेटी है। यह करनी सी को भी बदनाम कर रहा है। उन्हें चाहिए की इसका संज्ञान लें। योगेंद्र राणा भी मेरी विधानसभा का ही है। तो मेरा फर्ज बनता है, में इसका विरोध करूं।

जीएनआरएफ ने किया स्वच्छता अपनाएं बिमारीयां भगाएं कार्यक्रम आयोजित

कुंदरकी। ब्लाक के गांव पीतपुर में दावते इस्लामी इन्डिया के डिपार्टमेंट गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन की जानिब से बरसात के मौसम में होने वाली बिमारियों से बचने स्वछता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अपनाएं बिमारियां भगाएं कार्यक्रम आयोजित किया इस अवसर पर संस्था के जिला अध्यक्ष एडवोकेट फुरकान गजाली ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया बरसात का मौसम है अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें।

स्वच्छता अपनाएं बिमारियां भगाएं इस मौके पर अरकान कादरी गुलाम नबी अत्तारी फिदा हुसैन अत्तारी अबरार हुसैन अत्तारी मुहम्मद मोनिस अत्तारी मुहम्मद शुऐब अत्तारी हबीबुर्रहमान आदि मौजूद रहे।

संस्था सृष्टि- द पाथ ऑफ क्रिएशन ने किया न्यू लिटिल वंडर प्ले स्कूल में तीज उत्सव का कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। संस्था सृष्टि- द पाथ ऑफ क्रिएशन द्वारा न्यू लिटिल वंडर प्ले स्कूल आशियाना फेस टू में तीज उत्सव का कार्यक्रम बड़े ही हर्ष और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की संस्थापिका प्रीति अग्रवाल , उपाध्यक्ष गीतांजली दक्ष, संस्था सचिव श्वेता दुहन देशवाल व संस्था के सभी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रताप सिंह इंटर कॉलेज की संगीत अध्यापिका प्रतिमा शर्मा जी के द्वारा अपने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना एवं सावन के गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अगले क्रम में तीज काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें श्वेता दुहन देशवाल द्वारा सावन पर काव्य पाठ , गीतांजली दक्ष द्वारा बहुत ही सुंदर सावन का विरह गीत तथा प्रीति सौरभ अग्रवाल द्वारा तीज के त्यौहार,बारिश के मौसम और पल्लवी शर्मा द्वारा सावन में बदरा कविता का काव्य पाठ किया गया। कार्यक्रम के अगले क्रम में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बाल कलाकारों में प्रशस्ति, ईशा, आदित्री, अर्शिका एवं भार्गवी द्वारा बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। साथ ही महिलाओं ने भी इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। गीतांजली दक्ष द्वारा मोरनी बागा में बोले, श्वेता दुहन ने बोले चूड़ियां अर्चना कुमारी ना हाथी दांत का चूड़ा निधि अग्रवाल तथा पुष्पांजलि दक्ष ने चूड़ी मजा ना देगी, एकता दुहन ने नैना मिलाइके,प्रीति अग्रवाल ने नैनो वाले ने, मोनिका दक्ष ने जग ढूंढेया थारे जैसा ना कोई, भावना शुक्ला तथा प्रतिमा शर्मा ने माय नी माय, सीमा सिंह ने सावन तथा पल्लवी शर्मा द्वारा लोकगीत पर स्वयं गाकर नृत्य किया गया। सभी ने ग्रुप डांस कर तम्बोला खेल कर कार्यक्रम का आनंद उठाया और खूब उपहार जीते। साथ ही झूले के कार्यक्रम ने तीज के वातावरण को अत्यंत जीवंत बना दिया। सभी ने झूला तो पड़ गए हो अमबा की डार पर जी ,सावन के झूलों ने मुझको बुलाया आदि गानों को गाते हुए झूले का आनंद उठाया।अंत में चुनाव हुआ तीज क्वीन का जिसमें कैटवॉक तीज प्रश्नोत्तरी तथा तीज की वेशभूषा के आधार पर श्रीमती पुष्पांजलि दक्ष को तीज क्वीन चुना गया। घेवर, मिठाई ,समोसे, कोल्ड ड्रिंक इत्यादि व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए तीज का कार्यक्रम बहुत ही हर्ष उल्लास से संपन्न हुआ । सभी सदस्यों को विभिन्न टाइटल्स के साथ आकर्षक उपहार प्रदान किए गये जैसे बेस्ट स्माइल निधि अग्रवाल, बेस्ट सिंगर प्रतिमा शर्मा ,बेस्ट ड्रेस सीमा सिंह, बेस्ट डांस अर्चना कुमारी,हरियाली तीज की शक्ति पल्लवी शर्मा, बेस्ट कैटवॉक एकता दुहन तथा तीज क्वीन पुष्पांजलि दक्ष जी को निर्णायक मंडल में शामिल श्रीमती प्रीति सौरभ अग्रवाल, श्रीमती गीतांजली दक्ष एवं श्रीमती श्वेता दुहन देशवाल द्वारा क्राउन व शैस पहना कर तीज क्वीन विशेष उपहार दिया गया। तीज कार्यक्रम के शुभ अवसर पर मुख्य संपादिका श्रीमती पल्लवी शर्मा एवं सह संपादिका श्रीमती गीतांजली दक्ष की लव जिहाद पर आधारित ष्जागो बिटिया जागोष पुस्तक का संस्था के सभी सदस्यों द्वारा विमोचन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सह संपादिका श्रीमती गीतांजली दक्ष , रचनाकार श्रीमती प्रीति सौरभ अग्रवाल एवं श्वेता दुहन देशवाल को दुपट्टा उड़ा कर सम्मानित करते हुए पुस्तक की एक प्रति प्रदान की गई।

LOST AND FOUND

It is informed to the general public that my son Rudra Chaudhary high school mark sheet with number T.W. 30196933, unique ID number 8184620 and 1246090/174, S.R. number 8187/2024 has been lost somewhere and could not be found even after a lot of searching. If any one finds it, please inform at the following address. Chaudhary Anupam Singh son of Shri Nagendra Singh resident of G-186 Kashiram Yojna Police Station Majhola, District Moradabad. Mobile number. 9411807048

संबंध विच्छेद सूचना

मैने अपने पुत्र मोहम्मद नाजिम व पुत्रवधू श्रीमती सबीहा को गलत संगत/ गलत आचरण व दुर्व्यवहार करने के कारण पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों/ लेन-देन व मुकदमेंबाजी के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई ताल्लुक व वास्ता नहीं होगा। श्रीमती सुगरा बेगम पत्नी स्वर्गीय श्री शब्बीर हुसैन निवासी सरासे मेहमूद, दूल्हा मियां के मजार वाली गली तहसील व जिला मुरादाबाद।

महिला ने लगाया युवकों पर रुपये छीनने का आरोप, लोगों ने की युवकों की धूल-पूजा

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। महिला द्वारा युवकों पर रुपए छीनने का आरोप लगाने के बाद हंगामा हो गया गांव के लोगों ने युवकों की धूल पूजा भी कर दी लेकिन युवको द्वारा ऑनलाइन पैसे वापस करने के बाद भी मामला शांत नहीं हुआ और महिला शिकायत लेकर थाने चली गई।

बताया गया कि उमरी कला निवासी एक महिला अपने पति की दवाई लेने के लिए कांठ आ रही थी तभी उसे दो उमरी के ही युवक मिल गए जिन्होंने उसे बाइक पर बैठा लिया मगर युवक उसे कांठ न ले जाकर नहर रोड की तरफ ले गए कुछ देर बाद युवक बाइक को धकेलते हुए वापस नवादा गांव की ओर आए तो पीछे से आई बुर्कानशीन एक महिला ने उसके रुपए छीने जाने का आरोप लगाकर शोर मचा दिया। नहर की पुलिया पर बैठे बैठे ग्रामीणों ने युवकों को घेर लिया और कहा सुनी हो गई कुछ ग्रामीणों ने युवकों को पर हाथ भी साफ किया। इसके बाद युवकों ने महिला के पैसे ऑनलाइन वापस कर दिए लेकिन महिला पूरे पैसे वापस न करने की बात करते हुए हंगामा करने लगी और फोन करके उसने अपने परिजन को बुला लिया। परिजन महिला को लेकर थाने रवाना हो गया। लेकिन इस मामले में कई सवाल भी खड़े हो गए अगर महिला को दवाई लेने कांठ आना था तो जब युवकों ने बाइक दूसरी दिशा को मोडी तो वहीं पर महिला को शोर मचाना था लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बाद जब युवकों ने उसके नगद पैसे छीने तो वापस भी नगद ही कर देने चाहिए थे लेकिन वह नगद पैसे आखिर कहां गए और ऑनलाइन उन्हें पेमेंट क्यों करना पड़ा, इस पूरे प्रकरण को लेकर कई अनसुलझे सवाल खड़े हो गए लेकिन मामला क्या था इसका कोई खुलासा समाचार लिखे जाने तक नहीं हो पाया था

डाक कांवड़ लेने के लिए शिव भक्त हरिद्वार रवाना, भोले के जयकारों की गूंज से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय

शाह टाइम्स संवाददाता

ठाकुरद्वारा। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के दर्जन भर गांव से भारी संख्या में हरिद्वार से गंगाजल लेने के लिए भोले के भक्ति रवाना हुए। रविवार को ब्लाक डिलारी क्षेत्र के गांव अब्दुल्लापुर पट्टी के हनुमान मंदिर परतृतीय सुपरफास्ट डाक कांवड दल के लिए महेंद्र भोले आकाश चौधरी के नेतृत्व मेंपूजा अर्चना के बाद रवाना हुए आकाश चौधरी ने बताया कि हरिद्वार से अपने गांव तक 8 घंटे में डाक कावड़ यात्रा पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है । सभी भोले के भक्ति डीजे के साथ नाचते गाते भोले की जयकार करते रवाना हो गए । वही मनावाला टांडा , फरीदनगर रमनावाला, पिलकपुर गुमानी से भारी संख्या में शिव भक्त सोमवार को अपने अपने बोलगत शिव मंदिरो में भगवान शिव का हरिद्वार से गंगा जल लाकर जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लेने के लिए बाइको व अन्य वाहनों से रवाना हुए। वहीं कुछ शिव भक्त कांधे पर हरिद्वार से पैदल गंगा लेकर अपने गतव्य स्थानों पर पहुंचने शुरू हो गए। नगर व देहात में हरिद्वार से गंगा जल लेकर और गंगा जल लेने जा रहे शिव भक्तों द्वारा भगवान शिव के जयकारों से क्षेत्र में माहौल शिवमय हो गया। रविवार को ठाकुरद्वारा मे हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे भोले भक्तों का जगह-जगह पुष्प बरसाकर स्वागत किया गया। इस दौरान जनपद रामपुर के हिमांशु और लकी 61 किलो वजन गंगाजल लेकर आ रहे शिव भक्ति का ठाकुरद्वारा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

40 दिन चलेगा ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टा प्रदर्शन, हुआ शुभारंभ

कांठ। गन्ना व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए मुख्य मंत्री के आदेश से पेराई सत्र 2025- 26 के लिए गन्ना विभाग किसान के द्वार, कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम स्तरीय सर्वे सट्टे का प्रदर्शन करेगा जो कि आज 20 जुलाई से शुरू हो गया सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव खेत सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम पारदर्शिता जवाब देगी और किसान की भागीदारी को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। गन्ना एवं चीनी आयुक्त प्रमोद कुमार के मुताबिक गन्ना सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है अब 63 कालम की चेक लिस्ट का सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें प्रत्येक किसान का गन्ना रकवा बेसिक कोटा बैंक खाता मोबाइल नंबर आधार नंबर सहित सभी दर्ज करने होंगे। किसान इस दौरान अपनी आपत्ति भी दर्ज करा सकते हैं सट्टा प्रदर्शन के दौरान गन्ना पर्यवेक्षक किसानों को सर्वे से

संबंधित जानकारी देंगे यदि किसी किसान को जानकारी में गलती प्रतीत होती है तो वह मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत कर आपत्ति दर्ज करा सकता है। जिसका उसी समय निस्तारण किया जाएगा। इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी जिला एवं मंडल स्तरीय अधिकारी करेंगे और 20 जुलाई से शुरू होकर यह कार्यक्रम 30 अगस्त तक चलेगा सचिव खेत सिंह ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाए जाने का किसानों से आवाहन किया है।

जाट महासभा की बैठक में सौंपी जिम्मेदारी, युवाओं से बुराइयों को त्यागने का आह्वान

शाह टाइम्स संवाददता

कांठ। जाट महासभा की एक बैठक महासभा के जिला अध्यक्ष सुशील चौधरी के नेतृत्व में की गई। जिसमें युवाओं से नशा, लड़ाई झगड़ा छोड़कर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का आह्वान किया गया।

क्षेत्र में चल रही चोरी ड्रोन आदि विषय पर चर्चा की और कुछ युवाओं को जिला कमेटी में पद देकर जिम्मेदारी दी गई। अरुण कुमार को जिला महासचिव भोला सिंह इस्लामनगर डायरेक्टर गन्ना समिति कांठ को जिला सचिव रघुवर सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शुभम चौधरी जिला प्रचार मंत्री कुणाल चौधरी जिला मंत्री अनुज चौधरी जिला संगठन मंत्री शुभम

धारीवाल आदि को पद देकर नवाजा गया। बैठक में सुशील चौधरी जिला अध्यक्ष जाट महासभा महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष सुनीता चौधरी प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह जटराना ललित चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मास्टर जबर सिंह राष्ट्रीय संरक्षक तेज सिंह मुंडाला सहित सैकड़ो की संख्या में जाट समाज के व्यक्ति मौजूद रहे।

अधिक बिल आने पर चेक मीटर लगाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

कांठ। बिजली का अधिक बिल आने पर उपभोक्ता ने तहसील में शिकायत कर चेक मीटर लगवाए जाने की मांग की है। अकबरपुर चेदरी निवासी नदीम अहमद उस्मानी पुत्र शब्बीर अहमद का कहना था कि उसके घर पर गांव में विद्युत कनेक्शन है जिसका मीटर बार-बार जंप मार देता है इस कारण इसका अधिक बिल आ रहा है बिजली विभाग ने उसके घर का कनेक्शन भी काट दिया गया है। जिससे उसके गोवंश को भी गर्मी में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ता द्वारा कई बार चेक मीटर लगवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं लेकिन विद्युत विभाग ने अभी तक चेक मीटर नहीं लगाया है पीड़ित उपभोक्ता ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर चेक मीटर लगवाए जाने की मांग की है।

एक नजर

उप्र उद्योग व्यापार मंडल ने बिजली संबंधी परेशानियों को लेकर ऊर्जा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

कांठ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री निरुपम बिश्नोई ने व्यापारियों के साथ आज ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा से मुलाकात की और विद्युत संबंधित शिकायतों को लेकर ज्ञापन सौंपा उन्होंने कहा कि कांठ के बिजली घर पर अगवानपुर से विद्युत आपूर्ति होती है जिसकी लाइन लंबी होने और लाइन के बीच में दो दर्जन से ज्यादा बड़े पेड़ होने के कारण अक्सर विद्युत सप्लाई अवरुद्ध होती है और इसे ठीक करने में 12 से 14 घंटे का समय लगता है। कांठ का बिजली घर 1937 का बना हुआ है इस भवन में पानी भर जाने के कारण बिधुत आपूर्ति बंद हो जाती है और बिजली घर तक जाने का भी कोई रास्ता नहीं है इसलिए उन्होंने सड़क किनारे दूसरी जगह बिजली घर का निर्माण कराए जाने की मांग की। कांठ विद्युत स्टेशन पर छह माह से जेई तैनात ना होने के कारण भी उपभोक्ताओं को समय से बिजली नहीं मिल पा रही उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से जेई को नियुक्त कराए जाने की मांग उठाई इससे पहले व्यापारियों ने ऊर्जा मंत्री का शॉल ओढ़ा कर स्वागत किया। इस अवसर पर सिमरनजीत सिंह रिकी बिश्नोई मनमोहन सिंह हिमांशु कुमार अनुज बिश्नोई आदि व्यापारी मौजूद रहे।

राशन डीलरों की हड़ताल को प्रदेश सचिव ने बताया सफल

कांठ। ऑल इंडिया फेयर प्राइस डीलर शॉप के प्रदेश सचिव चौधरी बृजेश ने लाभांश को लेकर की गई तीन दिवसीय राशन वितरण की हड़ताल को आज पहले दिन सफल बताया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि कोटेदारों की एकता को देखते हुए अब शासन को इस संबंध में सोचना होगा उन्होंने हड़ताल में भारी संख्या के साथ जुड़े राशन डीलरों को इसके लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि सभी डीलर एकता के लिए बधाई के पात्र हैं। बतादे की 19 जुलाई को राशन डीलरों ने कांठ एसडीएम को ज्ञापन देकर तीन दिवसीय राशन वितरण न करने का ऐलान किया था। और लाभांश न मिलाना इस हड़ताल का कारण बताया था आज हड़ताल का पहला दिन पूरी तरह से सफल रहा।

पुलिस ने कांवड़ियों को खिलाया केला, पिलाया पानी

कांठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक और जहां कॉवडियों के ऊपर पुष्प वर्षा कर रहे हैं वहीं पुलिसकर्मी भी अपने-अपने थाना क्षेत्र में कांवड़ियों को केला खिलाकर और पानी पिलाकर उनकी सेवा सुरक्षा करने में जुटे हुए है आज कांठ थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने सलेमपुर चेक पोस्ट पर कॉवडियों की इसी तरह से सेवा की उन्होंने अपने स्टाफ के साथ वहां से गुजर रहे कॉवडियों को केला खिलाया और पानी पिलाया कॉवडियों ने पुलिस द्वारा की गई सेवा की खुले दिल से सरहाना की।

बतादे की सावन माह में चल रही कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस सतर्कता बरत रही है। जगह-जगह पर पुलिस कर्मी तैनात हैं सावन के दूसरे सोमवार को लेकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी थाने के पास खड़ा कर दिया गया है कुल मिलाकर पुलिस कॉबडियों की सेवा और सुरक्षा लगातार कर रही है। इस अवसर पर अन्य पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे।

भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने किया पौधारोपण

मुरादाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की ओर से पौधारोपण का कार्यक्रम के.जी.के डिग्री कॉलेज के मैदान में किया गया। जिसमें 51 पौधों का पौधारोपण किया गया। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिला अध्यक्ष पी.एस. उपाध्याय (नीटू उपाध्याय) ध्ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़ पौधे की आवश्यकता होती है पेड़-पौधों के विना जीवन असंभव है सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस कार्यक्रम में शामिल लोगः जिला संरक्षक, हरीश दुबे जी (गुरुजी) जिला संयोजक, डॉ विनोद पांडे चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक, डॉ राजकुमार शर्मा जिला महासचिव, मुदित उपाध्याय अधिवक्ता प्रकोष्ठ संयोजक, विपिन शर्मा अधिकार का अधिवक्ता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अभिनव भट्ट जिला उपाध्यक्ष, विशाल शुक्ला जिला सचिव, सुखदेव शर्मा, विजयशर्मा, दिनेश, पार्षद विनोद शर्मा, पार्षद राहुल सैनी, नरेश शर्मा, नकुल शर्मा, अमित उपाध्याय, शौर्य उपाध्याय गौरव मिश्रा आदि लोग शामिल हुए।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन पशिचमांचल की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। मानसरोवर इन्टर कॉलिज नवीन नगर में हुई बैठक के दौरान आम सहमति से जर्नलिस्ट एसोसियेशन पश्चिमांचल की मुरादाबाद जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। बैठक में संगठन के विस्तार के लिए सदस्यता अभियान को तीव्र गति से चलाकर सभी सक्रिय पत्रकारों को संगठन से जोड़ने का निर्णय लिया गया। इस दौरान जिला कार्यकारिणी में चयनित पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। संगठन की बैठक को सम्बोधित करते हुए जर्नलिस्ट एसोसियेशन पश्चिमांचल के प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज जी ने कहा कि जन मानस के वीच वर्तमान युग में पत्रकारों पर समाज के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है। आज भी जनता के बीच में मीडिया की सशक्त भूमिका है। उन्होने संगठन के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि पत्रघ्कारिता के क्षेत्र में तरह-तरह की समस्याओं को उचित मंच पर उठाकर उनका समाधान कराने के उद्देश्य से प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों ने जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिचमांचल का गठन सोसाइटी एक्ट के तहत कराया था। हमारा संगठन पत्रकारों की समस्याओं को लेकर उनका समाधान कराने के किये हमेशा सक्रिय रहता है और उच्च स्तर पर मामले सरकार और शासन के संज्ञान में लाये जाते हैं। अध्यक्ष भारद्वाज जी ने कहा कि वर्तमान में पत्रघ्कारिता के क्षेत्र में काफी जोखिम और समस्यायें है। इस क्षेत्र में अज्ञानी और अराजक तत्वों के प्रवेश करने से सही मायने में पत्रघ्कारिता करने वाले पत्रकारों की प्रतिष्ठा पर भी आंच आयी है। हमे ऐसे लोगो का एकजुट होकर मुकाबला करते हुए पत्रघ्कारिता की स्वच्छ धारा समाज में बहानी है। इस अवसर पर ऐसो. सिएशन के जिला अध्यक्ष सचिन गौड ने कहा हमने ग्रामीण आंचल के पत्रकारों को भी संगठन में स्थान दिया है जिससे संगठन ग्रामीण पत्रघ्कारिता को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। बैठक का संचालन करते हुए दीपक कपूर ने पत्रकारों से आहवान किया कि वह संगठन से जुड़कर अपनी समस्याओं के लिये एकजुट होकर निराकरण करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में जनपद की इकाई संगठित होकर पत्रकारों व उनके परिवारों के लिये वेलफेयर का कार्यक्रम आयोजित करेगा। प्रान्तीय कोषाध्यक्ष बिनय गुप्ता ने कहा कि जर्नलिस्ट एसोसियेशन एवं फोटोग्राफरस एसोसियेशन शीघ्र ही पत्रकारों के लिये एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस अवसर पर जनपदीय ईकाई का सुन्दर आयोजन के लिये प्रान्तीय सदस्य सतीश अग्रवाल ने आभार जताया। प्रदेश पदाधिकारियों की देखरेख में जनपदीय ईकाई का गठन निम्नवत सम्पन्न हुआ। जिसमें जिला अध्यक्ष के पद पर सचिन गौड़ निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के पद पर भावेश कुमार शर्मा को चुना गया। दीपक कपूर को महासचिव चुना गया। सुनील शर्मा, वीरभान सिंह को सचिव पद का दायित्व दिया गया। मीडिया सचिव का दायित्व मोहित शर्मा को दिया गया। सास्कृतिक सचिव विवेक कुमार निर्मल चुने गये। कोषाध्यक्ष पद पर उदयभान सिंह निर्वाचित हुए। संयुक्त सचिव के पद पर मौ0 विलाल, आकाश बिश्नोई को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में इफ्तेखार अर्शी, अनुज विश्नोई, मनोज रस्तोगी, मनोज शर्मा, संजू गौतम, मंयक त्रिगुण आदि को पदाधिकारी बनाये गये।

प्रधान,मीडियाकर्मी समेत 15 पुलिस कर्मियों ने किया रक्तदान

भोजपुर। मदर फाउंडेशन ट्रस्ट परिवार ने थाना प्रांगण ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में ग्राम प्रधान,मीडिया कर्मी और 15 महिला-पुरूष पुलिस कर्मियों ने रक्तदान किया। रविवार को आयोजित शिविर में उपस्थित रक्तदानकर्ताओं उप निरीक्षक अजय दुबे,शराफत अली,कुलदीप कुमार,हेड कांस्टेबल कुलदीप अत्रि, कपिल कुमार से ट्रस्ट के अध्यक्ष रिजवान अली बफाती ने कहा कि इंसान तभी इंसान कहलाता है जब वह अपनी मानवता का धर्म निभाता है।हम लोग हर किसी के सुख-दुख में साथ रहकर मानवता का धर्म निभायें। ट्रस्ट द्वारा रक्तदान कर्ताओं को रक्तवीर सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राशिद अली, महासचिव डॉ मौहम्मद दानिश एवं कोषाध्यक्ष मौहम्मद इकराम आदि उपस्थित रहे।

मांसाहारी होटल के संचालन पर हिंदू संगठन भड़के

पुलिस ने होटल संचालक को हिरासत में लेकर लगाए ताले

भोजपुर। विश्व हिन्दू महासंघ भारत के कार्यकर्ताओं ने थाने से चंद कदमों की दूरी पर स्थित मांसाहारी होटल पर जाकर हंगामा खड़ा कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर होटल स्वामी को हिरासत में लेकर तालाबंदी कर स्थिति को संभाला। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने मांसाहारी होटलों को बंद करने के आदेश जारी किए हैं।

रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाने से चंद कदमों की दूरी पर होटल संचालक दूकान पर पर्दा डालकर ग्राहकों को मांसाहारी खाना परोस रहा था। दोपहर को विश्व हिन्दू महासंघ भारत के मंडलीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार भारतीय व जिलाध्यक्ष ठाकुर मोनू सिंह के नेतृत्व में संघ कार्यकर्ताओं ने होटल पर छापा मारकर जमकर हंगामा काटाघ् उप निरीक्षक बृजपाल सिंह व कुलदीप कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।घ्इस दौरान हाइवे पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने होटल स्वामी रूखसार कुरैशी पुत्र शराफत जामा मस्जिद भोजपुर को हिरासत में लेकर पकवानों को गड्ढे खोदकर मिट्टी में दबा दिया। पुलिस ने खाना बनाने में प्रयुक्त होने वाले बर्तनों ,भगोनों,देगों आदि को थाने में लाकर जमा कर लिया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर वरिष्ठ उप निरीक्षक महेश कुमार मलिक से मुलाकात कर मांसाहारी होटल के संचालन होने पर कड़ी आपत्ती जताई। पुलिस ने होटल संच. ालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

संबंध विच्छेद सूचना

मेरा छोटा भाई विपिन कुमार का चाल-चलन ठीक नहीं है। वह गलत संगत में पड़ गया है। विपिन के इस कार्य में उसकी पत्नी श्रीमति विनीता भी सहयोग करती है। मैं अपने छोटे भाई विपिन तथा उसकी पत्नी विनीता से अपने तथा अपने परिवार के सभी संबंध विच्छेद करता हूं। भविष्य में कोई विपिन तथा विनीता से संबंध रखता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **विनीत कुमार पुत्र श्री नरेंद्र सिंह ग्राम नौबतपुर, किवाड़ थाना स्योहारा, तहसील धामपुर, जिला बिजनौर।**

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटि वश समीम दर्ज है जो कि गलत है मेरा सही नाम शमीम है भविष्य में मुझे शमीम के नाम से जाना व पहचाना जाएं। **शमीम पुत्र अब्दुल अजीज निवासी ग्राम समाथल थाना पाकबड़ा जिला मुरादाबाद।**

बेदखली सूचना

मैंने अपने पुत्र दीपक सागर उर्फ सोनू को गलत आचरण एवं गलत संगत मे पड़ जाने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया हैं। अब उसके किसी भी कृत्य या लेन-देन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **सोरन सिंह पुत्र बाबूराम निवासी ग्राम समाथल पोस्ट व थाना पाकबड़ा जिला मुरादाबाद।**

टीएमयू में अंजु रंजन की कहानी वाचन से जगी नारी सशक्तिकरण की अलख

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद का ऑडिटोरियम साहित्य, प्रशासन और समाज के संगम का साक्षी बना। विशेष साहित्यिक सांझ के तहत प्रख्यात लेखिका एवम् भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी श्रीमती अंजु रंजन ने अपने कहानी संग्रह शीतल धूप की कहानी का वाचन किया। कहानी पाठ के माध्यम से श्रीमती अंजु रंजन ने समाज में महिलाओं की संवेदनाओं, संघर्षों और उपलब्धियों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कहानियों में जहां संवेदना थी, वहीं बदलाव की पुकार भी सुनाई दी। मंडलायुक्त श्री आंजनेय कुमार सिंह ने भारतीय परंपरा, संस्कृति और सभ्यता पर अपने प्रेरक विचार रखते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से व्यंग्यकार श्री लाल शुक्ल की राग दरबारी, नामचीन साहित्यकार श्री धर्मवीर भारती के गुनाहों के देवता सरीखे उपन्यासों के संग- संग मुंशी प्रेमचंद की चुनिंदा कहानियों को कोट करते हुए पढ़ने की सलाह दी। यूपी के प्रमुख सचिव-आयुष एवं खाद्य सुरक्षा विभाग श्री रंजन कुमार अपनी जीवन संगिनी एवम् लेखिका अंजु रंजन की लिखित कहानियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन कहानियों में महिलाओं की संवेदनाएँ, संघर्ष और आत्मबल बहुत ही गहराई से उकेरे गए हैं। उन्होंने लेखिका की रचनात्मकता और सामा. जिक दृष्टिकोण की सराहना की। टीएमयू के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन ने लेखिका श्रीमती अंजु रंजन को कहानी वाचन के लिए साधुवाद देते हुए यूनिवर्सिटी में साहित्यिक वर्कशॉप आयोजित करने का आमंत्रण भी दिया।

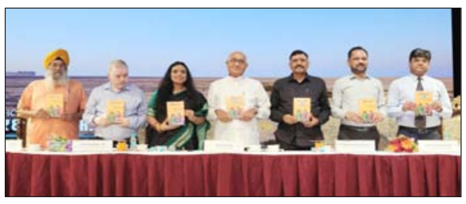

गिल के निशाने पर 19 साल पुराना रिकॉर्ड

● मैनचेस्टर में मोहम्मद यूसुफ को छोड़ देंगे पीछे भारतीय टेस्ट कप्तान

मैनचेस्टर, वार्ता। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू होने वाले मैनचेस्ट टेस्ट के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एक तरफ भारतीय टीम की नजरें सीरीज में बराबरी हासिल करने पर टिकी होंगी, वहीं गिल के पास 19 साल पुराना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा।

गिल के पास इंग्लैंड में एक द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बनने का मौका है। गिल फिलहाल शानदार फार्म में चल रहे हैं और उनके पास यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर है। फिलहाल इंग्लैंड की धरती पर एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज का रिकॉर्ड मोहम्मद यूसुफ के नाम है जिन्होंने 2006 में पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे पर चार मैचों में 90.14 के औसत से 631 रन बनाए थे। गिल इस मामले में यूसुफ को पीछे छोड़ने से 25 रन दूर हैं। गिल ने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर गिल ने तीन मैचों में 101.16 के औसत से 607 रन बनाए हैं जिसमें बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 269 रन का स्कोर शामिल है।

गिल ने पहले दो मैचों में बल्ले से दमदार प्रदर्शन किया था, लेकिन लाड्र्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में उनका बल्ला खामोश रहा और वह 16 तथा 6 रन की पारी ही खेल सके थे। भारत को लाड्र्स टेस्ट में 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था और टीम फिलहाल पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई है। भारतीय टीम अब आठ दिनों के अंतराल के बाद बुधवार से इंग्लैंड का सामना करने उतरेगी।

चौथे टेस्ट से पहले अंशुल टीम में

● इंडिया-ए में खेल चुके अंशुल कंबोज पेसर आकाश दीप और अर्शदीप के चोटिल होने के बाद हुआ बदलाव

ओल्ड ट्रैफर्ड, वार्ता। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है। आकाश दीप कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में खेले थे, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। टेस्ट सीरीज से पहले खेले गए इंग्लैंड लायंस और इंडिया-ए सीरीज में कंबोज शामिल थे। आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है, जबकि अर्शदीप के मैनचेस्टर टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध होने की संभावना कम है। इसलिए सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है। अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बालिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच टेन डोश्चेट ने बताया था कि बालिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टि प्रैक्टिस सेशन में यशस्वी जायसवाल को गेंदबाजी करने जाते अर्शदीप(हाथ में बाल)। अर्शदीप इसी दौरान चोटिल हुए थे।

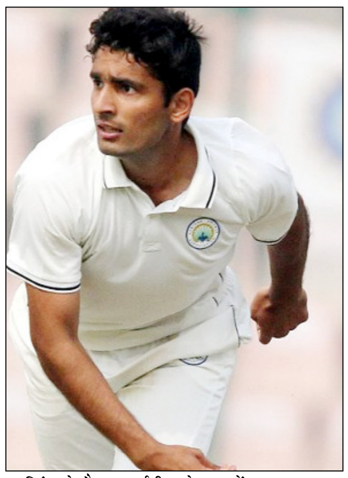

लाड्र्स में इंग्लैंड विमेंस ने भारत को हराया, सीरीज 1-1 से बराबरी पर

● चेस्टर-ले-स्ट्रीट में होगा सीरीज का निर्णायक मुकाबला

लाड्र्स, वार्ता। लाड्र्स में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड विमेंस टीम ने भारत को 8 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लिश टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

बारिश की वजह से मैच देर से शुरू हुआ और दोनों टीमों के लिए ओवर घटाकर 29-29 कर दिए गए। भारत ने निर्धारित 29 ओवर में 8 विकेट खोकर सिर्फ 143 रन बनाए। वहीं, बारिश की वजह से इंग्लैंड को 24 ओवर में 115 रन का टारगेट दिया गया। इंग्लैंड ने 21 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 116 रन बना कर टारगेट को हासिल कर लिया। भारत और इंग्लैंड विमेंस के बीच लाड्र्स में खेले गए दूसरे वनडे मैच बारिश की वजह से बाधित रहा। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी भारत की खराब शुरुआत टास हारकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। भारत का पहला विकेट 6 रन पर ही आउट हो गई। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर एम अर्लाट ने प्रतीका रावल को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। रावल ने 10 गेंदों का सामना कर 3 रन बनाए।

उसके बाद स्मृति मंधाना और हरलीन देओल ने भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी हुई। इस पार्टनरशिप को 10वें ओवर में सोफी एकलेस्टोन ने तोड़ा। उन्होंने 46 के स्कोर पर देओल को अपनी ही गेंद पर कैच पकड़कर आउट किया। देओल ने 24 गेंदों का सामना कर 16 रन बनाए। इसके बाद कोई बड़ी साझेदारी नहीं हुई। हालांकि मंधाना एक छोर पर डटी रही लेकिन दूसरे छोर से एक्लेस्टोन ने हरलीन के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत (7) को भी चलता किया।

जेमिमा रोड्रिग्स (3) और रिचा घोष (2) भी जल्दी पवेलियन लौट गयी। जिससे भारतीय टीम का स्कोर एक विकेट पर 46 रन से पांच विकेट पर 72 रन हो गया। मंधाना ने 51 गेंदों पर 42 रन बनाए। उसके बाद दीप्ति शर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने इस दौरान अरुंधति रेढी (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 26 रन की साझेदारी की। दीप्ति ने 34 गेंदों पर नाबाद 30 रन की पारी खेल भारत का स्कोर 29 ओवर के बाद 8 विकेट के नुकसान पर 143 रन तक पहुंचाया। शुरुआत में इंग्लैंड को 29 ओवर में 144 रन का लक्ष्य प्राप्त करना था।

प्रिया मलिक ने फ्रीस्टाइल में जीता रजत पदक

● फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया को ब्राजील की खिलाड़ी के खिलाफ 4-3 से मिली हार

बुडापेस्ट, वार्ता। दो बार की वर्ल्ड कैडेट्स चैंपियन प्रिया मलिक ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 76 किग्रा फीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीता। हंगरी के बुडापेस्ट में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया मलिक को ब्राजील की थामिरेस मार्टिन्स माचाडो के खिलाफ 4-3 के बेहद करीबी अंतर से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय पहलवान ने टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में रियो 2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कजाकिस्तान की एलमिरा सिजदिकोवा को 7-2 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में वैलेरिया ट्रिफोनोवा पर 11-1 की जबरदस्त जीत दर्ज की। हमवतन मनीषा ने 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। जहां कांस्य पदक मुकाबले में मनीषा ने क्रिस्टिना को 9-0 से पटखनी देकर जीत हासिल की। क्वार्टरफाइनल में मनीषा को अमीना टंडेलोवा से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा था,

लेकिन उन्होंने रेपचेज राउंड के जरिए वापसी करते हुए फ्रांस की ओलंपियन अमेलिन डोआरे को 8-2 से हराया। वहीं, नॉर्डिक सिस्टम के तहत 55 किग्रा वर्ग में खेल रहीं पुष्पा को अमेरिका की क्रिस्टेल नोएल रोड्रिगेज और कनाडा की वर्ल्ड चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता कार्ला गोडिनेज से हार का सामना करना पड़ा। ग्रीको-रोमन कुश्ती में करण कांबोज (87 किग्रा) क्वालिफिकेशन से, अंकित गुलिया (72 किग्रा) प्रीक्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। जीते गए पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या आठ हो गई है।

जिसमें तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

संक्षिप्त खेल समाचार

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत पाक मैच रद्द

बर्मिंघम, वार्ता। शिखर धवन सहित भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के कारण बर्मिंघम में रविवार को डब्ल्यूसीएल में भारत और पाक के बीच खेला जाने वाला वेटरन्स क्रिकेट मैच रद्द कर दिया गया है। धवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने बयान का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया जिसमें लिखा कि यह औपचारिक रूप से दोहराया जाता है कि श्री शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल में पाक टीम के खिलाफ किसी भी मैच में भाग नहीं लेंगे। यह चर्चा 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी बातचीत के दौरान पहले ही हो चुकी थी। हमारी वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और भारत-पाक के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए, श्री धवन और उनकी टीम ने उचित विचार -विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है।

हांगकांग को हराकर भारत ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर पहुंचा

इंडोनेशिया, वार्ता। भारत ने रविवार को इंडोनेशिया में चल रही बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियन शिप के ग्रुप चरण में अपनी लगातार जीत के क्रम को जारी रखते हुए ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में हांगकांग को 110-100 से हराकर ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत और हांगकांग चीन रविवार को आमने-सामने होने से पहले ही नॉक-आउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुके थे, लेकिन जीत की लय बनाए रखना जरूरी था। आज यहां खेले गए मुकाबलों में रुजुला रामू ने एक बार फिर भारत को आईपी सुम याउ को 11-8 से हराकर विजयी शुरुआत दिलाई और भार्गव व विश्व तेज गोब्बुरू की विश्व की छठे नंबर की जूनियर बालक युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और देंग ची फाई के खिलाफ बढ़त को 22-13 तक पहुंचाया।

जिम्बाब्वे ने रग्बी विश्वकप 2027 के लिए क्वालीफाई किया

कंपाला, वार्ता। जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय 15एस रग्बी टीम, सैबल्स ने रग्बी अफ्रीका कप के रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी नामीबिया को 30-28 से हराकर रग्बी विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कंपाला के मंडेला नेशनल स्टेडियम में कप्तान हिल्टन मुदारिकी की अगुवाई वाली जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। कड़ी टक्कर वाले पहले हाफ 16-16 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन सैबल्स ने ब्रेक के बाद मजबूत वापसी की। गॉडफ्रे मुजानाग्वों और ब्रैंडन मुडजेकेन्येद्जी के प्रयासों और इयान प्रायर के त्रुटिहीन रूपांतरणों की बदौलत जिम्बाब्वे ने 30-16 की बढ़त बना ली। नामीबिया ने दो प्रयासों और एक रूपांतरण के साथ देर से वापसी की और अंतर को केवल दो अंकों तक सीमित कर दिया।

क्रिकेट दुनिया के 23 देशों तक फैला

● टेस्ट खेलने वाले केवल 12 31 लीग में भारत का कनेक्शन, भारत के बाद अमेरिका में सबसे ज्यादा लीग

नई दिल्ली, वार्ता। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। यह दुनिया में कहीं भी खेला जा रहा हो, इसका भारत से कनेक्शन जरूर है। आईपीएल ने न सिर्फ सबसे सफल टूर्नामेंट के रूप में खुद को स्थापित किया है बल्कि अपनी सफलता से पूरी दुनिया की क्रिकेट अर्थव्यवस्था को नया रूप दिया है।

भारत के सक्रिय क्रिकेटर भले विदेशी लीग में खेलने से वंचित हैं, लेकिन भारतीय ब्रांड्स, कंपनियां, ब्राडकास्टर, पूर्व क्रिकेटर्स, अभिनेता बड़े पैमाने पर विदेशी लीग में किसी न किसी रूप में जुड़े हैं। किसी ने लीग में पैसा लगाया है, तो किसी ने टीमें खरीदी हैं। कोई ब्रांड एंबेसडर है तो कोई कमेंट्री कर रहा है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के अनुसार, दुनियाभर में 48 क्रिकेट लीग होती हैं। इनमें से 31 में भारत का कनेक्शन है। कुछ लीग में आईपीएल फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक है तो किसी लीग में भारत के पूर्व क्रिकेटर या फिर भारतीय मूल के क्रिकेटर खेल रहे हैं। एक चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में क्रिकेट इतना लोकप्रिय नहीं है और शुरुआती स्तर पर है। लेकिन, वहां 11 क्रिकेट लीग खेली जाती हैं। इससे ज्यादा लीग सिर्फ भारत (21) में होती हैं। दुनिया की इन 31 लीग में भारतीयों की किसी न किसी रूप में भूमिका 1. आईपीएल, 2. आईएलटी, 3. एसए20, 4. एमएलसी, 5. हंड्रेड, 6. इंटरनेशनल मास्टर्स लीग, 7. यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग, 8. बांग्लादेश लीग, 9. बिग बैश, 10. लंका प्रीमियर लीग, 11. वर्ल्ड चौम्पियनशिप आफ लीजेंड्स, 12. नेपाल लीग, 13. हान्गकान्ग क्रिकेट सिक्सेस, 14. मैक्स60 कैरेबियन, 15. ग्लोबल सुपर लीग, 16. कनाडा सुपर60 लीग, 17. अमेरिकन प्रीमियर लीग, 18. लंका टी10, 19. अबु धाबी टी10, 20. यूएसपीएल, 21. एनसीएल60, 22. जिमअफ्रो टी10, 23. माइनर लीग, 24. ह्यूस्टन प्रीमियर लीग, 25. आजी क्रिकेट लीग, 26. यूएसए मास्टर्स टी10, 27. लीजेंड्स लीग क्रिकेट मास्टर्स, 28. एशियन लीजेंड्स लीग, 29. लीग्ज 90 लीग, 30. लीजेंड्स लीग, 31. ओवर 60 इवेंट।

टेस्ट प्लेइंग 12, पर क्रिकेट 23 देशों तक दिलचस्प बात यह है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने दुनिया के सिर्फ 12 देशों को टेस्ट नेशन की मान्यता दी है। यानी ये देश ही टेस्ट खेलते हैं। पर, फ्रेंचाइजी क्रिकेट का विस्तार 23 देशों तक है। इनमें अमेरिका, स्पेन, कतर, मलेशिया, हान्गकान्ग, कनाडा, नेपाल, नीदरलैंड्स जैसे क्रिकेट के लिए कम चर्चित देश भी शामिल हैं। सचिन तेंदुलकर और गावस्कर इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के को-फाउंडर हैं। अभिषेक बच्चन की यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग में हिस्सेदारी है।

खो-खो ने वैश्विक स्तर पर बढ़ाया कदम, सिंगापुर में किया पदार्पण

सिंगापुर, वार्ता। भारत के सबसे पुराने देसी खेलों में से एक, खो-खो को वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, इस खेल ने आज सिंगापुर में अपना पदार्पण किया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी मैच खेला गया जिसमें सिंगापुर की राष्ट्रीय टीम ने पहली बार हिस्सा लिया और उसका मुकाबला मलेशिया की टीम से हुआ, जो भारत में आयोजित खो-खो वर्ल्ड कप 2025 के उद्घाटन संस्करण में भी भाग ले चुकी है। यह ऐतिहासिक आयोजन एशियन खो-खो फेडरेशन (एकेकेएफ) द्वारा, खो-खो एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर (केकेएएस) के सहयोग से, जुरोंग वेस्ट सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। पूरे दिन चले इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगापुर में खो-खो को लोकप्रिय बनाना था, जिसमें प्रशिक्षण सत्र, थ्योरी प्रेजेंटेशन और प्रदर्शनी मैचों का समावेश था। इस अवसर पर इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन (आईकेकेएफ) और खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहाकि आज खो-खो के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि यह सिंगापुर में अपना औपचारिक पदार्पण कर रहा है। एशियन खो-खो फेडरेशन की स्थापना इस क्षेत्र में खेल के प्रसार की शुरुआत है, जो अब केवल दक्षिण-पूर्व एशिया तक सीमित नहीं रहेगा।

रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है: टिम

जमैका, वार्ता। कैरेबियाई मैदान पर अधिक टी-20 मैच खेलने का अनुभव रखने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड का मानना है कि होबार्ट हरिकेंस के साथी मिच ओवेन की शैली वेस्टइंडीज में खेलने के लिए उपयुक्त है। आप अच्छी पिच पर निर्भर नहीं रह सकते है, कई बार रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है।

रविवार से शुरु हो रही टी-20 श्रृंखला से पहले डेविड ने कहाकि वह अपने करियर की शुरुआत में है, इसलिए मुझे यकीन है कि उसे दुनिया के इस हिस्से में खेलने का काफी अनुभव होगा। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे कैरिबियन में टी-20 क्रिकेट खेलने का थोड़ा अनुभव है और मिच का खेल यहां खेले जाने वाले क्रिकेट की इस शैली के लिए काफी उपयुक्त है। आप केवल अच्छी पिचों पर निर्भर नहीं रह सकते। कई बार रन बनाने के लिए आपको पावर की जरूरत होती है, और आपको खुद पर भरोसा करना होता है। डेविड ने 31 मैच खेले हैं, जिनमें से 24 कैरिबियाई प्रीमियर लीग में और सात पिछले साल के टी-20 विश्व कप के दौरान खेले थे। यह उन्हें मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैरिबियाई परिस्थितियों में खेलने का सबसे अनुभवी खिलाड़ी बनाता है। ओवेन, मैट

● आप केवल अच्छी पिचों पर निर्भर नहीं रह सकते, कई बार रन बनाने के लिए पावर की जरूरत होती है और आपको खुद पर भरोसा करना होता है

कुहनेमन के साथ ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम में शामिल दो संभावित टी-20 डेब्यू खिलाड़ियों में से एक हैं, जो कि रविवार रात से जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे पांच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए टीम में शामिल हैं। हरिकेंस को दक्षिण अफ्रीका 20, पाकिस्तान सुपर लीग, इंडियन प्रीमियर लीग और अमेरिका में मेजर लीग में उनके प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलियाई टी-20 टीम में जगह मिली है। 23 वर्षीय मिच, जिन्होंने क्रेग सिमंस के 39 गेंदों में सबसे तेज बीबीएल शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करके होबार्ट को अपना पहला बिग बैश खिताब दिलाया था, ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाई। उन्होंने कहाकि यह मिच के लिए रोमांचक है, यह ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनका पहला मौका है और उनकी पहली सीरीज खास होती है। मिच बेहद आत्मविश्वास से भरा क्रिकेट खेल रहा है, जिसकी बदौलत हमने बीबीएल खिताब जीता, लेकिन वह दुनिया भर में लगातार ऐसा करता रहा है। ओवेन ने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 313 रन बनाए और रिकी पोंलटग की वाशिंगटन फीडम के लिए 14 विकेट लिए। उन्होंने एमएलसी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता। उनकी टीम पिछले रविवार को डलास में हुए फाइनल में एमआई न्यूयॉर्क से हार गई थी। जमैका में ऑस्ट्रेलिया के टीम होटल में डेविड के साथ अनप्लेएबल पॉडकास्ट पर बात करते हुए ओवेन ने कहा कि बिग बैश के बाद से, सब कुछ बहुत तेजी से हुआ है।

विराट कोहली-अनुष्का शर्मा को फिल्म महावतार नरसिम्हा दिखाने की जताई इच्छा

मुंबई, वार्ता। फिल्म निर्देशक अश्विन कुमार ने विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को अपनी आने वाली फिल्म महावतार नरसिम्हा दिखाने की इच्छा जतायी है।

फिल्म महावतार नरसिम्हा के निर्देशक अश्विन कुमार ने कहा है कि वह चाहते हैं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा उनकी फिल्म महावतार नरसिम्हा जरूर देखें। उन्होंने दोनों को 'नए समय के प्रेरक' और आज के युवाओं के लिए मिसाल बताया है। अश्विनी कुमार ने कहा कि महावतार नरसिम्हा की टीम की तरफ से मैं सच में चाहूंगा कि विराट और अनुष्का भी यह फिल्म देखें, क्योंकि वे आज के समय के बड़े असरदार लोग हैं और अब भक्ति की राह से भी जुड़े हैं। उन्हें अब ईश्वरीय शक्ति की अहमियत का भी एहसास है, इसलिए वे आज के युवाओं के लिए एक बड़ी मिसाल बन सकते हैं।

अश्विनी कुमार ने कहा कि इस फिल्म का मकसद सिर्फ फिल्म बनाना नहीं है, बल्कि इसे ऐसा काम बनाना है जो युवाओं के दिल में भक्ति और समझ जगाए। उन्होंने यह भी बताया कि वह इसे पूज्य श्री प्रेमानंद महाराज जी को दिखाना चाहते हैं, जिनकी बातों से उन्हें इस फिल्म को बनाने का बड़ा हौसला मिला।उन्होंने कहा, यदि हम विराट-अनुष्का को यह फिल्म दिखा सकें और उन्हें बुला सकें, तो वह हमारे लिए बहुत बड़ी कृपा होगी। क्योंकि वह सच में युवाओं और दुनिया के लोगों की भलाई के बारे में सोचते हैं। उनकी बातें हमारे लिए अनमोल हैं।

जब वह समझेंगे कि हम उन्हीं की सीख को आगे बढ़ा रहे हैं, तो यकीन है वह खुश होंगे और हमारे इस काम से दुनिया को आशीर्वाद देंगे। महावतार नरसिम्हा 3डी और पांच भारतीय भाषाओं में 25 जुलाई को रिलीज़ होगी।

चोरी के चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, सामान बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के थाना मझोला पुलिस ने चोरी के मामले में लिप्त चार आरोपियों को गिरफतार कर जेल भेज दिया है पुलिस ने बताया कि आरोपी 1शिवम पुत्र मनोज कुमार निवासी हनुमान नगर लाइन पार, 2 रविकुमार पुत्र रामप्रसाद निवासी थाना विसोली बदायूं, 3 राहुल पुत्र हरीश स्थानीय निवासी, 4 नफीस पुत्र बशीर अहमद निवासी त्रिलो. कपुरी, कब्जे से 2 टीवी 2 बेटरे 3 जोड़ी पाजेबें चांदी की 5,000 नकद दो पेटी देशी शराब, एसपी सिटी कुमार रणवीर सिंह ने चोरी का खुलासा करते हुए बताया कि इन चारों आरोपियों ने बताया है कि 12 मार्च रात्रि के समय नए मुरादाबाद के एक मकान के ताले तोड़ कर यह सब कुछ सामान लेकर फरार हो गए थे पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल की कार को भी कब्जे में ले लिया है एसपी सिटी ने बताया कि थाना मझोला पुलिस को 12 मार्च की चोरी के बाद ही पीड़ित परिवार की और से अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर मिली थी तहरीर के आधार पर पुलिस सख्ती के साथ जांच पड़ताल कर रही थी जिसके चलते मझोला पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली।

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए मेगा कैंप का आयोजन

ठाकुरद्वारा। विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायतों (जन्मसंबंधी व अन्य त्रुटियां, बिल सुधार, अधिक बिलिंग खराब मीटर आदि) के निराकरण के लिए 17, 18 और 19,21,22, जुलाई 2025 को मेगा कैंप आयोजित किया जाएगा। अधिशासी अभियंता राहुल सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि ऊर्जा मंत्रालय एवं प्रबंध निदेशक, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मेरठ के निर्देशानुसार यह कैंप सभी वितरण उपखंडों में आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष शिविर में संबंधित अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे और उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिक से अधिक संख्या में शि. विर में पहुंचे।

एक नजर

सांसद इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी करने वाले की गिरफ्तारी को लेकर सपाइयों ने कोतवाली में दिया ज्ञापन

बिलारी। नगर के कोतवाली बिलारी में मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ यादव के नेतृत्व में क्राइम इंस्पैक्टर जयदेव सिंह यादव को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि करणी सैना के प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर योगेन्द्र सिंह द्वारा कैराना की सांसद इकरा हसन चौधरी के प्रति अत्यन्त अभ्रद, अशोभनीय, निजी और लज्जाजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे सर्व समाज के लोग आहत है और समाज के लोगों में अत्यन्त रोष व्याप्त है। कहा कि कैराना की सांसद इकरा हसन चौधरी के प्रति दिये गये अशोभनीय एवं अभद्र व्यवहार पर पुलिस प्रशासन को तत्काल आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए मुकदमा दर्ज किये जाना चाहिए और ऐसे व्यक्ति के खिलाफ दंडनीय कार्यवाही किया जाना चाहिए। इस दौरान सौरभ यादव ने कहा कि यदि दो दिन के अंदर कार्यवाही नहीं की गई, तो थाने का घेराव होगा और धरना दिया जाएगा। इस दौरान मुख्य रूप से जिला सचिव कसीम आजाद, विधानसभा अध्यक्ष लोहिया वाहिनी सददाम सैफी, विधानसभा अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड रमाकान्त सैनी, व्यापार सभा के विधानसभा अध्यक्ष चिराग अग्रवाल, विश्वजीत सिंह यादव, मनोज यादव, ग्राम प्रधान रविंद्र चौधरी, प्रधान पुत्र फारूख खां, मुकेश अंबानी ग्राम प्रधान, अमन सैनी, वासिक, अरविन्द सिंह, अकबर, मौ0 सालिम सैफी, कासिम अली, उसमान अली, अर्जुन सिंह, विजेन्द्र, लक्की यादव, प्रशान्त आदि मौजूद रहे।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

शाह टाइम्स, संवाददाता

बिलारी। नगर के अम्बेडकर पार्क में भारतीय अंबेडकर युवक संघ के पदाधिकारीयों द्वारा समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया साथ ही उनसे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाने की शपथ भी दिलाई गई।

रविवार को अम्बेडकर पार्क में आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में बसपा के मंडल कोऑर्डिनेटर एडवोकेट रणविजय सिंह एवं जिला अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल सिंह सागर पहुंचे। कार्यक्रम में सबसे पहले समाज के सम्मानित स्वर्गीय कृषि पंडित लखपत सिंह , स्वर्गीय पूर्व कोषाध्यक्ष हरदयाल सिंह भारतीय के परिनिर्वाण होने पर 2 मिनट का मोन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसके बाद समाज के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्तम अंक पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को बसपा के मंडल कोऑर्डिनेटर एडवोकेट रणविजय सिंह एवं जिला अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल सिंह सागर, चंद्रपाल सिंह सैनी, राजेश कुमार जिला कार्यकारिणी सदस्य बसपा ने छात्रों को शील्ड देकर सम्मानित किया।

इस दौरान बसपा जिला अध्यक्ष निर्मल सिंह सागर ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बाबा साहब के मिशन को ऐसे ही आगे बढ़ते रहे। कहा की बाबा साहब ने हमेशा से समाज को शिक्षित रहने और आगे बढ़ने का संदेश दिया है। शिक्षा एकमात्र ऐसा हथियार है जो आपको हमेशा आगे बढ़ता है।

सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं में दिव्यांशी, प्रियांशी, रिचा, विष्णु, गरिमा सिंह,भविष्य राव वेद ,मोनू कुमार ,आशीष कुमार, आदित्य कुमार मेघा व्यास, सुरभि, आयुषी सागर, डॉ विकास गौतम आदि रहे। बैठक में अध्यक्ष डॉक्टर जगतपाल सिंह, कोषाध्यक्ष मनवीर सिंह, मंत्री केके नवल, उपाध्यक्ष डॉ कुंवर सिंह ,राम अवतार, मुनेंद्र सिंह, सरदार भानु प्रताप सिंह, कन्हैयालाल मौर्या, वीर सिंह गौतम, निहाल सिंह ,लटूरी सिंह, डॉक्टर चरण सिंह ,दिलीप कुमार कुमार पाल ,ओंकार सिंह ,बीपी सिंह, विक्रम सिंह गौतम ,सियाराम , डॉक्टर विजयदीप ,ब्रह्मपाल सिंह ,मनवीर सिंह, मुनेंद्र सिंह, जयप्रकाश ,रतनपाल सिंह, राजेंद्र सिंह ,सुनील कुमार ,तेजपाल सिंह ,जसवंत सिंह, राकेश कुमार ,रामपुर सिंह ,अशोक कुमार ,सुभाष कुमार, बिजेंद्र सिंह, मोनू सिंह ,चरन सिंह ,लख्मीचंद ,सुभाष चंद्र ,साहब सिंह ,प्रेम सिंह, शांति सिंह राम सिंह राम अवतार सिंह और जबर सिंह, जगराज ,ज्योति, मनोज सागर आदि रहे। बैठक की अध्यक्षता कन्हैयालाल मौर्य व संचालन डॉक्टर कुंवर सिंह ने किया।

तहसील परिसर में हजारों रुपये कीमत के यूकेलिप्टिस के पेड़ चोरी, हड़कंप

ठाकुरद्वारा। रविवार का फायदा उठाकर लकड़ी चोर तहसील परिसर में खड़े हजारों रुपए कीमत के यूकेलिप्टस के पेड़ चोरी से काटकर फरार हो गए । इसकी जानकारी किसी ने तहसीलदार प्रवीण सिंह दी जिस पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। तहसील परिसर में स्थित एसडीएम आवास के पीछे एक सप्ताह पूर्व तेज आंधी बारिश के कारण तीन यूकेलिप्टस के तीन पेड की कीमत 30000 से अधिक बताई। ट्रैक्टर ट्राली से अज्ञात चोरपेड़ काटने की मशीन लेकर तीनों पेड़ों को चोरी कर फरार हो गए । तहसीलदार ने मौके पर पहुच कर जांच पड़ताल की । तहसीलदार का कहना है कियह तहसील के कर्मचारि का पेड़ कटवाने में हाथ है। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसी फुटेज की जा च करायी जा रही है। पेड़ काटने वालों व पेड़ बेचने वालों को बक्सा नहीं जाएगा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक ने फीता काटकर नेत्र परीक्षण केन्द्र का किया शुभारंभ

बिलारी। नगर के शाहबाद रोड पर रविवार को रोटरी सुन्दरलाल नेत्र चिकित्सालय के तत्वावधान में आधुनिक मशीनों से युक्त नेत्र परीक्षण केन्द्र का सपा विधायक हाजी मौहम्मद फहीम इरफान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान सपा विधायक हाजी मौहम्मद फहीम इरफान ने बताया कि अब बिलारी विधानसभा के वासी नगर बिलारी में अपनी आंखों का परीक्षण करा सकेंगे साथ ही आधुनिक मशीनों से उनकी जांच होने के उपरान्त उनके चश्मे का नंबर कम्प्यूटर मशीन से निकाला जाएगा और मोतियाबिन्द की समस्या मिलने पर मरीज को अस्पताल भी रेफर किया जा सकेगा और उनका आपरेशन भी कराकर आंखों की समस्याओं से निजात दिलाया जाएगा। इस दौरान सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने अपनी आंखों का भी परीक्षण भी केंद्र पर कराया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के बिलारी अध्यक्ष संजय जैन, ग्राम प्रधान रविन्द्र चौधरी, ग्राम प्रधान पति सददाम सैफी, मुकेश शर्मा, रोहन सामाजिक, शीलू गुप्ता, नरेश गुप्ता, नितिन जैन, समीर जैन, राक. श सिंघल, अमित अग्रवाल, नितिन डूडेजा, डॉ0 राजवीर सिंह, सुरेन्द्र शर्मा, प्रवेश सभासद, भूराज चौधरी, रोटरी क्लब के विपिन कुमार अग्रवाल , विजय कुमार , संजय रुस्तगी , सन्तोष कुमार बन्सल , प्रमोद कुमार अग्रवाल, डॉ. चन्द्र मोहन मल्होत्रा , अनिल कुमार अग्रवाल, डॉ. एस के अग्रवाल , विपुल कुमार अग्रवाल , दिनेश चन्द्र अग्रवाल ,डॉ हरी प्रकाश अग्रवाल, ओम शंकर रस्तौगी, मुकेश कुमार अग्रवाल, गौरव कुमार, रमाकान्त सैनी आदि मौजूद रहे।

बिलारी एनजीओ की अनोखी पहल से बदली तस्वीर, कचरे के ढेर की जगह खिला हरियाली का बगीचा

■ एसडीएम और पालिका अध्यक्ष ने लगाए पौधे, मोहल्ला ठाकुरान में बनी मिसाल

शाह टाइम्स संवाददाता

बिलारी। नगर के मोहल्ला ठाकुरान स्थित रजा मस्जिद चौक पर वो नजारा अब अतीत की बात बन चुका है, जहाँ वर्षों तक कूड़े-कचरे के ढेर लगे रहते थे। बीते दस वर्षों से इस स्थान पर लोग खुलेआम घरों का कूड़ा डालते आ रहे थे, जिससे न केवल बदबू और गंदगी का अंबार रहता था, बल्कि संक्रामक रोगों का खतरा भी मंडराता रहता था। पर अब इसी स्थान पर हरियाली मुस्कुरा रही है ख्र एक बगीचे की शक्ल में। इस बदलाव का श्रेय जाता है स्थानीय एनजीओ सामाजिक कार्यकर्ता संस्थान की योजना ष्एनवायरोमेकर और उसके अध्यक्ष नोमान जमाल को, जिन्होंने इस समस्या को केवल मुद्दा नहीं समझा, बल्कि इसे चुनौती मानते हुए उसका समाधान खोज निकाला। नोमान जमाल ने बताया कि उन्होंने एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की, जिसके अंतर्गत मोहल्ले के घर-घर जाकर कचरा सर्वे अभियान चलाया गया। लोगों को गीले और सूखे कचरे की पहचान और उनके पृथक्करण के बारे में जागरूक किया गया। नुकसानदेह कचरे के प्रभावों की जानकारी दी गई और मोहल्ले के निवा. सियों से यह संकल्प भी लिया गया कि अब वे कभी भी खुले में कचरा नहीं फेंकेंगे। इस अभियान को वार्ड सभासद मोहम्मद अली का भी पूरा सहयोग मिला। इसी क्रम में इस नवगठित ष्ग्रीन बेल्टष् का विधिवत शुभारंभ किया गया, जहाँ उपजिलाधिकारी विनय कुमार सिंह और पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने स्वयं अपने हाथों से पौधारोपण किया।इस पौधरोपण को सफल बनाने के लिये तूबा नर्सरी के प्रोपराइटर कफील खान का भी पूरा सहयोग रहा। एसडीएम विनय कुमार सिंह ने कहा की यह एक ऐतिहासिक पहल है। छोटे-छोटे प्रयास, जब जनसहयोग से किए जाएँ, तो वे बड़े बदलावों की नींव रख सकते हैं। इस तरह की पहलें न केवल प्रेरणा देती हैं, बल्कि अन्य वार्डों के लिए मार्गदर्शक बनती हैं। पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव बोले नगर पालिका सदैव ऐसे जागरूक और कर्मशील नागरिकों व संस्थाओं के साथ

खड़ी है। हम चाहते हैं कि लोग हमारे साथ मिलकर नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। अंत में, संस्था के अध्यक्ष नोमान जमाल ने पूरे मोहल्ले के निवासियों और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि बदलाव अकेले नहीं आता। पूरा समाज साथ देता है, तभी बदलाव स्थायी और सार्थक बनता है।

नागरिक परिषद बिलारी की हुई बैठक आयोजित

बिलारी। नागरिक परिषद बिलारी की एक बैठक सुनील आर्य के प्रतिष्ठान बस स्टैंड के पास की गई जिसमें आयुष चिकित्सालय के संबंध में राजस्व परिषद में अपील करता आरिफ पुत्र वारिस से अनुरोध करने का निर्णय लिया और उनके पैतृक निवास बाजार वाली मस्जिद पर पहुंचे वहां उनके भाई मोहम्मद राशिद रजा को अनुरोध पत्र सोपा और कहा कि हमारा अनुरोध अपने भाई तक पहुंचा दे।

मोहम्मद राशिद रजा ने बताया कि हमारे एक भाई को छोड़कर हम सब लोग आपके साथ है कोशिश करेंगे वह भी आपके साथ हो जाएं और नगर में आयुष चिकित्सालय बनवाने में हमें भी खुशी होगी। अनुरोध पत्र पर डॉ राक. श रफीक, सुनील आर्य,डॉ नफीस अहमद, प्रेम कुमार, कसीम आजाद,केपी राणा, डॉ जितेंद्र दक्ष, मास्टर उदय पाल सिंह, रघुनाथ शरण सक्सेना, प्रदीप वर्मा,रवि शंकर, सभासद राकेश यादव, ब्रज रतन,आशीष शंकर पांडे, प्रवेश कुमार, मोहम्मद कासिम पूर्व सभासद, राकेश जैन, हसीब अहमद, जहूर, संजय सक्सेना, शकील अहमद आदि के हस्ताक्षर हैं।

हमें इस जीवन में ही तत्व ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए: सीमा रस्तोगी

ठाकुरद्वारा। निरंकारी सत्संग भवन में मासिक साधसंगत का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुरादाबाद से आईं प्रचारक सीमा रस्तोगी ने सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के विचारों को साधसंगत के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सतगुरु ब्रह्म ज्ञान प्रदान कर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यह ज्ञान अज्ञानता का अंधकार दूर करता है और आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ब्रह्म ज्ञान दिया था, उसी प्रकार आज सतगुरु हमें सत्य का बोध कराते हैं। सीमा रस्तोगी ने मानव जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें इस जीवन में ही तत्व ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। नशा और अभिमान से सदा दूर रहना चाहिए, क्योंकि ब्रह्म ज्ञानी सदा जीवित रहता है। कार्यक्रम के अंत में लंगर की सेवा महात्मा डॉ. नरेश कुमार द्वारा की गई, जिससे उपस्थित साधसंगत को प्रसाद वितरित किया गया। मंच संचालन नरेश चंचल द्वारा किया गया। साधसंगत में विशेष रूप से मुखी ब्रह्म प्रकाश

गुप्ता, सेवादल संचालक डॉ. रामकुमार सिंह, डॉ. नरेश चौहान, रामकुमार सिंह, राकेश कश्यप, रोशन सिंह, अमन कुमार, पाकेस कुमार, दीपक कुमार, विवेक कुमार, सौरभ सक्सेना, रमित कुमार, शिव कुमार, शुभम कुमार, वेदप्रकाश शर्मा, राजबाला चौहान, सुनीता अग्रवाल, निशा, सुरभि, वंदना, मानसी, पूनम रुहेला, मोनिका, प्रभा देवी, लक्ष्मी, ईसम देवी, स्वाति सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्भल के हरिहर मंदिर में जलाभिषेक कराने की शिव सैनिकों ने रखी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बिलारी। संभल जिले में स्थित हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे शिव सैनिकों को बिलारी में रोका गया। इस बीच शिवसैनिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि उनको हरिहर मंदिर में दर्शन करने नहीं दिया जा रहा, ना ही जलाभिषेक करने के लिए शिव सैनिक लगातार हरिहर मंदिर का मुक्ति आंदोलन चल रही है। जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में भारी तादात में कार्यकर्ता संभल जाने के लिए निकले तो उन्हें बेरियर लगाकर रोका गया। इस बीच मांगों को लेकर शिव सैनिकों ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने की मांग की गई है।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शिवसेना के जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा,युवा शिवसेना के जिला प्रमुख मुदित उपाध्याय, भरत अरोरा, अरुण ठाकुर, शिवसेना के जिला उप प्रमुख राजीव सक्सेना, महेश सिंह, सुशील शर्मा, सौरव सक्सेना,संतोष कुमार, हरिबाबू , दिनेश

आजाद,विनोद यादव, भूरा भाई, निपेंद्र चौधरी, संजीव सक्सेना, राजेश ठाकुर,कुश सक्सेना, रवि शंकर रस्तोगी, प्रवीण ठाकुर,याद राम सिंह, विजय माथुर, पुनीत अरोड़ा, पुखराज गुप्ता, मयूर गुप्ता, राजीव ठाकुर, अमित गुप्ता आदि सहित भारी तादाद में शिव सैनिक मौजूद रहे।

भाई पर जानलेवा हमला करने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिलारी। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला कमाल में भाई पर जानलेवा हमला करने के दो सगे भाई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। इस मामले में घायल बेटे की मां ने अपने बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बिलारी के गांव नगला कमाल की रहने वाली मालती देवी ने मुक. दमा दर्ज कराया कि उसके बेटे सोनू को जान से मारने की नीयत से उसके सगे भाई संजू, रिंकू आदि ने धारदार हथियारों व ईंटों से हमला बोल दिया। इसके बाद उसका बेटा सोनू गंभीर घायल हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से उसे जिला अस्पताल भेजा गया ।इस मामले में मां मालती देवी की ओर से दर्ज कराए गए बेटों के विरुद्ध मुकदमे के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश का संजू और सुरेश को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

कोटेदारों ने की तीन दिन की हड़ताल

कुन्दरकी। पिछले छह माह से बकाया लाभांश का भुगतान किए के जाने समेत अन्य मांगों को लेकर कुंदरकी के कोटेदार रविवार से तीन दिन की हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान कोटेदार राशन का वितरण नहीं करेंगे। उत्तर प्रदेश सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद समेत अन्य संगठनों की अपील पर कोटेदारों ने 20, 21 और 22 जुलाई को पूर्ण हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है।

चीनी मिल अधिकारियों ने गन्ने में कीट एवं बीमारियों का किया निरीक्षण

ठाकुरद्वारा। रविवार को डॉ० एस०के० पाण्डेय द्वारा त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, शुगर यूनिट-रानीनांगल के क्षेत्र जोन गेट-प्रथम, गेट-द्वितीय, शरीफनगर, सुरजननगर, सौदासपुर, डिलारी एवं कॉठ में फसल की स्थिति तथा कीट एवं बीमारियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षक के दौरान उपाध्यक्ष, वी० वेंकटारथनम् महाप्रबन्धक गन्ना, टी०एस०यादव, उप महाप्रबन्धक विकास, सुनील मलिक भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डॉ० एस०के० पाण्डेय द्वारा मौजूद कृषकों को जानकारी दी की गन्नें की फसल में अधिक पैदावार लेने तथा कीट एवं बीमारियों से बचाने हेतु संस्तुत मात्रा में इमिडाक्लोरपिट, एमीस्टार एवं को. निका का घोल बनाकर पर्णीय छिड़काव करें। उपाध्यक्ष महोदय द्वारा कृषकों से अपील की गयी अधिक से अधिक गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु आगामी शरद कालीन गन्ना बुवाई में को0-0118, 15023, 98014, को०लख0-94184 एवं 14201 प्रजाति की बुवाई करें। जिससे की आगामी पेराई सत्र में चीनी मिल को पेराई क्षमता के अनुरूप गन्नें की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकें। महाप्रबन्धक गन्ना, टी०एस०यादव द्वारा कृषकों से आग्रह किया गया कि इस समय गन्नें में पोक्का बोइंग का प्रकोप अधिक दिखायी दे रहा है, प्रभावित खेतों में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड या कोनिका या ऐमीस्टार टॉप का स्प्रे आवश्य करें

एवं गेहूँ कटाई के बाद बाये गये गन्नें में अधिक उत्पादन हेतु एन०पी०के० एवं माइक्रो न्यूट्रिएन्ट का पर्णीय छिड़काव कराये। वर्तमान में चल रही समस्त आवश्यक अन्त: क्रषण क्रियायें जैसे-निराई, गुड़ाई, मिट्टी चढ़ाना एवं गन्नें की बंधाई आदि करते रहे।

शिवरात्रि से पहले पीडब्ल्यूडी ने शुरू कराया सड़क मरम्मत कार्य

ठाकुरद्वारा। सावन शिवरात्रि पर्व को देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा कांवड़ रूट पर नगर व क्षेत्र की जर्जर सड़कों की मरम्मत कार्य शुरू करा दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रमुख मार्गों पर गड्ढों को भरा जा रहा है तथा टूट-फूट वाली सड़कों को समतल किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग की देखरेख में ठाकुरद्वारा-काशीपुर रोड, स्योहारा मार्ग, जसपुर मार्ग , बस स्टैंड मार्ग, मंदिर जाने वाले रास्तों और अन्य मुख्य सड़कों पर हॉटमिक्स और गिट्टी-पत्थर डालकर मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्य की प्रगति की निगरानी की जा रही है।

पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता ने बताया कि शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में दुर्घटनाओं से बचाव और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह मरम्मत कार्य जरूरी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अधिकांश सड़कें दुरुस्त कर दी जाएंगी। स्थानीय निवासियों ने विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों के मौके पर ऐसे कार्य लोगों को काफी राहत पहुंचाते हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने यह भी मांग की कि नियमित रखरखाव की व्यवस्था की जाए।

कांग्रेस संगठन सर्जन अभियान के तहत यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

ठाकुरद्वारा। कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठन सर्जन अभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पार्टी के यूथ कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष दानिश सैफी ने भाग लिया। बैठक में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करना तथा नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ना रहा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि संगठन को मजबूती देना ही आगामी चुनावों की तैयारी जुटने के लिए प्रेरित करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। जनप्रतिनिधियों और महिला कांग्रेस की भागीदारी के साथ हुए इस कार्यक्रम में कई गांवों से आए कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों और भविष्य की रणनीति से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष यूथ कांग्रेस लारिव मंसूरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश और प्रदेश की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना समय की मांग है। संगठन को हर गांव, हर वार्ड तक पहुंचाना ही लक्ष्य है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नोशाद अंसारी, विधानसभा उपाध्यक्ष जुबैर आलम ,तस्लीम अहमद, सेवा दल अध्यक्ष अनुज वाल्मीकि, सुहैल, नईम एडवोकेट जयवीर सिंह, बसीम अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष,मोहम्मद आरिफ ,सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सोमवार, 21 जुलाई 2025

अच्छी चर्चाओं की उम्मीद

सोमवार (आज) से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। जैसीकि परंपरा हो चली है कि सत्र शुरू होने से पूर्व सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है। रविवार को भी बैठक बुलाई गई। जिसमें विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। यह बैठक बुलाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि संसद कार्यवाही सुचारू रूप से चले और जिन बातों पर मतभेद हो सकता है, उसको किसी हद तक पहले ही सुलझा लिया जाए। बैठक में विपक्षी दलों ने जिस तरह के तेवर दिखाए, उससे साफ है कि संसद में गर्मागर्म बहस देखने को मिल सकती है, क्योंकि लगभग सभी दलों के नेताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में देश को संबोधित करना चाहिए। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोप और बिहार में जिस तरह मतदाता सूची को लेकर काम हो रहा है, उस पर भी अपना वक्तव्य देना चाहिए। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा भी कि इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। वहीं सपा के रामगोपाल यादव का भी कहना था कि उन्होंने बैठक में पहलगाम आतंकी हमला और इसमें खुफिया विफलता, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रम्प के सैन्य कार्रवाई रोकने वाले बयान, पांच जैट गिराए जाने वाले बयान आदि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विदेश नीति की विफलता के कारण ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के किसी देश ने हमारा साथ नहीं दिया। अन्नाद्रमुक व आप नेताओं ने भी इसी तरह की बातें कही। जहां तक बात सरकार की है, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जहां सर्वदलीय बैठक को सकारात्मक बताया, वहीं कहा कि यह सभी को सुनिश्चित करना चाहिए कि संसद सत्र का शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संचालन हो, क्योंकि यही सबसे महत्वपूर्ण है। रिजिजू ने कहा कि हम अलग-अलग दलों और विचारधाराओं से हो सकते हैं लेकिन संसद को सफलतापूर्वक चलाना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने विपक्षी दलों को विश्वास दिलाया कि सरकार सभी की बात को सुनेगी। उनका कहना था कि संसद चलाना जितनी सरकार की जिम्मेदारी है, उतना ही जिम्मेदार विपक्ष भी है। उन्होंने जो और एक अच्छी बात कही वह यह कि छोटे दलों का भी ध्यान रखा जाएगा, उनकी शिकायत रहती है कि उन्हें बेहद कम समय दिया जाता है। सरकार की कोशिश रहेगी कि उनको पर्याप्त समय मिले। उनका छोटे दलों से मतलब उन दलों से है जिनके पास एक-दो सदस्य हैं। वास्तव में ऐसा होता है तो यह एक अच्छी पहल होगी और किसी को शिकायत नहीं होगी, लेकिन देखने में आता है कि संसद सत्र शुरू होने से पूर्व बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में काफी मुद्दों पर सहमति होने की बात सामने आती है, लेकिन जब संसद सत्र शुरू हो जाता है तो सारा वातावरण ही बदल जाता है और जो संसद अच्छी चर्चाओं के लिए जानी जाती है वहां हंगामा और शोर-शराबा देखने को मिलता है। कई बार तो पूरा सत्र ही हंगामे की नजर हो जाता है। जबकि संसद सत्र की कार्रवाई में जनता का भारी भरकम पैसा खर्च होता है। सरकार को और तमाम विपक्षी दलों को इस ओर ध्यान देना होगा कि संसद को किसी तरह का अखाड़ा न बनाया जाए, जनता स्वस्थ देखना चाहती है।

पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

किसी भी राजनीतिक दल के नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं, पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं, अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा, इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए, जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं, यही सबसे बड़ी दिक्कत है, राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में देश के सभी दलों को एकजुट होना चाहिए।

-शशि थरूर, सांसद, कांग्रेस

संसद में प्राइवेट मेंबर बिल: गंभीरता की गिरती रेखा व लोकतंत्र की अनदेखी

वीरेश तरार

भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था संसद का स्वरूप वर्षों में किस प्रकार बदला है, इसका सजीव उदाहरण हमें संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले विधेयकों के स्वरूप में देखने को मिलता है। संसद में दो प्रकार के विधेयक होते हैं एक वे जिन्हें सरकार स्वयं लाती है, जिन्हें सरकारी बिल कहा जाता है और दूसरे वे, जिन्हें किसी मंत्री के अतिरिक्त संसद का कोई भी सदस्य जिसे हम सांसद कहते हैं पेश करता है, जिसे प्राइवेट मेंबर बिल के नाम से जाना जाता है।

सरकारी बिल सरकार की नीतियों को लागू करने या किसी नए कानून को बनाने के लिए लाया जाता है। इसे सरकार का समर्थन प्राप्त होता है, इस कारण से संसद में बहुमत से पारित होने की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसके उलट प्राइवेट मेंबर बिल उस सांसद के व्यक्तिगत या क्षेत्रीय चिंताओं, किसी जनसमूह की पीड़ा, सामाजिक अन्याय या उपेक्षित वर्ग की समस्याओं को संसद के माध्यम से उजागर करने का माध्यम होते हैं। यह बिल इसलिए भी खास होते हैं क्योंकि इनके माध्यम से आम नागरिकों के जीवन से जुड़े मुद्दे संसद में उठते हैं परंतु विडंबना यह है कि ऐसे बिलों को संसद में वह स्थान या महत्व नहीं मिलता, जिसकी एक जीवंत लोकतंत्र में अपेक्षा की जाती है।

अगर हम भारत की स्वतंत्रता के बाद की संसदीय यात्रा पर दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि 1970 तक संसद में प्राइवेट मेंबर बिलों को विशेष गंभीरता से लिया जाता था। उस कालखंड में कुल तीन सौ सत्तर प्राइवेट मेंबर बिल संसद में प्रस्तुत किए गए और उनमें से चौदह बिल कानून बनकर जनता तक पहुंचे। यह संख्या न केवल सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी है कि उस समय संसद में हर सदस्य की बात को सुना जाता था, बहस होती थी और यदि जनहित में उचित पाया जाता था तो उसे कानून का रूप भी दिया जाता था। उस दौर के कुछ बिल तो इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुके हैं। बाल विवाह को समाप्त करने वाला ऐतिहासिक शारदा अधिनियम, महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिलाने वाला हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता लाने वाला मुस्लिम वक्फ अधिनियम जैसे अनेक उदाहरण इस बात को प्रमाणित करते हैं कि संसद तब केवल सरकार की आवाज नहीं थी, वह आमजन की आवाज का वास्तविक मंच थी। दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि 1970 के बाद से संसद का स्वरूप बदलता गया और संसद में प्राइवेट मेंबर बिल महज औपचारिकता बनकर रह गए।

आजादी के बाद का वह स्वर्णकाल एक विराम के साथ समाप्त हो गया। पिछले पचपन वर्षों में एक भी प्राइवेट मेंबर बिल कानून नहीं बन पाया है। न केवल कानून नहीं बना, बल्कि अनेक ऐसे बिल जिनमें समाज की धड़कनें थीं, जिनमें जनता की पीड़ा थी, उन पर बहस तक नहीं हो पाई। ऐसा लगता है कि संसद केवल सरकार के एजेंडे तक सीमित होकर रह गई है।

आज की 18वीं लोकसभा और राज्यसभा में प्राइवेट मेंबर बिलों की स्थिति अत्यंत निराशाजनक है। यदि हम मौजूदा लोकसभा की बात करें तो अब तक कुल चौसठ प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए जा चुके हैं। वहीं राज्यसभा में उनचास बिल प्रस्तुत किए गए हैं परंतु इन दोनों सदनों में इन बिलों पर गंभीर बहस की कोई मिसाल देखने को नहीं मिलती। कोई बिल चर्चा के लिए नहीं आता और बिना चर्चा के सूची से बाहर कर दिया जाता है। यह स्थिति यह संकेत देती है कि संसद के भीतर सत्ता पक्ष की सोच किस प्रकार एकपक्षीय होती जा रही है।

बीते वर्षों में अनेक ऐसे प्राइवेट मेंबर बिल लाए गए, जिनके समाज और राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते थे। भारतीय जनता पार्टी के युवा सांसद वरुण गांधी ने शहरी गरीबों के लिए एक ऐतिहासिक प्राइवेट मेंबर बिल संसद में प्रस्तुत किया था, जिसके माध्यम से शहरी क्षेत्रों में भी मनरेगा जैसी योजना लागू करने का सुझाव था। यदि यह बिल कानून बन जाता तो भारत के करोड़ों शहरी गरीबों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आ सकता था, लेकिन इस बिल को संसद में चर्चा का अवसर ही नहीं मिला। इसी प्रकार कांग्रेस की महिला नेता अलका लांबा ने महिलाओं के कार्यस्थल पर उत्पीड़न रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण बिल प्रस्तुत किया, परंतु इस बिल को भी गंभीरता से नहीं लिया गया और चर्चा तक नहीं हो सकी।

राज्यसभा में ओडिशा के युवा सांसद सुजीत कुमार द्वारा लाए गए सस्टेनेबल फैशन बिल और हेपेटाइटिस नियंत्रण विधेयक इस समय चर्चा में हैं। यदि इन विधेयकों को गंभीरता से लिया जाता तो भारत में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जवाबदेही और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में बड़ा सुधार संभव हो सकता था लेकिन अब तक के अनुभव यही कहते हैं कि संसद में ऐसी गंभीर पहलें हाशिए पर डाल दी जाती हैं। इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने स्थानीय स्वशासन को मजबूती देने के उद्देश्य से एक बड़ा प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किया है, जिसमें नगर निगम के मेयर के कार्यकाल को एक वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करने और उनके प्रत्यक्ष चुनाव का प्रावधान है।

यदि यह बिल कानून बनता है तो नगरीय लोकतंत्र को नई ऊर्जा मिल सकती है, शहरी प्रशासन में स्थायित्व आ सकता है और जनता को सीधे अपने नेतृत्व को चुनने का अवसर प्राप्त हो सकता है। परंतु संसद में प्राइवेट मेंबर बिलों के हालात देखते हुए इस बिल के भी बहस में आने या कानून बनने की संभावना क्षीण प्रतीत होती है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि संसद अब वैसी नहीं रह गई जैसी वह अपने प्रारंभिक दशकों में थी। जनप्रतिनिधियों की आवाजें अब सत्ताधारी दलों के एजेंडे के नीचे दब जाती हैं। संसद में विपक्ष और स्वतंत्र सांसदों के सुझावों को गंभीरता से सुनने की परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। आज सरकार की प्राथमिकता केवल उन्हीं बिलों को पारित करना है जो उसके नीतिगत और राजनीतिक हितों के अनुकूल हों। प्राइवेट मेंबर बिलों पर बहस तक न होना यह सिद्ध करता है कि वर्तमान लोकतंत्र एकपक्षीय हो गया है। अब संसद का मानसून सत्र आरंभ होने जा रहा है। यह सत्र इतिहास बनाएगा या बीते पचपन वर्षों की परंपरा को ही दोहराएगा, यह देखना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। क्या संसद इस बार प्राइवेट मेंबर बिलों को गंभीरता से बहस का विषय बनाएगी? क्या जनप्रतिनिधियों की आवाजें संसद में गूंजेंगी या वे सत्ता के अहंकार में दब जाएंगी? यह सवाल संसद के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा का क्षण है। यदि इस सत्र में भी प्राइवेट मेंबर बिलों पर बहस नहीं होती और उन्हें कानून का दर्जा नहीं मिलता, तो यह स्पष्ट संकेत होगा कि संसद अब आमजन की आवाज नहीं, बल्कि सरकार का एजेंडा बनकर रह गई है, लेकिन यदि संसद इस परंपरा को तोड़ती है, तो यह लोकतंत्र के लिए एक नई उम्मीद की किरण होगी।

समाज और लोकतंत्र के सजग प्रहरी के नाते हमें इस सत्र पर पैनी दृष्टि रखनी होगी। यह जानना होगा कि संसद का यह मानसून सत्र मात्र औपचारिकता में बीतेगा या इतिहास रचेगा। क्या संसद की दीवारें फिर से जनहित की आवाजों से गूंजेंगी या वे सत्ता के आदेशों की गूंज बनकर रह जाएंगी? समय ही इसका उत्तर देगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विदेशी बाजार में तेजी से पकड़ बनाता प्रसार भारती

दूरदर्शन के वेव्स ओटीटी की सीधी टक्कर ओटीटी के बेताज बादशाह नेटफ्लिक्स से है। नेटफ्लिक्स 200 से ज्यादा देशों में देखा जाता है। यह हर देश के लिए अलग-अलग भाषा में कंटेंट और डबिंग तैयार करता है। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर 210 करोड़ की संजय लीला भंसाली की हीरा मंडी सिरीज 43 देशों में देखी गई और 10 ट्रेंडिंग लिस्ट में जगह बनाई। दूरदर्शन अब इसी स्तर की भव्यता के लिए मेगा कंटेंट्स पर काम कर रहा है। दूरदर्शन के लिए एक खास बात यह है कि उसके पास बजट की कमी नहीं है। इसके अलावा बना-बनाया इंफ्रास्ट्रक्चर है।

पवन सिंह

प्रसार भारती ने भारत से बसे करोड़ों प्रवासी भारतियों के लिए कई ऐसे कार्यक्रम ला रहा है जो देश की तमाम परंपराओं, रीति-रिवाजों के अलावा जिदंगी की जद्दोजहद से उनको रू-ब-रू कराएंगे।

यह मानवीय स्वभाव होता है कि जब आदमी अपनी सरजमीं से दूर होता है तो वह भावनात्मक रूप से अपनी माटी के ज्यादा करीब होता है। वह उन पलों को पर्दे पर ही देखकर अपने अतीत और वर्तमान को उनसे जोड़ लेता है। प्रसार भारती वेव्स सहित अपने अन्य इंटरटेनमेंट चौनलों को अब इसी कंटेंट से भरने की तैयारी कर चुका है। प्रसार भारती अपने प्रसार का दायरा तेजी से बढ़ा रहा है, नए चेयरमैन, सीईओ व डीजी के आने से भविष्य में बड़े मेगा सीरियल्स दिखेंगे। विदेशों में भारतीयों की संख्या लगभग 3154 करोड़ है, जिसमें अनिवासी भारतीय (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) शामिल हैं। यह संख्या दुनिया की सबसे बड़ी प्रवासी आबादी में से एक है। वेब्स ओटीटी ने अब

विदेशी ओटीटी प्लेटफार्मों को उनके ही घर में टक्कर देने की योजना बनाई है। भारतीय संस्कृति व परंपराएं, भारतीय परिवारों का सामाजिक ढांचा, पहनावा और खान-पान।

ये तमाम ऐसे विषय लंबे समय से विदेशी दर्शकों को आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन तमाम इंटरटेनमेंट चैनलों ने विगत 20-25 सालों में इसी भारतीय समाज की कहानियों को जिस विद्रूपता के साथ परोसा, उसने बहुत नुकसान किया है। आधुनिकता को अपनाए हुए और टूटती पारिवारिक मान्यताओं की एकता कपूर स्टाइल इंटरटेनमेंट से हुए नुकसान की भरपाई करने को दूरदर्शन खुद को तैयार कर चुका है। पाकिस्तान में भारतीय इंटरटेनमेंट चैनलों का एक विशाल दर्शक समूह है लेकिन जब भारतीय परिवारों को हर क्षेत्र में मान्यताओं को धूलधूसरित करने और महिला पात्रों को यत्र-तत्र-सर्वत्र मुंह मारते हुए दिखाया जाने लगा तो इनके देखने का विरोध हुआ। परिणामस्वरूप भारतीय इंटरटेनमेंट चैनलों की लोकप्रियता का ग्राफ गिरा। दूरदर्शन इस बीच उसी तरह से खरामा-खरामा चलता रहा जैसे 84-85 के दशक में था। जहां निजी इंटरटेनमेंट चैनल्स ने भव्यता सेट लगाकर और बड़े स्टार कास्ट व बंपर पब्लिसिटी का सहारा लिया वहीं दूरदर्शन हल्के-फुल्के सेट लगाकर काम चलाता रहा। अचानक दूरदर्शन गहरी नींद से जागा और खुद को अपने ही एक चर्चित विज्ञापन ईसीई बल्ब के एक ब्लैक एंड व्हाइट विज्ञापन की तरह जागा। पूरे घर के बदल डालूंगा। शीर्ष स्तर पर बदलाव हुए और चेयरमैन, सीईओ और डीजी की तिकड़ी ने खोया हुआ जनाधार आक्रामक तरीके से हासिल करने के लिए कमर कसी। बड़ा बजट, मेगा सिरियल्स, बड़े डायरेक्टर्स, बड़े स्टार्स के साथ मनोरंजन की गला काट प्रतियोगिता में यह तिकड़ी कूद चुकी है। अब मीडिया सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर अपने प्रोजेक्ट्स की पब्लिसिटी का खाका तैयार है। दूरदर्शन के सूत्र बताते हैं कि दर्शकों ने साफ-सुथरे व मीनिंगफुल कंटेंट्स को फिर से देखना शुरू किया है। मेरा पुराना दर्शक वापस लौट रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हर दिन बढ़ती बेरोजगारी देश के लिए विकट समस्या

पिछले दिनों खबर छपी कि उत्तर प्रदेश में 2 हजार पदों के लिए 29 लाख आवेदन प्राप्त हुए। इसी तरह एक बार ऐसी भी खबर आई थी कि आईआईटी से पास हुए 38 फीसदी युवाओं को रोजगार नहीं मिला। अक्सर यह देखा जाता है कि जब भी कभी कोई सरकारी पद पर भर्ती खुलती है तो कुछ हजार पदों के लिए लाखों आवेदन आ जाते हैं। फिर वो पद छोटा हो या बड़ा, उस पद की योग्यता से अधिक योग्य आवेदक अपना आवेदन देते हैं। बात बिहार की हो उत्तर प्रदेश की या देश में किसी अन्य राज्य की, जब भी एक पद पर उम्मीद से ज्यादा आवेदन आते हैं तो स्थिति अनियंत्रित हो जाती है।

आज के दौर में अगर मेनस्ट्रीम मीडिया किन्ही कारणों से ऐसे सवालों को जनता तक नहीं पहुंचाता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि जनता तक वह सवाल पहुंच नहीं पाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे सैकड़ों इंटरव्यू देखे जा सकते हैं जो बेरोजगारी की भयावय समस्या से जूझते युवाओं की हताशा दर्शाते हैं। जब यह युवा रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो इनके राज्यों की सरकारें पुलिस से इन पर डंडे बरसाती हैं। अगर युवाओं को सरकारी नौकरी मिलने की भी उम्मीद नहीं होगी तो हार कर उन्हें निजी क्षेत्र में जाना पड़ेगा और निजी क्षेत्र की मनमानी का सामना करना पड़ेगा। दिक्कत यह है कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं बहुत तेजी से घटती जा रही हैं। इससे और हताशा फैल रही है। नौकरी नहीं मिलती तो युवाओं की शादी नहीं होती और उनकी उम्र बढ़ती जाती है। समाज

शास्त्रीय शोधकर्ताओं को इस विषय पर शोध करना चाहिए कि इन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की इस हताशा का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को देखते हुए शहरों में अनौपचारिक रोजगार की मात्रा को क्रमश: घटा कर औपचारिक रोजगार के अवसर को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। देश की सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था के कारण बेरोजगारी खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। एक शोध के अनुसार भवन निर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत, व्यापार, होटेल व अन्य सेवाओं में 47 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में 39 प्रतिशत और खनन क्षेत्र में 23 प्रतिशत बेरोजगारी फैल चुकी है।

चिंता की बात यह है कि यह वो क्षेत्र हैं जो देश को सबसे ज्यादा रोजगार देते हैं। इसलिए उपरोक्त आंकड़ों का प्रभाव भयावह है। जिस तीव्र गति से यह क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं उससे तो और भी तेजी से बेरोजगारी बढ़ने की स्थितियां पैदा हो रही हैं। दो वक्त की रोटी का भी जुगाड़ न कर पाने की हालत में लाखों मजदूर व अन्य लोग जिस तरह लॉकडाउन शुरू होते ही पैदल ही अपने गांवों की ओर चल पड़े उससे इस स्थिति की भयावयता का पता चलता है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण एशिया के देशों में अनौपचारिक रोजगार के मामले में भारत सबसे ऊपर है। जिसका मतलब हुआ कि हमारे देश में करोड़ों मजदूर कम मजदूरी पर, बेहद मुश्किल हालातों में काम करने पर मजबूर हैं, जहां इन्हें अपने बुनियादी हक भी प्राप्त नहीं हैं। इन्हें नौकरी देने वाले जब चाहे रखें, जब चाहें निकाल दें, क्योंकि इनका ट्रेड यूनीयनों में भी कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार भारत में 53.5 करोड़ मजदूरों में से 39.8 करोड़ मजदूर अत्यंत दयनीय अवस्था में काम करते हैं। जिनकी दैनिक आमदनी 200 रुपये से भी कम होती है। इसलिए मोदी सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहलीय शहरों में रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए जाएं, क्योंकि पिछले 7 वर्षों में बेरोजगारी का फीसदी लगातार बढ़ता गया है। दूसरा शहरी मजदूरों की आमदनी कैसे बढ़ाएं, जिससे उन्हें अमानवीय स्थित से बाहर निकाला जा सके।

इसके लिए तीन काम करने होंगे। भारत में शहरीकरण का विस्तार देखते हुए, शहरी रोजगार बढ़ाने के लिए स्थानीय सरकारों के साथ समन्वय करके नीतियां बनानी होंगी। इससे यह लाभ भी होगा कि शहरीकरण से जो बेतरतीब विकास और गंदी बस्तियों का सृजन होता है उसको रोका जा सकेगा। इसके लिए स्थानीय शासन को अधिक संसाधन देने होंगे। दूसरा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन वाली विकासात्मक नीतियां लागू करनी होंगी। तीसरा शहरी मूलभूत ढांचे पर ध्यान देना होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सुधरे। चौथा देखा यह गया है कि विकास के लिए आवंटित धन का लाभ शहरी मजदूरों तक कभी नहीं पहुंच पाता और ऊपर के लोगों में अटक कर रह जाता है। इसलिए नगर पालिकाओं में विकास के नाम पर खरीदी जा रही भारी मशीनों की जगह अगर मानव श्रम आधारित शहरीकरण को प्रोत्साहित किया जाएगा तो शहरों में रोजगार बढ़ेगा। पांचवां शहरी रोजगार योजनाओं को स्वास्थ्य और सफाई जैसे क्षेत्र में तेजी से विकास करके बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आज यह हालत नहीं है कि वो प्रवासी मजदूरों को रोजगार दे सके। अगर होती तो वे गांव छोड़ कर शहर नहीं गए होते।

मौजूदा हालात में यह सोचना कि पढ़े-लिखे युवाओं के लिए एक ऐसी योजना लानी पड़ेगी जिससे इनको भी रोजगार मिल जाए, पर ऐसा करने से करोड़ों बेरोजगारों का एक छोटा सा अंश ही संभल पाएगा। जबकि बेरोजगारों में ज्यादा तादाद उन नौजवानों की है जो आज देश में बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर भी बेरोजगार हैं। उनका आक्रोश इतना बढ़ चुका है और सरकारी तंत्र द्वारा नौकरी के बजाए लाठियों ने आग में घी का काम किया है। कुछ वर्ष पहले सोशल मीडिया पर एक व्यापक अभियान चला कर देश के बेरोजगार नौजवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को ही बेरोजगारी

विनीत नारायण

दिवस के रूप में मनाया था। उस समय इसी कॉलम में मैंने कहा था कि यह एक खतरनाक शुरुआत है जिसे केवल वायदों से नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में शिक्षित रोजगार उपलब्ध कराकर ही रोका जा सकता है। मोदी जी ने 2014 के अपने चुनावी अभियान के दौरान प्रतिवर्ष 2 करोड़ नए रोजगार सृजन का अपना वायदा अगर निभाया होता तो आज ए हालात पैदा न होते।

यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि कोई भी राजनैतिक दल जो अपने चुनावी अभियान में बेरोजगारी दूर करने का सपना दिखता है, वो सत्ता में आने के बाद अपना वायदा पूरा नहीं करता। इसलिए सभी राजनैतिक दलों को मिल बैठ कर इस भयावय समस्या के निदान के लिए एक नई आर्थिक नीति पर सहमत होना पड़ेगा। जिसके माध्यम से देश की सम्पदा, चंद हाथों तक सीमित होने के बजाय उसका विवेकपूर्ण बंटवारा हो। छोटे और मंझले उद्योगों के तेजी से बंद होने की मजबूरी को दूर करना होगा और इन उद्योगों को अविलंब पुन: स्थापित करने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इजरायल में युद्ध के खिलाफ फूटा गुस्सा, सड़कों पर उतरे हजारों

गाजा में बंधकों की वापसी के लिए ट्रम्प से हस्तक्षेप करने की मांग

तेल अवीव। इजरायल व हमास के बीच गाजा में करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध को रो. कने की मांग उठ रही है। समझौते की मांग को लेकर इजरायल की जनता सड़कों पर उतर आई है। लोगों ने युद्ध विराम को लेकर समझौता करने की मांग की। लोगों ने कहा कि युद्ध समाप्त किया जाए और गाजा में बंद सभी 50 जीवित और मृत बंदियों को वापस लाया जा सके।

साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को समझौते कराने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था कि ट्रम्प को बड़ा समझौता कराना चाहिए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। अमेरिका यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा में मानवीय संकट न बढ़े। वहीं काउंसिल आन अमेरि. कन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने गाजा में भुखमरी के बावजूद कार्रवाई न करने के लिए वैश्विक समुदाय की निंदा की है। सीएआईआर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने हमारी अपनी सरकार की मिलीभगत से बेंजामिन नेतन्याहू की अति-दक्षिणपंथी सरकार द्वारा फलस्तीनी नागरिकों के नरसंहार को न केवल सहन किया है, बल्कि उसे सामान्य बना दिया है। ये दुर्घटनाएं नहीं हैं। ये अमेरिकी करदाताओं द्वारा दिए गए अरबों डालर के हथियारों और सहायता से समर्थित क्रूरता और दंडमुक्ति की प्रणाली के परिणाम हैं। हम इजरायल के हमले के लिए अमेरिका के सभी समर्थन को समाप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। चुप्पी नरसंहार में सहभागिता है और नरसंहार को सामान्य बनाना मानवता के साथ विश्वासघात है।

ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है

ईरान और रूस में भूकंप के तेज झटके

काहिरा/मॉस्को। ईरान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जीएफजेड जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने बताया कि शनिवार को उत्तरी और मध्य ईरान में अंतर्राष्ट्रीय समय 21:37 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.72 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 55.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। केन्द्र ने बताया कि इसी समय पर उत्तर-पूर्वी ईरान के क़र्नाबाद गांव से 31 किलोमीटर पूर्व में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र 36.84 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 54.94 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था। वहीं रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 142 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण- पूर्व में रविवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि आज 06:28 बजे महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.0 आंकी गई।

ऑपरेशन सिंदूर से हुई क्षति की मरम्मत में जुटा पाक

सरकार ने मरम्मत के लिए 100 करोड़ दिए

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' छेड़ कर 7 मई की रात पाकिस्तान में आतंक की 9 फैक्ट्रियों को तबाह कर दिया था, लेकिन पाक ने इन ठिकानों की मरम्मत का ना-पाक काम फिर शुरू कर दिया। लगभग ढाई महीने बाद यहां मरम्मत कराई जा रही है।

लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की ओर से संचालित मदरसों में छात्र लौट आए हैं। इन ठिकानों में हुई तबाही की मरम्मत के लिए पाकिस्तानी आर्मी और शहबाज सरकार ने सरकारी खजाना खोल दिया है। पहले 50 करोड़ रुपये का फंड जारी हुआ था सूत्रों के मुताबिक, अब इन 9 आतंकी ठिकानों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का फंड रखा गया है। इस फंड को बढ़ाने के लिए पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने खुद पहल की। पता चला है कि मुनीर ने पाक आर्मी वेलफेयर और आर्मी हाउसिंग स्कीम से फंड को डायवर्ट करने के आदेश दिए हैं। ये राशि स्ट्राइक में मारे गए लोगों के परिवार वालों को दी जाने वाली सहायता राशि से अलग होगी। पाकिस्तान सरकार और आर्मी ने ऐसे 15 परिवारों को 10 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का ऐलान किया हुआ है। पाक सरकार ने इन कंस्ट्रक्शन साइट पर काम के लिए चीन की गेझोउबा ग्रुप कंपनी से भी संपर्क किया है।

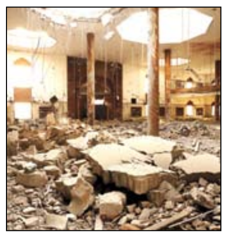

इस्लामाबाद ने चीन की कंपनी से किया संपर्क

ये कंपनी पहले से पीओके में काम कर रही है। मुजफ्फराबाद, कोटली और भिंबर के कुछ स्थानों पर ये कंपनी मरम्मत का काम कर सकती है। पंजाब सूबे में भी काम के लिए चीन की कंपनी को तलाशा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार आर्मी चीफ आसिम मुनीर का झुकाव जैश के प्रति बढ़ रहा है। जैश के मुख्यालय बहावलपुर में सुभान अल्लाह मस्जिद की निगरानी रिपोर्ट सीधे उनके पास जाती है। जैश के सुप्रीमो मसूद अजहर को भी स्पेशल आईएसआई के सेफ हाउस में रखा गया है। पता चला है कि मसूद की लोकेशन हर पखवाड़े बदल दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव साल के अंत में

रामअल्लाह। फ़लस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने नई फलस्तीन राष्ट्रीय परिषद के चुनाव इस साल के अंत से पहले कराने के शनिवार को आदेश जारी कर दिए। फलस्तीन समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, यह फैसला फलस्तीन मुक्ति संगठन की कार्यकारी समिति ने गुरुवार को हुई बैठक में लिया। बैठक में तय किया गया कि साल 2025 के अंत से पहले चुनाव करा लिए जाएंगे। वाफा ने बताया कि चुनाव की तारीख कार्यकारी समिति के अध्यक्ष तय करेंगे। इस 350 सदस्ईय परिषद में दो-तिहाई सदस्य देश से चुने जाएंगे और शेष एक-तिहाई प्रवासी और विदेशों में रह रहे फलस्तीनी मूल के लोग होंगे।

सूडान ने यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की निंदा की

खार्तूम। सूडान ने शनिवार को यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की निंदा करते हुए कहा कि इनमें 'निष्पक्ष कानूनी मानकों' का अभाव है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सूडानी सशस्त्र बलों की 'गैरकानूनी विद्रोही सशस्त्र समूहों' के साथ तुलना करना संभव नहीं है। बयान में यूरोपीय संघ से सूडान की विशिष्ट राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया। यूरोपीय संघ ने शुक्रवार को एसएएफ और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) से संबद्ध दो व्यक्तियों और दो संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंध लगाए जिनमें संपत्ति जब्त करना, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से धन या आर्थिक संसाधनों के प्रावधान पर प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध शामिल हैं।

वियतनाम में जहाज डूबने से 37 लोगों की मौत

हनोई। उत्तरी वियतनाम के हा लॉन्ग खाड़ी में शनिवार को एक यात्री जहाज के डूब जाने से 37 लोगों की मौत हो गई। वियतनाम समाचार एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि जहाज के मलबे को आज तड़के जांच के लिए किनारे पर लाया गया। दुर्घटना के समय जहाज पर 48 वियतनामी पर्यटक सवार थे। दस पर्यटकों को बचा लिया गया। सरकारी मीडिया के अनुसार जहाज में चालक दल के पांच सदस्य भी सवार थे। वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा के निर्देश पर क्वांग निन्ह प्रांत के अधिकारियों ने बचाव अभियान में सहायता के लिए चार बड़े जहाज और मुख्य बचाव बल तैनात किए।

मध्य गाजा को खाली करने का आदेश

संघर्ष विराम पर वार्ता थमी, तो इजरायल ने हमले तेज किए, लोगों को मुवासी जाने की दी सलाह

तेल अवीव। इजरायली सेना ने मध्य गाजा को खाली करने का आदेश जारी कर दिया है। मध्य गाजा उन इलाकों में शामिल है, जहां इजरायल के सैनिकों ने ज्यादा कार्रवाई नहीं की है। इससे दीर अल बलाह और राफा और खाना यूनिस के बीच संपर्क टूट गया है।

वहीं संघर्ष विराम बातचीत कई महीनों से थमी है, ऐसे में इजरायल हमले तेज करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल और हमास, कतर में युद्धविराम को लेकर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि फिलहाल कोई सफलता नहीं मिली है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों से हमास पर बातचीत करने का दबाव पड़ेगा। हालांकि अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। गाजा के जिस इलाके में निकासी का आदेश दिया गया है, वहां कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी स्थित हैं जो लोगों को सहायता वितरित करने का प्रयास कर रहे हैं। संगठनों ने इजरायल की निकासी चेतावनियों पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। इजरायली सेना ने मध्य गाजा में रहने वाले लोगों को मुवासी क्षेत्र में जाने की अपील की है। मुवासी गाजा के दक्षिण तट पर एक तंबू शिविर है, जिसे इजरायली सेना ने मानवीय शि. विर घोषित किया है।

इजरायली सेना ने चेतावनी दी है कि वे आतंकवादियों पर हमले तेज करने वाले हैं। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल में हमला किया, जिसने गाजा में युद्ध की शुरुआत की। हमास के हमले में इजरायल में 1200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 50 लोग बंधक हैं, जिनमें से आधे से भी कम जीवित बचे हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसके बाद हुए इजरायली सेना के हमले में 58000 से जयादा फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने ये नहीं बताया कि मृतकों में कितने आतंकवादी हैं, लेकिन मृतकों में आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता की मौत

यरूशलम/बेरूत। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह की योहमोर चौकी का प्रमुख अहमद मुहम्मद सलाह मारा गया। यह जानकारी इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दी। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सलाह योहमोर क्षेत्र में हिजबुल्लाह की सैन्य अवसंरचना को फिर से स्थापित करने की कोशिशों में शामिल था। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने इससे पहले कहा था कि नाबातीह जिले के योहमोर के शारबिक इलाके में एक मोटरसाइकिल पर हुए इजरायली ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

हसीना को कभी माफ नहीं किया जा सकताः बीएनपी

ढाका। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार को कहा कि अपदस्थ शेख हसीना को जुलाई के जन विद्रोह के दौरान हुई हत्याओं और क्रूरताओं के लिए कभी माफ़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने 'जन विद्रोह 2024-सदाबहार स्मृतियां' नामक एक कार्यक्रम को संबो. धित करते हुए कहा कि सुहसीना मानवता के लिए कलंक हैं, माताओं के लिए कलंक हैं। फ़ख्रुल ने आंदोलन में अपने बेटे की मृत्यु के बारे में भावुक होकर बताया कि अपने बेटे के ज़रिए भविष्य का सपना देखा था। लेकिन उसे गोली मार दी गई, फिर दूसरों के साथ एक वैन में फेंक दिया गया। बाद में, शवों को आग लगा दी गई। ज़रा सोचिए कि हम एक आज़ाद देश के नागरिक हैं। यह कार्यक्रम बीएनपी संस्थापक ज़ियाउर रहमान की समाधि स्थल पर कार्यक्रम का आयोजित हुआ।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने किया शक्ति प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी जमात- ए- इस्लामी ने राजधानी ढाका में विशाल रैली कर अपनी राजनी. तिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों समर्थक जुटे। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन अगले साल होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

जमाते इस्लामी ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह 10 लाख लोगों को जुटाएगी। रात से ही हजारों समर्थक ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस में डटे रहे। शनिवार सुबह वे ऐतिहासिक सुवर्रवर्दी उद्यान के लिए रवाना हुए। यह वही जगह है जहां 16 दिसम्बर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। 66 वर्षीय पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान ने भाषण के दौरान दो बार बेहोश हो गए। उन्हें बाद में जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि 2024 का संघर्ष केवल फासीवाद के खिलाफ नहीं है, अब भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। हम युवा शक्ति को एकजुट कर इस लड़ाई को जीतेंगे।

राजधानी ढाका में शक्ति प्रदर्शन किया, देश की यूनुस सरकार से निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की

पार्टी ने अंतरिम यूनुस सरकार के सामने 7 प्रमुख मांगें रखीं हैं। रैली में शामिल 40 वर्षीय इकबाल हुसैन ने कह हम एक ऐसे नए बांग्लादेश के लिए यहां हैं, जहां शासन इस्लाम के सिद्धांतों पर आधारित हो, ईमानदार लोग सत्ता में हों और भ्रष्टाचार न हो। जरूरत पड़ी तो जान भी देंगे। 20 वर्षीय छात्र मो. हिदुल मोर्सलीन सय्यम ने कहा हम कुरान के रास्ते पर चलते हैं, इसलिए जमात के राज में किसी से भेदभाव नहीं होगा। सभी को अधिकार मिलेंगे। यह पहला मौका है जब 1971 के बाद जमाते इस्लामी को सुवर्रवर्दी उद्यान में रैली की इजाजत मिली।

उत्तर प्रदेश। प्रयागराज में मानसून के मौसम में उफनती गंगा नदी के कारण जलमग्न हुए आस-पास के इलाके।

ट्रम्प प्रशासन स्पेसएक्स के साथ अनुबंध जारी रखेगा

ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्पेसएक्स के साथ सरकारी अनुबंधों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रम्प प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनमें से अधिकांश को बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि वे पेंटागन और नासा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के सूत्रों के अनुसार, जून की शुरुआत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह घोषणा की थी कि वह कुछ दिनों बाद एलन मस्क के साथ मौजूदा सरकारी अनुबंधों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे। इसी के मद्देनजर ट्रम्प प्रशासन ने अरबों डॉलर के समझौतों में संभावित नुकसान का आकलन करने के लिए अनुबंधों की समीक्षा शुरू की। स्पेसएक्स की अध्यक्ष ग्वेने शॉटवेल ने स्पेसएक्स अनुबंधों के मूल्यांकन के दौरान व्हाइट हाउस के अधिका. रियों से मुलाकात की। समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहा कि स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है। समाचारपत्र ने कहा कि अनुबंधों का मूल्यांकन स्पेसएक्स का एक प्रमुख रॉकेट निर्माता के रूप में और विश्व के मुख्य उपग्रह इंटरनेट संचार प्रदाता की स्थिति को उजागर करता है। जून में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और अरबपति मस्क के बीच सार्वजनिक विवाद शुरू होने के बाद व्हाइट हाउस ने रक्षा विभाग और नासा को स्पेसएक्स के साथ बड़े अनुबंधों पर विस्तृत जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया था। ट्रम्प द्वारा स्पेसएक्स के साथ अनुबंध समाप्त करने की धमकी के बाद एलन मस्क ने कहा था कि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान उड़ाना बंद कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष एजेंसी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने और वापस लाने की क्षमता खो सकती थी। एलन मस्क बाद में अपनी धमकी पर पीछे हट गए लेकिन उनकी घोषणा ने नासा अधिकारियों में चिंताए उत्पन्न कर दी जिन्होंने स्पेसएक्स पर अपने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने का भरोसा किया था और पेंटागन अपने महत्वपूर्ण उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए उनकी कंपनी पर अधिक निर्भर है।

समाचारपत्र के एक सूत्र ने कहाः स्पेसएक्स के कुछ अनुबंधों की आगे जांच की जा सकती है

सऊदी अरब के राजकुमार का निधन

दोहा। सऊदी अरब के राजकुमार अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल (36) का शनिवार को निधन हो गया। बीस वर्ष पहले लंदन में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद वह कोमा में चले गए थे। शाही कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राजकुमार को सऊदी अरब में 'सोता हुआ राजकुमार' कहा जाता था। समय-समय पर ऐसी अफवाहें उड़ती रहीं कि वह ठीक हो रहे हैं, लेकिन कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि 'राज. कुमार के अंतिम संस्कार के लिए आज रियाद स्थित इमाम तुर्की बिन अब्दुल्ला ग्रैंड मस्जिद में प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी। राजकुमार के पिता खालिद बिन तलाल ने एक्स पर निधन की जानकारी दी। उन्होंने एक भावुक पोस्ट में कहा कि अल्लाह की मर्जी और नियति में विश्वास रखते हुए गहरे दुख के साथ हम अपने बेटे के निधन की सूचना दे रहे हैं, अल्लाह उन पर रहम करे। वह अस्पताल में अपने बेटे से मिलने के बाद नियमित रूप से सोशल नेटवर्क पर कई तस्वीरें पोस्ट करते थे।

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस करें
एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिज़स्तान • उज्बेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • चाईना • ईरान • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से
M.B.B.S. ABROAD
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें
जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है
471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782 9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट